

PUBLISHED & LAUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1, 1987 (श्रावण 10, 1909) No. 31] [NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1, 1987 (SRAVANA 10, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III ---खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उन्त्र न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून 1987

सं० ए० 12022/1/87-प्रशा०-2--गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिनांक 15 मई, 1987 के का० ज्ञा० सं० 5/5/87-रा० भा० (से०) के अनुपालन में, केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के उपनिदेशक, डा० परमानन्द पांचाल को, 3700-125-4700-150-5000/- ६० के वेतनमान में 15-5-87 से 30-6-87 तक अथवां आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में, तदर्थ आधार पर निदेशक (राजभाषा) (के० स० रा० भा० सेवा का राजपत्रित ग्रुप") के पद पर नियुक्त किया जाता है ।

एस० पी० जैन, ग्रवर सचिव (प्रशा०) **कृते** ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली—110003, दिनांक 30 जून 1987 सं० 3/12/85-प्रशा०-ा खण्ड 2--राष्ट्रपति, श्री एस० खान, म्राई० पी० एस० (हरि० 70) प्रधानाचार्य -17631/87 केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, चण्डीगढ़ को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली मे उपनिदेशक के पद पर दिनांक, 12 जून 1987 (अपराह्न) से केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति की शेष अवधि 17 मई 1990 तक वेतनमान रु० 5100-150-5400 (18 वर्ष अथवा बाद में) -150-6150 तथा साथ में विशेष वेतन 400 रु० प्रतिमाह पर नियुक्त करते हैं।

स्रार॰ एस॰ सहाय, उपनिदेश (प्रशासन)

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं० डी० एफ-46/78-स्था०-1-निम्नलिखित स्रिध-कारियो की सेवाएं केन्द्रीय स्रौद्योगिक सुरक्षा बल को प्रति-नियुक्ति श्राधार पर उनके नामों के समक्ष दर्शायी गयी तिथियों से सौपी जाती है:--

- (1) श्री ए० जे० पानीकुलम, वाईस प्रि०—13-6-87 (ग्रेप०) रं० प्र० केन्द्र—II, के० रि० पु० बल
- (2) श्री एस॰ के 9-यादव, द्वितीय कमाण्ड--20-6-87 (ग्रप॰) 9 बटा॰ के॰ रि॰ पु॰ बल

(6897)

(3) बी० पी० एस० पनवार, सहा०—20-6-87 (ग्रप०) कमांडेंट 86 बटा० के० रि० प्०बल,

किशन लाल उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली—110003, दिनांक 7 जुलाई 1987 सं० श्रो० दो० 2245/86—स्थापना—-राष्ट्रपति जी ने जनरल इ्यूटी श्राफिसर ग्रेड—II डाक्टर ग्ररुण प्रसाद, ग्रुप केन्द्र मोकामाघाट को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा नियमावली) 196,5 के नियम 5 (1) के भनुसार एक मा के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 19 जून 1987 भ्रपराह्म से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 8 जुलाई 1987

सं० घो० वो० 2189/86-स्था०-I-श्री घार० एस० नेगी, पुलिस उप धाधीक्षक ने गोवा-पुलिस से रिपैट्रीएट होने के फलस्वरूप 45 दिन ग्राजित श्रवकाश एवं 12 दिन कार्यग्रहण प्रविधितिका 1-5-87 के पश्चात 53 बटा० के० रि० पु० बल में दिनाक 27-6-87 (पूर्वाह्म) को रिपोर्ट कर विया।

एम**ः ध**शोक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 29 जून 1987

सं० ई-16014(2)/5/87-कार्मिक-1-प्रितिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री रमेश चन्द्र सहायक कमांडेंट, के० रि० पु० व० ने 6 जून, 1987 के पूर्वाह्म से केथीसुब यूनिट, एम० पी० टी०, गोवा बेक कमांडेंट के पद का गार्यभार संभाल लिया।

> सुनील कृष्ण, सहायक महानिरीक्षक/कार्मिक

नई दिल्लो, दिनांक 3 जुलाई 1987

मं० ई-16014(2)/3/81-क्तामिक-1--राष्ट्रपति, श्री एस० एस० राणा, सहायक महानिरीक्षक/भर्ती व सांख्यिकी के० ग्रां० सु० व० मुख्याल १, नई दिल्ली को 23 जून 1987 के पूर्वाह्म से ६० 5100-150-5400 (18वें वर्ष या उसके बाद) 150-6150/-बिना विशेष वेतन के, वेतनमान मं केंग्रीसुब मुख्यालय, नई दिल्ली में उप महानिरीक्षक के रैंक में प्रोजन करते हैं।

दिनां ह 07 जुलाई 1987

महिपत्न

सं० ई-16013(2)/9/87-कार्मिक-I--- दिनांक 7 मई, 1987 की समसंख्यक श्रिधसूचना के संशोधन में, श्री एम० श्री तरात, भा० पुर मे० (प्राप्त को नेवान्य: 75) ने

16 अप्रैल, 1987 के पूर्वाह्म से के०औ०सु०ब० मुख्य नई दिल्ली में कमांडेंट के पद का कार्यभा संभाल लिया ।

सं० ई-16013(2)/9/84-गार्गि 1-राष्ट्रपति, श्री एस० मी० प्रवस्थी, भा० पु० से० (प्रवास्थित : 70), सहायक महानिरीक्षक/इंडक्शन व योजना, गां०सु०व० मुख्यालय, नई दिल्ली को दिनांक 24-6-87 से के०ग्री०सु०व० में द० 5100-150-5400 (18वें० वर्ष या उसके बाद) -150-6150 के घेतनमान मे उप महानिरीक्षक के रैंक में प्रोक्षत हैं।

2. श्री एस० सी० ग्रवस्थी, भा० पु० से० (प० बंगाल 70) ने दिनांक 24-6-87 के पूर्वाह्न से के०ग्रौ०सु०व० मुख्यालय, नई दिल्ली में के०ग्रो०सु०व० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारों के उप महानिशीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 8 जुलाई 1987

सं० ई-16014(2)/11/87-कार्मिक-1-1196--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री घी० पी०
एस० पंवार, महायक कमांडेट, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने
1 जुलाई, 1987 के पूर्वाल से के॰ भ्री०सु०ब० मुख्यालय में कमांडेंट
(प्रशि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

दिनांक 9 जुलाई 1987

मं० ई-16014(2)/9/87-काभिक-I-1195 प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री एस० के० यादव, सहायक कमांडेंट, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने 1 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्न से के०श्रौ०पू०सु०ब० यूनिट, बी० टी०पी० एस०, बबरपुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

> हन्द्रजीत नागिया सहायक महानिदेशक/कार्मिक

वित्त मंत्रालय द्यार्थिक कार्य निभाग क्षेत्र नोट मुद्रणालय, देवास, दिनांक 2 जुलाई 1987

सं० ऋ० खी० एन० पी०/सी०/5/87—शी आर० के० रावल, अनुभागीय अधिकारी (लेखा) को बंक नोट मुद्रणाह विवास में रुपए 2375-75-3200-द० गे०-100-35 (समूह "ख" राजपित्रत) को संशोधित वेतनमान में तबर्थ आधार पर दिनांक 20-6-87 (पूर्वाह्म) में 11-8 तक के लिए अध्या महायक निदेशक (लागत) के पद भ जाने तह, जो भी पहले हो, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति पद पर निरन्तर बने रहने अध्या इस पर नियमित नियुक्ति के किसी पूर्वाधिकार को प्रदत्त नहीं करती है तथा किसी भी समय बिना कोई का बताए इस नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है।

मु० वै० च। महाप्रवस्था प्रतिभृति कागज कारखाना

होशगाबाध-4610 5, दिनांक 3 जुलाई 1987

कमांक : $\frac{5-2}{22}$ श्री के० एस० मेनी, फोरमैन (विद्युत) को ६० -60-2300-द० ग्र०-75-- 3200-100-3500 के $\frac{11}{7}$ मान में दिनांक 4-5-1987 से 6-6-1987 तक की अव्धे के लिए तदर्थ ग्राधार पर सहायक ग्राभयन्ता (विद्युत) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० च० पन्त. उप महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय प्रमुख निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य-2 नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1987

सं० 206— निवर्तन भागु 58 वर्ष प्राप्त करने पर इस कार्यालय के श्री रामानन्द बन्सल, लेखा परीक्षा भिक्षकारी दिनांक 31-7-1987 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृक्त हो जायेंगे ।

उनकी जन्म निध्य 12-7-1929 है

मं० 207— निवर्तन मायु 58 वर्ष प्राप्त करने पर इस कार्यालय के श्री भ्यामलाल गुप्ता, लेखा परीक्षा मधिकारी दिनांक 31-7-1987 के श्रपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेंगे ।

उनकी जन्म तिथि 15-7-1929 है ।

मालश्रीप्रसाद, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 जुलाई 1987

सं प्रशासन-1/का आ संख्या 97—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्दीय राजस्व-1, नई दिल्ली, इस कार्यालय के श्री राम नाथ अरोरा, स्थायी अनुभाग अधिकारी (अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी) को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनकम 2375—3500 रु में 30 जून 1987 पूर्वाह्म से आगे आदेश दिए जाने तक नियुक्ति करते ह ।

हस्ताक्षर अपठनीय संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय, श्राध्य प्रदेश

। १ हैदराबाद, दिनाक 6 मृलाई 1987

मं० प्रणा० 1/8-132/87-88/ही० पी० मं० ८०--जे० वर्धराजन लेखावरीक्षा अधि भी, महालेखाकार (लेखा क्षिमा) I ता अयोजित साध्य प्रदेण हैंदराबाद, 30-6-87 का

विनोक 10 जुलाई 1987

सं० प्रमा० I/पदो०/8-132/87-88/-डी० पी० सं० 69—निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा प्रधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-द० प्र०-100-3500 ६० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी श्रगले श्रादेशों तक प्रवेक्षित दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई, हो, श्रीर मांध्र प्रदेश उन्च न्यायालय/उन्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाशों के परिणामों के श्रधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे भ्रापना विकत्प भारत सरकार का० ज्ञा० सं० एफ ०/7/1/80-स्थापना पी० टी०-1 दिनांक 26-9-81 की शर्तों के श्रनुसार पद्रोध्नति की तारीख से एक महीने के भ्रन्दर दें।

नाम

पव ग्रहण की तारीख

श्री एम० बी० श्रीनिवासन

6-7-87 पूर्वास

विजया मूर्ति, वरिष्ठ उप महालेखाका**र** (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 6ं जुलाई 1987

सं० हक/1/10-3/87-88--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) के कार्यालय, केरल, तिरुवनक्तपुरम के निम्नलिखित लेखा परीक्षा श्रीधकारीगण श्रीधवार्षिकी के कारण सरकारी सेवा से हरेक के मामने लिखे गए तारीखो पर निवृत्त हुए

1. श्री कें० वी० मसाई

30-6-87 अपराह्म

2. श्री सी० के० बासप्पन

30-6-87 भ्रपराह्य

3. श्री एस० शंकर सुद्रहमण्यम भग्धर 30-6-87

भानन्द शंकर महालेखाकार

भ्रपराह्म

कार्यात्रय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम; म० प्र० ग्यालियर दिनांक 19 जून 1987

क्यां ह प्रशासन 1 1/सम्ह-1/पदोन्नति /ले० प० आ०/79/
1.10--- इस कार्यात्मय की अधिसूचना क्रमान एक्सिन 11/
समूह-1/पदोन्नति ले० प० आ०/4/दिनांक 8-1-87 स आशिक संगोधन करते हुए मालेखाकार (ले० प०) प्रथम मध्य प्रदेश ने जी जाय० एन० सिह्ना 01/355 सह्यक्षक किया परीक्षा अधिनारी (अ० ए१) उर थानापन्न लेखापरीक्षा आधिनारी के पद पर धेतनमान रु० 2375-75-3200 द० ग्र०-100-3500 मे नोशनल श्राधार पर दिनाक 30-1-86 से पदोन्नत किया है।

[प्राधिकार: महालेखाकार (ले० प०) प्रथम के ग्रादेश दिनांक 3-4-87]

> ह०/- ग्रपठनीय उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय उड़ीसा भुवनेख्वर, दिनाक 1 जुलाई 1987

सं० - 11 - महालेखाकार (ले० प०) प्रथम द्वारा इस कार्या-लय के निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिवरियों को बेतनमान क० 2375-75-3200- द० रो०-100-3500 पर भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक प्रधिकारी/लेखा प्रधिवारी तथा लेखा परीक्षा प्रधिवारी) भर्ती नियमावली 1964 के अनुभार उनके नाम के आगे प्रकित तिथियों से कार्यवाहक लेखा परीक्षा प्रधिवारी के पद पर सहर्प नियुक्त किए जाते हैं। उनकी पदीक्षात उनके वरिष्ठ के दावे के पक्षपात के बिना न्यायालय में विचाराधीन मामलो पर उच्च/ उच्चतम न्यायालय के प्रन्तिम निर्णय एवं तदर्थ आधार पर की गयी है।

श्री मु० एलियस खान 21-4-87 (ग्रप०)
 श्री मणि मुखर्जी 16-4-87 (ग्रप०)

मं० 17—महालेखाकार (ले० प०) प्रथम द्वारा इस कार्यालय के श्री के० नटराजन, सहायक लेखा परीक्षा श्रिधारी को वेतनसान रू० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 पर भारतीय लेखा नथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक प्रधिकारी/लेखा श्रिधारी तथा लेखा परीक्षा श्रिधकारी) भर्ती नियमावली 1964 के अनुसार दिनाक 2-6-87 (पूर्वा०) से कार्यवाहक लेखा परीक्षा श्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किए जाने हैं। उनकी पदोन्नान उनके विराट के दावे के पक्षपात के शिना न्यायालय में विचाराधीन मामलो पर उच्च/उच्चतम न्यायालय के अनितम निर्णय तथा तदर्थ श्राधार पर की गयी है।

म० ग० म्हसकर वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणा०)

कार्यालय महालेखाकार (लंब्ग्यंहक) पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनाक 3 जुलाई 1987

सं० प्रणा० 1/1038-XXI/714--प्रधान महालेखाकार (ले० एवं हक) पश्चिम बगाल ने अगले आदेश तक श्री तपन कुमार दस-1, स्थायी अनुभाग मधिकारी को तदर्थ तथा अस्थायी तौर पर लेखा अधिकारी की हैसियन में श्रस्थायी और स्थानापन रूप से 24-6-87 (पूर्वाह्म) में या जिस दिनांक त

मे वे वस्तुतः कार्यभार सम्भालते ह इस कार्यालय मे लेख. ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है

इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि का प्रधिकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोक्सिन जब तक कलका चार चन न्यायालय में एक मुक्त्म में निर्णय निलम्बित रहे तब तक पूर्णतया श्रम्थामी स्पर्भ है श्रीर भारतीय गणराज्य तथा दूसरो के खिलाफ दायर किए गए 1979 के लिंश स्रार्थ केस संख्या 14818 (डब्स्यू) के श्रन्तिम फैमले के श्रधीन है।

नए प्रोज्ञत अधिकारी को एक माह के अन्दर विकल्प देना होगा। उनकी प्रोज्ञति पर उनके वेतन पहले एफ० आर० 22 मी के अधीन निर्धारित करना चाहिए और यदि वे एक माह की निर्धारित अवधि के अन्दर दिनांक 28~9~81 के० श्रो० एम० के पैरा 2(ख) के अनुसार विकल्प देते हैं तो उनहा वेतन पहले उनकी प्रोज्ञति के दिनाक से एफ० आर० 22(क) (1) के अधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर, परवर्ती वेतन वृद्धि के दिनांक से एफ० आर० 22 (सी) के अधीन निर्धारित करना चाहिए।

ग्न० कु० चट्टोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

न्क्षा मंत्रालय भारतीय भ्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा भ्रार्डनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 17 जून 1987

मं० 15/जी/87—वार्धक्य नियृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एम० नी० भट्याचाङ्जी, मीलिक एवं स्थायी चार्ज मैन/11 (एन० टि०) दिनांक 30-4-87 श्रपराह्म से सेवा नियृत्त हुए । तदानुसार उनका नाम दिनांक 1-5-87 प्रातः से भारतीय श्रायुध निर्माणी सेवा से हटाया जाता है ।

कल हत्ता-1, दिनां ह 6 जुलाई 1987,

मं० 16/जी/87---वार्धम्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री गी० के० मिह्ना, उप निदेशक (मौलिक एवं स्थायी फीरमैन) दिनाक 30 जून 1987 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

एम० ए० **ग्रा**लहन संयुक्त निवेशक/जी

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्मीत का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1987 श्रायात और निर्मात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

मं० 6/1465/84-प्रशा० (राज०)/5768--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात-नियति के कायंत्रिय, व्यवर्ध में कुमारी जैंड० डी० चुह्ना, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 ग्रप्रैल, 1987 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं ।

सं० 6/1537/85/प्रशा० (राज०)/5775—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियंति के कायिलय, वस्बई मे श्री आर० सी० बागले, नियंत्रक , श्रायात-नियंति, सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर 30 श्रप्रैल, 1987 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त ने गए हैं।

सं० 6/1527/85-प्रशा० (राज०)/5782--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय में वलकत्ता में श्री टी० के व बनर्जी, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 मई, 1987 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-नियति कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-नियति

वाणिज्यिक जानकारी एवं श्रंकसंकलन महानिदेशालय कलकत्ता-700001, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० एस्ट-1/1(1)85—इस निदेशालय की श्रधिसूचना सं० एस्ट-1/1(1)85/2646 (डब्ल्यू ई०) दिनाक 25-3-87 की अनुवर्ती मे वाणिज्यिक जानकारी एवं श्रंक संवलन महा-निदेशालय, कलकत्ता के स्थायी ग्रधीक्षक श्री कुमुद रंजन विश्वास को 1-5-87 से तीन महीने को ग्रगली ग्रवधि तक के लिए मशीन सारणीयन ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर बने रहने की ग्रनुमित दी जाती है।

नियुक्ति को शर्ते पूर्ववत बनी रहेंगी।

वी० म्रानन्दन महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास अधिकार (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1987,

सं० ए-19018(825)/87-प्रशा० (राज०)-विकास
गण क्त (लघु उद्योग) श्री डी० के० गुप्ता को लघु उद्योग
संस्थान जयपुर में दिनांक 11-5-87 (पूर्वाह्न)
गणे ग्रादेश जारी होने तक, हिन्दी ग्रधिकारी के रूप मे

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1987

सं० ए-1/1/(518)--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के पूर्ति निदेशक (भारतीय सेवा के ग्रेड-1) श्री देवकी मोहन को, जो इस समय तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग में प्रतिनियुक्ति पर है लोकहित में दिनांक 8 जुलाई 1985 के पूर्वीह्न से उपर्युक्त श्रायोग में स्थायी रूप से खपाए जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

एम० पी० बंगा उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो नगापुर, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० ए-19012(235)/87-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर, श्री जी० सिदेय, वरिष्ठ तक्तीकी सहायक (भूवि०) की भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 24-6-1987 के पूर्वीह्न से सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोन्नित की गुई ।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन श्रधिकारी कृते महानियंत्रक

सूचंना ग्राँर प्रसारण मंत्रालय
'भारत के समाचार-पत्नों के पंजीयक का कायिलय
नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 जुलाई 1987

सं० ए-19012/3/87-प्रशासन—लेखा नियंत्रक खाद्य एवं ग्रापूर्ति मंत्रालय, /खाद्य विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा ग्रधिकारी श्री नरेन्द्र लाल साह को भारत के समाचार-पत्नों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 12-6-87 (ग्रपराह्न) से पारिचालन ग्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री नरेन्द्र लाल साह की प्रतिनियुक्ति की ग्रविध प्रथमतया एक वर्ष की होगी तथा कथित ग्रविध, के दौरान उन पर कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 6-30-86-स्थापना (वेतन-2), दिनांक 8-12-86 में निहित शर्ते लागू होंगी ।

कृपा सागर भारत के समाचार-पत्नों के पंजीयक

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनाक 6 जुलाई 1987

सं० ऋभिन/डी-7/स्था०/87-प्रशा०/27591— स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप इस निदेशालय के केन्द्रीय ऋय एक के सहायक ऋय ग्रिधकारी श्री श्रार० जे० धोड दिनांक 01-07-1987 (पूर्वाह्न) को संस्कारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए ।

सं० ऋभिन/41/16/85/प्रशा०/27595—परमाणु ऊर्जा विभागः, ऋय और भड़ार निदेशालय के निदेशक न स्थायी लेखा महायक श्री पी० पी० नायर को इसी निदेशालय में दिनाक 02-05-1987 (पूर्वाह्न) में 01-06-1987 (प्रपराह्न) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा ग्रिधकारी श्री एस० रगराजन के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रवान की गयी है।

दिनांक 7 जुलाई 1987

स० कभिन | 41 | 17 | 85 - प्रशा० | 27656 - परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भड़ार निदेशालय, के निदेशक ने स्थायी भड़ारी श्री जी० बी० जी० राय को इसी निदेशालय में विनाक 02-05-87 (पूर्वाह्न) से 12-06-87 (प्रयराह्न) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक भड़ार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापक्र रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री के० सी० एस० पिल्ले के स्थान पर की गयी है जिन्हें जक्त श्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गयी है।

सी० वी० गोपालकृष्णन प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इंधन मस्मिथ

हैदराबाद-500 762, दिनाक 07 जुलाई 1987

सं० ना० ईं० स०/का० प्र० भ/1501/1547—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद के मुख्य कार्यपालकजी परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रधोलिखित ग्रधिकारियों को दिनाक 01-10-1986 में प्रभावी मौलिक हैसियत ने सहायक कार्मिक ग्रधिकारी की श्रेणी में ६० 2,000-60-2,300-द० रो०-75-3,200 के बेसनमान में नियुक्त करते हैं --

श्रमांक नाम	वर्तमान पदनाम
 श्री श्राई० वी० गोविद राजन श्री वी० बालन श्री टी०एल० रामचन्द्रन 	प्रशासनिक ग्रधिकारी⊸I1 प्रशासनिक ग्रधिकारी–III सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

गौपाल सि**ह** प्रबन्धक कर्मिक व प्रशासन

न्यूक्लिथर विद्युत बोर्ड बम्बई-5, दिनाक 6 जुलाई 1987

> भ्रार० एस० तलपदे महायक कार्मिक भ्रधिकारी

श्रन्तिरक्ष विभाग विश्रम साराभाई श्रन्तिरक्ष केन्द्र स्थापना श्रनुभाग

तिरुवनन्तपुरम : 695 022, दिनाक 23 जून 1987

स० वी० एस० एस० सी०/स्थापना/एफ/1(17)— निदेशक, वी० एस० एस० सी०, श्रन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र में निम्नलिखित कर्मचारियों को पदो-श्नित में वैज्ञानिक इजीनियर "एस० बी०" के पद पर रु० 2000— 60—2300 द० रो०—75—3200—100—3500/— के ग्रेड में श्रप्रैंच 01, 1987 ो पूर्वाह्न से स्थानापत्र रूप में आगामी आदेश तक एतद्द्रारा नियुक्त करते हैं :---

क्षः म० नाम	प्रभाग परियोजना
1. श्री एम० एम० मत्ताय	इ० एफ० एफ ०
2 श्री कि० मोहननपिल्लै	भ्रार० पी० पी०
3. श्रीवी० म्रार० वेणुगोपाल	म्रार० पी०पी०
4. श्रीवी० नारायणन नोयर	सी० एम०एफ०
5. श्री जी० षणूमुधम न्नाचारी	सी० एम० एफ०
6 श्री एमे ० पलेनिस्वामी	क्यू० डी० ई०
7. श्री एस० पलनी	ब्रार० एम० श्रार
8 श्री म्रार० वासुदेवन नायर	ई० एम० डी०
9. श्री जी० रंगराजू	ई० एम० डी०

कै० जी० नायर प्रशासन प्रधिकारी मा (स्योपन्।)

-**इ**सरो उपग्रह केन्द्र

⁻⁻⁻ वेगल्र-560 017, दिनाक 3 जुलाई 1987

920/(1) 15(1) 87-स्थापना-1--- विकास कर्म चारियों को वैज्ञानिक प्राभियन्ता "एम० बी॰" पद पर उनके नाम के श्रागे दी गयी

तारीख से श्रगले	धादेश होने तक	इसरो उपग्रह	केंद्र , बेंगलूर,
में मस्थायी रूप	नियुक्ति प्रदान	करते हैं :—	

नाम	पदनाम	तारीख
सर्वश्री		
1. एस० मधुसूदन राव	वैज्ञानिक/प्रभियन्ता	1-4-86
	एस० बी०	
🦫. श्री वी० धर्मे राज	1)	11-8-86
· पी० सुरेश बाबू	,,,	13-9-85
 लक्ष्मीकांत मन्ना 	***	16-10-86
5. टी० ग्रा र० रंगनाथन	"	23-9-86
 राहुल सी० ठक्कर 	11	23-9-86
-	,	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

एच० एस० रामदास प्रशासन प्रधिकारी-II

धन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 6 जुलाई 1987

कः 16/394/82-स्थापना-I--अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवम् महाविद्यालयं, देहरादून ने जीः एलः एनः चाको, सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालयं, कस्स्यांग की सेवाएं दिनांक 9-5-87 के अपराह्न से पश्चिम बंगाल सरकार को सुपर्द कर दी हैं।

ह० अपठनीय/-कुल स**चिय** वन स्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय बंगलीर-1, दिनांक 5 जून 1987

सं० 1/87-निम्निलिखित केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक के निरीक्षकों को 1986 के दौरान स्थानापस श्रिष्ठीक्षक स्रुप "बी" के रूप में समयमान वेतन श्रेणी रुपए 2000-60-2300 दक्षतारोध-75-3200-100-3500 (संगोधित) में उनके नामों के श्रागे श्रंकित तारीख के श्रनुसार उनकी पदोन्नित हुई है ।

7 5	सं सं	 अ <u>ং</u>	बकारी का नाम	अधीक्षक ग्रुप कार्यग्रहण	''बी'' के रूप में की तारीख
1		2			3
		सर्वेश्री			
! 1.	एल	्वेते	कुलकर्णी∙		6-5-1986
2.	बी	भ्री	कोचेरी		16-5-1986
3.	एस	बी	अंगडी		14-5-86

1 2	. 3
4. डी॰ डी ^० शानभाग	23-6-1986
5. एन⇒ एन • शेनवी	1-8-1986
6. कें∘ जी∘जोशी	11-8-1986
7. आर बी _ं सांगली	11-8-1986
8. एस० राजा राव कोटे	2-6-1986
9. सी॰जे॰ करजीगी (अनु० जा०)	30-6-1986
10. डी॰ ओब्रुलेसु (अनु० जा०)	10-7-1986
11. आर∘एच∘ तेरदल (अनु• आ•े)	24-7-1986
12. बी॰ एन० हुल्लेन्नयर (अनु० जा०)	22-9-1986
13. के० कृष्ण वारीअर	1-10-1986
14. अनन्त शर्मा	11-12-1986
15. एन ः एन ० हंदीगोल	11-12-1986
16. आर∘ आर∙ दीक्षित	12-12-1986

सं 2/8 7—श्री पी० एन० कुलकर्णी कार्यालय अधीक्षक मुख्यालय बेलगांव, प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/परीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क लेखा के ग्रेड पर 1986 के बौरान संयोजित समाहर्तालय बंगलौर बिलगांव और कर्नाटक सीमाशुल्क समाहर्तालय में समयमान वेतन श्रेणी क्पए 2000—60—2300—वक्षतारोध—75—3200—100—3500 (संशोधित) में स्थानापन्न के रूप में पदोन्नत हुए। अधिकारी ने दिनांक 9—10—86 में अपने कार्य-ग्रहण किया है।

सुक्कुमार शंकर समाहर्ता

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 4 जून 1987

सं० 3-806/87-स्था (मु० ज० भू०)--श्री आई० जाबिद अली को दिनांक 15-4-87 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी, जो० सी० एस० (समूहं-ख) (राजपित्तत) के पद पर मूल वेतन रु 2000/- प्रति माह पर परिशोधित वेतनमान रु 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- मेंन अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० ज० बोर्ड, उत्तर मध्य प्रदेश, क्षेत्र, भोपाल होगा।

बी० पी० सी० सिह्ना मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सवस्य उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेरीठैम सटबीसंस मद्रास प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में ।

मब्रास, दिनांक जुलाई 1987

सं 8229/560(3)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन माम के अवसान पर मेरीठैन स्टवीसंस (मब्रास) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह/–अपठर्नाय कम्पनियों का सहायक ्रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रीहन्ससन्स प्रा० लि० के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 25 जून 1987

सं 727/14047/560(3)— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अव-सान पर रीहसक्स प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उमस कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नटरमन इंडिया प्रा० लि० के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1987

सं ॰ 715/1788 5/560(5)—कम्पनी अि..... 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मण् एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नटरमन इंडिया प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं अपोलो केमीकल्स रिसर्च प्रा० लि० के विषय में ।

बम्बई, विनोक 7 जुलाई 1987

सं 641/20854/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अपोलो केमीकल्स रिसर्च प्रा० लि का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

> ह्वी राधाकिश्वन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

विधि और न्याय मंत्रालय,
विधि कार्य विभाग,
आयकर अपीलीय अधिकरण
सम्बद्ध, दिनांक 6 जुलाई 1987

कमांक एफ 71-एडी (एटी)/84-आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर (अपीलीय अधिकरण नियम 1963) जिसमें वर्तमान नियमों के संशोधन भी सम्मिलित हैं। और संशोधन करने के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :--

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1. (1) ये नियम आयकर अपीलीय अधिकरण (संशोधन नियम 1987)कहे जाएंगे :

(2) ये नियम दिनांक 1 अगस्त 1987 से लागू होंगे ।

नियम 2 का संशोधन

2. उन्त नियमों के नियम 2 के (क) खण्ड (iii) में "अध्यक्ष" गड्दें और अर्ध विराम चिह्न के

(क) खण्ड (iii) में "अध्यक्ष" शब्द और अर्ध विराम चिह्न के बाद और "उपाध्यक्ष" शब्द के पहले "वरिष्ठ उपाध्यक्ष" शब्द अन्तस्थापित किए जाएं

"और जहाँ सबसे बारा अपेकिन हो इसमें उप-पंजीकार तथा महीयक पंजीकार समितित हैं." (म) वर्षमान बण्ड (ार) एवं (x) क्रमणः बण्ड (x) एवं (xi) के रूप में धुनः संक्रांकित निए जाएं तथा निल्लालिक को उप्पर (xi) के रूप में धुनः स्थापित किया जाए, अर्थात् :— (ix) "त्रिष्ठ उपाध्यक्ष" से तालवं हैं "अधिकरण के वरिष्ठ उपाध्यक्ष" विसम 3 का संबंधित				(ख) खण्ड (vii) में उसके अन्त में दिए हुए अर्धविराम चिह्न "," को निकाल दिया आएं और उसके बाद निम्न शब्द और अर्धविराम चिह्न, जोड़ दिए जाएं :—
संख्यांकित किए बाए, अर्थात् :— (ix) के रूप में अन्तः स्थापित किया बाए, अर्थात् :— (ix) "विरिष्ठ उदाप्रध्या" ने तात्यं है "अधिकरण के विरिष्ठ उदाप्रध्या" नियम 3 का संबोधन 3. वर्तमात नियम 3 के स्थान पर नियमतिथित नियम प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :— "गिठ अपनी वैठक के अपने सुक्यानय अथवा अव्या जात्य ऐसे स्थान या स्थानो में, जैसा कि अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा अधिकृत किया जाएगा, करेगी।" तियम 4 का संबोधन 4. नियम 4 के वर्तमात जुनरतिया (2) के स्थान पर नियमितिथित नियम प्रतिस्थापित किया जाएं, अर्थात् :— "किसी भी मुख्यालय में बहुं अधिकरण की वी यादों से अधिक पीठों कार्यस्त है, उनमें ऐसी कियी एक पीठ से किसी दूसरी पीठ में कोई अभील या आयेवन्त्यक से अलरण, अध्यक्ष, अथवा उनकी अपूर्णस्थान में मुख्यालय में उपस्थित है, के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अपूर्णस्थान में मुख्यालय में उपस्थित है, के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अपूर्णस्थान में मुख्यालय में उपस्थित है, के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अपूर्णस्थान में मुख्यालय में उपस्थित है, के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अपूर्णस्थान में मुख्यालय में उपस्थित है। के किसी दूसरी (3) के बाय नियमितिथित सार्टीकरण अस्त स्थापित किया वाए :— स्थित श्री के वार्य नियमितिथित सार्टीकरण अस्त स्थापित किया वाए :— स्थितिकारण : इस नियम के प्रयोजन के तु नव्यपित प्रतिनिधि वारा स्थाप्त प्रतिनिधि के स्थाप्त में स्थापित की स्थाप्त के स्थाप्त में स्थापित की स्थाप्त में स्थाप स्थापित की स्थाप्त में स्थापित की स्थाप्त में स्थापित की स्थाप्त में स्थापित की स्थाप्त में स्थापित की स्थापित हों से स्थापित की स्थापित की स्थापित की स्थापित हों से स्थापित की स्थापित करने स्थापित की स्थापित की स्थापित की स्थापित करने स्थापित का स्थापित करने स्थापित क				· ·
नियम 3 का संशोधन 3. वर्तमान नियम 3 के स्थान पर निम्मानिधन नियम प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :— "गिठ अपनी बैठक अपने मुख्यान्य अवस्या अयस्य ऐसे स्थान या स्थानों में, जैसा कि अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा अधिकृत किया जाएम, करेगी।" 7. तियम 4 का संशोधन 4. तियम 4 के वर्तमान उपनियम (2) के स्थान पर निम्मनिवित्र निमम प्रतिस्थापित किया जाएं, अर्थात् :— "किसी जी मुख्यालय में जहां जीधकरण की यो याने में अधिक तीनों कार्यरत है, उसमें ऐसी किसी एक गीठ में किसी सूतरी पीठ में कोई अशील या आवेदरायत का अन्तरण, अव्यक्ष, अथवा उनकी अनुपस्थित में बारेस्ठ उपन्यस्य, संबंधित क्षेत्र के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अनुपस्थित में मुख्यालय में उपस्थित गीठ के वारण्यत अथवा उनकी अनुपस्थित में मुख्यालय में उपस्थित गीठ के वारण्यत सदस्य, कर सकेंगे, " नियम 9 का संथोधन 5. नियम 9 के उपनियम (3) के बाद निम्मानियित्र स्थादीकरण अन्तःस्थापित किया आएः :— स्थादीकरण : इस नियम के प्रयोजन हेतु मत्यापिएः प्रतिनिषि अपीतार्थों को मृततः ये सर्यो प्रतिनिषि कस्य में स्थाबिध अधिक्रम प्रतिनिषि अपीतार्थों को मृततः ये सर्यो प्रतिनिषि कस्य में स्थाबिध अधिक्रम प्रतिनिषि अपीतार्थों को मृततः ये सर्यो प्रतिनिषि कस्य में स्थाबिध अधिक्रम प्रतिनिषि क्या सामिल होंगी । तियम 24 का संशोधन 6. वर्तमान नियम 24 और उनके शोर्ष के स्थान पर निम्मानिवित्र णीर्ष और नियम प्रतिस्थापित किए आर्थ, अर्थान् — 24. 'अपीतार्थी द्वारा व्यतिकृत की देशा में अर्थील की एक पश्चीम मुनवार्थ" ''जहां मुनवार्थ के बिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिमके लिए युनवार्थ स्थान को शई है अपील मुनवार्थ के स्थान स्थान का स्थान प्रतिनिष्ध क्या अथवा अधिकृत प्रतिनिष्ध के मार्फत उपस्थित निष्के होता के मिकरण प्रतिनिष्ध के स्थान पर कर सकेंगाः परन्य यह कि कहा को अर्थाल उपनिवन उनके का पर्योग करमाथान कर वेता है कि युनवार्थ के विक्त का को अर्थाल करने हुए तथा अर्योल को पुन-स्थापित करने हुए अर्थेल पारित करने हुए तथा अर्योल को पुन-स्थापित करने हुए अर्थेल प्रतिन की प्रता अर्योल करने हुए तथा अर्योल की युनवार्थ क्यान्य निष्के के स्थान पर निम्मत्र की सर्योल मुनवार्थ क्यान्य के हिन्स की मार्य है, अर्योल मुनवार्थ के स्थान पर निम्मत्र की मार्य है, अर्योल मुनवार्थ के स्थान पर निम्मत्र की मार्य है, अर्योल मुनवार्थ के स्थान पर निम्मत्र के स्थान व				संख्यांकित किए जाएं तथा निम्नलिखित को खण्ड (ix) के रूप में अन्तः
"पीठ अपनी बैठकें अपने मुख्यालय अयवा अत्य एमे स्थान या स्थानो में, जैसा कि अधिकरण के अध्यक्ष होरा अधिकृत किया जाएगा, करेगी।" विसम 4 का संकोधन 4. नियम 4 के बर्तमान उप-नियम (2) के स्थान पर नियमितिकत नियम प्रतिस्थापित किया जाएं, अथवेंतु :—— "किसी भी मुख्यालय में जहां अधिकरण की दो बादों से अधिक पीठों कार्यरत हैं, जममें ऐसी किसी एक पीठ से कोई अपील या आवेदनपत को अलतरण, अध्यक्ष, अथवा उनकी अनुपस्थिति में बुख्यालय में उपियत हैं, जममें ऐसी किसी एक पीठ में कोई अपील या आवेदनपत को अलतरण, अध्यक्ष, अथवा उनकी अनुपस्थिति में बुख्यालय में उपियत पीठ के बरिष्ठतम सदस्य, कर सकती ," नियम 9 का संशोधन 5. नियम 9 के उपनियम (3) के बाद नियमित्रिक स्थानिक अपीलार्थों को मुलतः दो गयी प्रतिलिधि के कप में यथाशित अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि का प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशिति अधिक्रमाणित कोटो-स्टेट प्रतिलिधि हारा सत्य प्रतिलिधि के कप में यथाशित को एक पशीच मुनवाहिं" विसम 24 को संशोधन 6. बर्तमानितिधि के स्थानिक की देशा में अपील की एक पशीच मुनवाहिं" "बहां मुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अल्प दिन जिसके हित्स अधिकरण अथवें को को आधार पर कर सकते। । सुनवाहिं को की का स्थान को स्थान कर से सुनवाहिं कि सुनवाहिं होता है वहां अपील का नियदार उसके सुण्यालि को एक पशीध को स्थान करने हुए वारो सर अधिकरण अथवें का सुनवाहिं के सुनवाहिं के सुनवाहिं के सुनवें के उपियत रहने का पर्याण कारण था यहां अधिकरण अथवें कारण कारण करने हुए वारो सर से वार्यलित करने हुए आदेश सार्याण करेगा। " विसम 25 का संशोधन 7. वर्नमान विसम 25 के स्थान पर निमालिखित शीर्य एवं नियान की एक पशीय मुनवाहें" बहु सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवां कोई कर दिन जिसके निए मुनवाई स्थान की महित्र के मार्यत देशाई कर वार्यलित होता है परन्तु मुनवाई है सुलिय को प्रति के मार्यत दियत होता है परन्तु मुनवाई है सुलिय की प्रति के मार्यत दियत होता है परन्तु मुनवाई				-
किया जाएं, अयात् :— "किसी भी मुख्यालय में जहां अधिकरण की दो यादों से अधिक पीठों कार्यरत हैं, उसमें ऐसी किसी एक पीठ से किसी दूसरी पीठ में कोई अपील या आवेदरायत का अस्तरण, अध्यक्ष, अथवा उनकों अनुपस्थित में बरिट्ठ उपाध्यक्ष, संबंधित केत्र के उपाध्यक्ष अथवा उनकों अनुपस्थित में मुख्यालय में उपस्थित पीठ के यरिट्ठतम सदस्य, कर सकेंगें , " नियम 9 का संशोधन	नियम 3 का संशोधन		. 3.	''पीठ अपनी बैठकें अपने मुख्यालय अथवा अन्य ऐमे स्थान या स्थानो में, जैसा
उसमें ऐसी किसी एक पीठ से किसी दूसरी पीठ में कोई अपील या आवेदनपल का अन्तरण, अध्यक्ष, अथवा उनकी अनुपस्थित में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संबंधित क्षेत्र के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अनुपस्थित में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संबंधित क्षेत्र के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अनुपस्थित में मुख्यालय में उपस्थित पीठ के विराठतम सदस्य, कर सकेंगे, " नियम 9 का संगोधन	नियम 4 का संशोधन		. 4.	
लाए : स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन हेतु मत्यापिश प्रतिलिपि अपीलार्थी को मूलत: दी गयी प्रतिलिपि तथा अपीलार्थी सा उसके अधिकृत प्रतिलिधि द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में यथात्रिध अधिप्रमाणित फोटो-स्टेट प्रतिलिपि शामिल होगी । तियम 24 का संशोधन				उसमें ऐसी किसी एक पीठ से किसी दूसरी पीठ में कोई अपील या आवेदनपन्न को अन्तरण, अध्यक्ष, अथवा उनकी श्रनुपस्थिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संबंधित क्षेत्र के उपाध्यक्ष अथवा उनकी अनुपस्थिति में मुख्यालय में उपस्थित पीठ के
स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन हेतु नत्वापिर प्रतिलिपि अपीलार्थी को मूलतः दी गयी प्रतिलिपि तथा अपीलार्थी या उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में यथाविधि अधिप्रमाणित फोटो-स्टेट प्रतिलिपि णामिल होगी । तियम 24 का संशोधन	नियम 9 का संणोधन .	•	. 5.	. ,
प्रतिस्थापित किए जाएं, अर्थात् — 24. ''अपीलार्थी द्वारा व्यतिकम की दशा में अपील की एक पक्षीय सुनवाई'' ''जहां सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिसके लिए सुनवाई स्थिगित की गई हो अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर यदि निर्धारिती स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित नहीं होता है, वहां अपीलीय अधिकरण प्रत्यर्थी के तकों को सुनने के उपरान्त अपील का निपटारा उसके गुणागुण के आधार पर कर सकेंगा : परन्तु यह कि जहां अपील उपरोक्त उपबन्धित नरीके से निपटाई गई हो तथा अपीलार्थी बाद में उपस्थित होकर अधिकरण का यह समाधान कर देता है कि सुनवाई के दिन उसके अनुपस्थित रहने का पर्योप्त कारण था, वहां अधिकरण अपने एक पक्षीय आदेश को अपास्त करने हुए तथा अपील को पुन स्थापित करने हुए आदेश पारित करेगा ।'' नियम 25 का संशोधन . 7 वर्तमान नियम 25 के स्थान पर निम्निलिखित शीर्ष एवं नियम प्रतिस्थापित किए जाएं, अर्थात् :— 25. ''प्रत्यर्थी द्वारा व्यतिकम की दशा में अपील की एक पक्षीय सुनवाई'' जहां सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिसके निए सुनवाई, स्थान की गई हो, अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर यदि अपीलार्थी उपस्थित होता है परन्तु प्रत्यर्थी स्वयं या अपने प्राधिक्षत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित				स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन हेतु मत्यापित प्रतिलिपि अपीलार्थी को मूलत: दी गयी प्रतिलिपि तथा अपीलार्थी या उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में यथाविधि अधिप्रमाणित फोटो-स्टेट प्रतिलिपि शामिल
"जहां सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिसके लिए सुनवाई स्थिति की गई हो अपील मुनवाई हेतु लिए जाने पर यदि निर्धारिती स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित नहीं होता है, वहां अपीलीय अधिकरण प्रत्यर्थी के तर्कों को सुनने के उपरान्त अपील का निपटारा उसके गुणागुण के आधार पर कर सकेगा : परन्तु यह कि जहां अपील उपरोक्त उपबन्धित नरीके से निपटाई गई हो तथा अपीलार्थी बाद में उपस्थित होकर अधिकरण का यह ममाधान कर देता है कि सुनवाई के दिन उसके अनुपस्थित रहने का पर्याप्त कारण था, वहां अधिकरण अपने एक पक्षीय आदेश को अपास्त करने हुए तथा अपील को पुन स्थापित करने हुए आदेश पारित करेगा ।" नियम 25 का संशोधन	नियम 24 का संशोधन .		. 6.	
स्थिति की गई हो अपील मुनवाई हेतु लिए जाने पर यदि निर्धारिती स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित नहीं होता है, वहां अपीलीय अधिकरण प्रत्यर्थी के तकों को सुनने के उपरान्त अपील का निपटारा उसके गुणागुण के आधार पर कर सकेगा : परन्तु यह कि जहां अपील उपगेक्त उपविश्वित नरीके से निपटाई गई हो तथी अपीलार्थी बाद में उपस्थित होकर अधिकरण का यह समाधान कर देता है कि सुनवाई के दिन उसके अनुपस्थित रहने का पर्याप्त कारण था, वहां अधिकरण अपने एक पक्षीय आदेश को अपास्त करने हुए तथा अपील को पुन स्थापित करने हुए आदेश पारित करेगा ।'' तियम 25 का संशोधन				
अपीलार्थी बाद में उपस्थित होकर अधिकरण का यह समाधान कर देता है कि सुनवाई के दिन उसके अनुपस्थित रहने का पर्याप्त कारण था, वहां अधिकरण अपने एक पक्षीय आदेश को अपास्त करने हुए तथा अपील को पुन स्थापित करने हुए आदेश पारित करेगा ।'' नियम 25 का संशोधन				स्थगित की गई हो अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर यदि निर्धारिती स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के मार्फन उपस्थित नही होता है, वहां अपीलीय अधिकरण प्रत्यर्थी के तर्कों को सुनने के उपरान्त अपील का निपटारा उसके गुणागुण के आधार
जाएं, अर्थात् :—— 25. ''प्रत्यर्थी द्वारा व्यतिक्रम की दशा में अपील की एक पक्षीय सुनवाई'' जहां सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिसके लिए सुनवाई, स्थागित की गई हो, अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर, यदि अपीलार्थी उपस्थित होता है परन्तु प्रत्यर्थी स्वयं या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित				अपीलार्थी बाद में उपस्थित होकर अधिकरण का यह समाधान कर देता है कि सुनवाई के दिन उसके अनुपस्थित रहने का पर्याप्त कारण था, वहां अधिकरण अपने एक पक्षीय आदेश को अपास्त करने हुए तथा अपील को पुनःस्थापित करते
जहां सुनवाई के लिए नियत दिन पर अथवा कोई अन्य दिन जिसके लिए सुनवाई, स्थागित की गई हो, अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर, यदि अपीलार्थी उपस्थित होता है परन्तु प्रत्यर्थी स्वयं या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित	नियम 25 का संशोधन .		. 7. [.]	जाएं, अर्थात् :—
स्थांगत की गई हो, अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर, यदि अपीलार्थी उपस्थित होता है परन्तु प्रत्यर्थी स्वयं या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के मार्फत उपस्थित				
· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •				स्थागत की गई हो, अपील सुनवाई हेतु लिए जाने पर, यदि अपीलार्थी उपस्थित
	2—176 GL/87			हाता ह परेन्तु प्रत्यथा स्वयं या अपन आधिकृत प्रातानाघ के माफत उपस्थित

		नही होता, वहां अधिकरण अपीलार्थी के तकों को सुन कर अपील का निपटारा गुणागुण के आधार पर कर सकेगा ।
नियम 34 का संशोधन .	•	 अस्त नियमों के नियम 34 में "उपाध्यक्ष" शब्द के बाद और "या" शब्द के पहले "वरिष्ठ उपाध्यक्ष" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएं ।
नियम 40 का संगोधन .		9. वर्तमान नियम 40 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया आए, अर्थात् :—— "वही पीठ जिसके समक्ष अपील की मुनवाई के फलस्वरूप आवेदन पत्न प्रस्तुत किया जाता है, उक्त आवेदन पत्न की सुनवाई करेगी जब तक कि अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष या उपाध्यक्ष जैसी भी स्थिति हो, अन्यथा निर्देश दें ।"
नियम 47 का संशोधन .		10. वर्तमान नियम 47 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :— "उच्च न्यायालय द्वारा धारा 256 की उपधारा (2) के अन्तर्गत आदेश प्राप्त होने पर अथवा धारा 258 के अन्तर्गत प्रकरण वापस करने पर उसकी सुनवाई नियम 40 के अन्तर्गत निर्दिष्ट बही पीठ करेगी जिसने उसकी पहले सुनवाई की थी, जब तक कि अध्यक्ष, या वरिष्ठ उपाध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया जाए ।"
नियम 48 का मंशोधन .		11. वर्तमान नियम 48 के स्थान पर निम्निलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् : "अधिकरण द्वारा धारा 260 की उपधारा (i) के अन्तर्गत उच्च न्यायालय के निर्णय की प्रति प्राप्त होने पर उसे आवश्यक आदेशो हेतु नियम 40 के अन्तर्गत निर्दिष्ट पीठ का अथवा अन्य किसी पीठ को जैमा कि अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, या उपाध्यक्ष निर्देश वे, भेजा जाएगा ।

आयकर अपीलीय अधिकरण के आदेशानुसार

जी० पी० बाजपेयी पंजीकार

इक्स्य बार्च यो । एक , एक . ----

नावक ए विभिन्नित, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) में अभीत सूचना

भारत सरकार

कारीकर, सहायक शायकर शायकत (विश्वीक्रम्)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13129/86-87—अतः मुझे; पी० एन० बंसल

कायकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 / । रत. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, ओम सुदर्शन इमारत, 22, रूपारेन मार्ग, आफ नेपियन सी रोड, वालकेश्वर, प्लॉट सी० एस० नं० 320, मलबार हिल, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) जिसका कुरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वनः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , धक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;— (1) श्रीमती जसवन्ती चन्द्रकांत धनक

(अन्सरक)

(2) सुरेखा धीरज लाल भ्रन धीरजलाल धनक, और राजेई धीरजलाल धनक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

उन्हा सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाहोन् :---

- (क) इस सूचका से राजपन में प्रकाशन की तार्रीय सं 45 वित्र की अधीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी क्विध बाद में समान्त होती हो, भी भीतर प्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में त्रकायन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी क्या व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताकड़ी हैं शस विवित में किस या स्वोंगे।

क्लकीकरण्:---इतने प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को स्वत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ण होता, को उन्न अध्याय में दिका नवा है है

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, ओम सुदर्शन इमारत, 22, रूपारेल मार्ग, आफ नेपियन सी-रोड, वालेश्वर प्लाट नं० सी० एस० नं० 320, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संठ अई-1/37ईई 10923/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक [3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी संहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13157/86-87—अतः मुझे, पी० एन० बंमल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लैंट न० 22, रित् अपार्टमेंट्स 1/113, डुगरसी रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 3-11-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्धात:—

(1) मेडोज इन्वैस्टमेंट्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2 श्री मनोज बी० वध धा

(अन्तरिती)

(3) विजय दीप डेवलपमेंटस (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ममुस्ची

प्लीट नं० 22, रितू प्रपार्टमेंट्स /113, डुंगरसी रोड, मलबाई हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० स० अई-1/37-ईई/10936/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनांक 2-7-1987 मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1987

निदेश मं० अई-1/37-ईई/13158/86-87—अतः मुझे,

पी० एन० बंमल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 10, शेअर्स जो प्लैट न 14 मे, जो, 2री मजिल, और गैरेज नं 20, जो तल माला, हिमगिरी को -आप हा हिसग सोसायटी लि 755/6, पैडर रोड, बम्बई-400026 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अर्धन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 3-11-86

को पृषािकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषािकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीक के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री बायू भाई चुनीलाल शहा, मधूरिका चितरन्जन शहा, नयन चितरन्जन शहा, और बेला नयन शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , ओ भी अविध बाद में समाप्त हांता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुवतः शब्दों और पदों का, जो उसतः अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषिण ह^र, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया। गया है।

वन्स्ची

10 शेअर्स जो फ्लंट नं ० 14 में, जो 2री मंजिल, भौर गैरेज नं ० 20, तल माला, हिमगिरी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 755/6, पैंडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/10937/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांकु: 3-7-1987

मोहर

प्रकार भार्ते, टी. एव . एव . . .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भाउत चंड्रकार

कायखिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-/37-ईई/13165/86-87—अतः मुझे, पी० एन० बंसल

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व एसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, नवरंग इमारत, पैडर रोड, बम्बई-400027 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टरी है, दिनांक 3-11-86

को पृत्रोंकत सम्मणि के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यकान द्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरले का कारण है कि यथापूर्वोंक्त तम्मणि का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल के ल्लाह प्रतिकात से अधिक है जोर जन्तरक (जन्तरका) जोड़ अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बन्तरण के हिए तब गाया वया प्रतिकास, निम्निशिवित उव्वदेश से उच्त जन्तरण सिवित के बास्तविक कम से कवित कही किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई जिली बाव की बावत , उनत निधिनियम के नधीन कर दोने में बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा में जिए; बॉड/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

नतः नव, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-न के बनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विकासिकित व्यक्तियों, वर्धातः— (1) कुमारी खातू अहमद कर्मअली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुणा अंबाप्रसाद माथुर ।

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरक)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिष्टिक के कथ्याब 20-क में वरिशायित हैं मही वर्ष होता को उस कथ्याब के दिशा गया

भन्सूची

पलैट नं० 12, नवरंग इमारत, पैडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/10939/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप वार्ड टी.एन.एस.-----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/13174/86-87—प्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, रींतु ग्रपार्टमेंट्स, 1/113, हुंगरमी रोड, मलबार हिल, वम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रांर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-11-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नितियों उच्चे के विच के वि

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त किथिनियम के अधीन कर दीने के बंठरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किर्स धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, एप्रिन में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ए की वन्तरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेडोज इन्वेरमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड । । (श्रन्तरक)
- (2) श्री दीप की० बाध्वा।

(श्रन्तरिती)

(3) विजय दीप डिवलपमेंटम । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में मंपत्ति है)

को यह सूचना आशी करके प्वॉक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यितस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूतजी

पलैंट नं० 21, रितू अपार्टमेंट्स, 1/113, डुंगरसी रोड, मलबार हिल, बम्बई 6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि में श्रई-1/37-ईई/10945/ 86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन०,बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्रकृष काद्यं. टी एन एस -----

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13191/86-87--श्रत. मुझे, पी० एन० बंगल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्ग्रार जिसकी मं० फ्लैंट नं० सी-66, 8वी मंजिल, बैरलाई क्ष्रयू, 14, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (ग्रार इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रार जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 2694,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय में रिजम्दी है दिनांक 4-11-86,

को पृथोंक्य सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिएती (अन्तिगितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक एप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनात को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्लाल लिधिनियम, या धनार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था का किया वाना वाहए सा कियान में सुविशा की लिध

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिद्यों, अर्थात :---

- (1) श्री कृष्णा विद्रुष्टल राव कुल पर्णी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनहर वसनजी देगाई श्राँर कुमारी वल्पना तनमुख्लाल व्यास। (ग्रन्तरिती)

कां थह भूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को श्रंबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधाय;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाणन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे ।

स्यब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० मी-66, 8वी मजिल, वैल्लार्ड व्हयू 14, नाखदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि क्र॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/10950/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 4-11-1986 को रजिस्टई क्या गया है।

> पी० एन० वसल मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आह. टी. एनं. एस. ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987 🗼

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13195/86-87---अतः मुसे, पी० एन० बन्सल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-3, 5वी मंजिल मातृ श्राशिष, 39, नेपियन-सी रोड, बम्बई 36 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिमकारी के कायलिय, में रिजस्ट्री है, विनांक 5-11-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इत्र्यमान प्रतिफल के एसे इत्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्ष्मने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात है——
3—176 G1/87

(1) श्री शंकर लाल एनं० शहा श्रीर दिनेश कुमार एस० शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रमल उमेदमल जैन ग्रौर श्रीमती वासन्ती इंद्रमल जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकतः . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

प्लैट नं बी-3, 5वीं मंजिल मातृ श्राशीष, 39, नेयिपयन-मी शोड, बम्बई-36 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कि कि सर्व ग्रई-1/37-ईई/10953/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक : 2-7-1987

प्रमुख आहे ही शृज एस

बानकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश मं० म्रई-1/37-ईई/13196/86-87-- म्रत: गुझे, पी० एन० बंसल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रस्के क्सके प्रकार अस्त विधिनियम क्सा गया, हो, की धार 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजा मू-अ 5,00,000//- रुट. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 112-ए-विग, 11वी मिजिल, हीरा पन्ना इमारत, हाजीश्रली, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-11-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में के वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय यां किसी अन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें औत्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जै, में उन्ने क्रिनियम की धारा 269-थ की न्यभाग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथे ए:--- (1) श्रां भोहम्मद युसुफ श्रहमद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार मेहरा।

(अन्तरिसी)

(3) ग्रन्तरक)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना कारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्य-महिशां शुरू करता हूं।

उनस संपरित क अवैन के संबंध में 'काहें भा वासांबर --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वस किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विकित में किए दा सक्तेंगे।

स्पष्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवार गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 112, ए-विग, 11वी मंजिल, हीरा पन्ना इमारत, हाजीग्रली, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/10954/ 86-87 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 5-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल स**खः**म प्राधिकः सहायकः स्रायकर स्रायुक्त (नैरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांक : 3-7-1987

प्रकृष आई. ही. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शःरा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० श्रर्थ-1 37ईई/1/3209/86-87—श्रतः मुझे पी० एन० बन्सल

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भूसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/৮ क. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं 5 शेग्रर्म तथा जो फ्लैट नं 9 में, जो 9वीं मंजे ल, मंजू रंग को ० न्थ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि ० कंगटा लेन, 68, नेपियन सी रोड, बस्बई - 6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची की ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), ग्रीर जिल्का करनामा भ्रयकर ग्रिधिनयम की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में पर्जिस्ट्रा है। तारीख 6-11-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन् किसी जाया की बाबत, उक्छ नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री रमणलाल नटवरलाल कााडिया और श्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महासुखलाल मणिलाल ग्रहा श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तऱक भ्रौर ग्रन्य।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

(4) भ्रन्तरिती भ्रौर भ्रन्य।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वां को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा जे उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

5 श्रीम्रसं जो फ्लैंट नं० 9 में जो, 9वीं मन्जिल, रंजू मंजू को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ऊंगटा लेन, 68 नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्इ-1 37-ईई/10962 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 3-7-1987

मोहरः

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस. ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

अम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

्र निदेश सं० भाई/1/37-ईई/13213/86-87 —मतः

मुझे, पी० एन० बन्सल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ा रहे से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं ए०-16/2, 16वीं मंजिल, 'स्कायस्क्रैपर' सिध वर्कस को-श्राप सोसायटी लि० 4ं 697, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विमित्त है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-11-86

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंध के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एं अ दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल्स, निम्निजितित उद्वादेय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करमें या उससे बचने में सुविभा क़े लिए; और/था
- (श) एेसी किसी आय या किसी धन या अद्यं आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कतः श्रवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के कभीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री राजकुमार में हरा और श्रीमती प्रिती राज क्मार मेहरा।

(भन्तरक)

(2) श्री हरेश जशभाई पटेल भीर श्रीमती ज्योति हरेश पटेल । •

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।

(वह न्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी, अविध बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्टू गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए- $16l_2$, 16बीं मंजिल, "स्कायस्कैपर' सिंद वर्केस को-प्राप० सोसायटी लि०, 4/697, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-1-37ईई/10965/86/87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन०बंसस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, बम्बई

. विनांक: 3-7-1987

प्ररूप बार्च टी. एन, एस ु-----

आयक विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन समान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37 ईई/13222/86-87—प्रत मुझे, पी० एन० बन्सल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी स० पलैट न० 903, 9वी म जिल, प्राशिष इमारत 'सी'', तिरूपति अपार्टमेट्स, भुजलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 मे स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध प्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विषते हैं), और जिमका करार नामा श्रायकर प्रधिनियम' की धारा, 1961 की धारा 269क,ख के जश्रधीन सक्षम वम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, दिनाक 6-11-86 को पूर्वीवत सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य में कम के स्वयमान

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अचित नाजार मूल्य में कम के ख्यमान क्रितिफल के लिए इन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्षत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चद्रह इसिश् स निवस्त हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (इन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्चित उद्योच्य से उच्त अन्तरण निचित्त में नास्तिक रूप से कांचत नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभि-नियम के अभीन कर वेने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने के सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के निए;

अत. अथ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पियुष जी० पटेल ।

(मन्तरक)

(2) श्री निरन्जन कुमार लक्ष्मीानारायण ग्रगरवाल ग्रीर श्री प्रदीप कुमार लक्ष्मीनारायण ग्रगरवाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षेत्र 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध और पूर्विक्त अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रौजा। श्रम में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यास अके हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टितिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 903, 9वी मंजिल, ग्राशीष इमारत 'सी' तरुपति श्रपार्टमेट्स, भुलाभाई वेसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई 10966 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 6-11-1986 को रजिस्टई किया गया हैं।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिमांक . 3-7-1987 मोहर:

प्रकर काई ु टी., एन . एस . -----

बावकर विधितिवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक भायकर बाय्क्त (विरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, ब्लाक नं० 2, नानिक निवास भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा धाचकर ग्रधिनियम 1961 धारा 269 क,ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 6-1-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाब की बाब्छ_ा उक्त विधिनियम से अधीन कर दोने के अध्यारक के धायिएन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किती बाय या किसी धन का अन्य आस्तियों नवे, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गिय वा या किया बामा बाहिए था, छिपाने में तुबिध के किया

अतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम कीश्वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिचित स्थितियों, अर्थाता हु—— (1) श्री हिरुपहिलाजराय वासंवानी

'(ग्रन्तर)

(2) रॅलिस इठडिया लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना <mark>जारी करके पूर्वोक्</mark>स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन यो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रण:- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

वन्त्वी

फ्लैक नं० 23, ब्लाक न० 2, नानिक निवास, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बईब26 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० नं० ग्रई-1/37ईई/10967 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 6-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ऐन० बंसस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

मोह्नर:

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस:-----

नायकर न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नथीन स्थान

भारत सरकार

कार्याजय सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ट बम्बर्ड, दिनांक 3 जुलाई 1987 निदेश स० श्रई०-1/37 ईई०/13238/86-87---अत मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है"), की चार 269 व ले लंभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारफ है कि स्थायर सम्परित, जिसका चित्रत बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्राँर जिसकी सं० 5 षेम्रसं जो पसँट नं० 13 मे, बी-विग,, नवजीवन को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, नेफ्यिन सी, रोड, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्रो है तारीख 6 नवम्बर, 1986

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान अतिफल के लिए अंतरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूस्य, उसने ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत में उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (बंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए वय पाया गया प्रति-क्त शिम्निसिवत ब्रूबेस्य से बन्त अन्तर्य शिवित में वास्तिवक कम शिम्निसिवत नहीं किया नवा है है——

- (क) अन्तरम वं हुइं मिली नाय की वायत, अक्ट प्रणितिक्त के नचीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने था सकते वचने दो छुविकः वी किंक्; नार/वा
- ्का एकी किसी साथ या किसी धन का अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) को उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती धूबारा प्रकट रहीं किस गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थातः :—~ (1) श्रीमती रिमला एन० शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेमचन्द सुराना श्रौर श्रीमती मजू सुराना ।

(भन्तरिती)

(3) श्रन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)

(4) मन्तरका

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान भारी करके प्रॉक्स सम्मास्य के सर्थन के सिक कार्यमाहिया करता हुं।

उपन सम्पतित् के वर्षन क सम्बन्द में कोई' भी नामांपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अकिथ या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का क्कींचे।

स्यब्द्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीआवित है, बहुत कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

5 **गोग्रर्स जो प्लैंट** नं० 13 मे जो बी-विंग, नवजीवन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, नेपियन सी रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10972/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 6-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> धी० एन० बंसल नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 3-7-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, अम्बई अम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/13252/86-87--- ग्रतः मुग्ने, पी० एन० बंसल

बावकार संविश्विमन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वाने द्वाने प्रक्षेत्र (अस्त विश्विमन) कहा गया ही, की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार म्स्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 20, नीरज भ्रपार्टमेंट्स, 5वी मंजिल, 70/71 बालेकेण्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण एप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के स्वीपत बाबार मृत्य से कम के व्यवभाग प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति, का जाणित बाबार भूक्य, उनके व्यवभाग प्रतिफल से, एसे व्यवभाग प्रतिफल का चन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त बिधनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ला) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, मिम्नलिम्बित व्यक्तियों, अधीत्।—-

(1) श्रीमती पन्ना ग्रार० पटेल श्री नयम कुमार पटेल ग्रीर श्री यतिन ग्रार० पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरंजन बी० पटेल, श्रीमती मोनल श्रार० पटेल, ग्रीर श्रीमती गिता एच० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :-- '

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकासन की शारीय से 45 दिन की स्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी स्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वीधतयों में से किसी स्वीक्त ब्वारा;
- , (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्ध कियी बन्ध स्थावित व्यारा, जभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किये का सकेंगे।

ह्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा, को उस मध्याय वी दिशा भूश हैं।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 20, नीरज स्रपार्टमेंटस, 5वीं मंजिल, 70/71, बालकेश्वर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है $\frac{1}{6}$ ।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-1/37ईई/10975/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 2-7-1987

मोतरः

मक्ष्य आहे. ही व पुत्र पुत्र कान्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भे सभीव सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, बम्बर्द बम्बर्द, दिनाक 3 जुलाई, 1987 निदेश स० श्चर्ड-1/37ईई/13266/86-87—स्रत मृझे पी० एन० बसल

कारकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिंद्ध' इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी ग० पर्लंट न० 903, राजमाला प्रिमायन्न को-श्राप० हार्जासग सोसायटी लि०, निपयन-मी रोड, बम्बर्द- 6 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधि नियम 1961 की घारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्तरों के नार्यालय में रजीस्ट्री हैं। तारीख 7-11-86

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के तीयत बाजार मृश्य से कम के करवान प्रतिफल के लिए जन्तरिस की गई है और मुझे

यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का कांचत बाबार मृश्य, उन्ने स्वमान प्रतिकत्त है, एवं स्वमान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में यास्तिपक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरफ संहुई किसी आग्न की बाबत, ३०क सीधनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) ता उक्त अधिनियम, 1922 अव-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ अस्तिरितः इतारा प्रकट नहीं किया ग्या वा जा किया चाना नाहिए वा जिलाने के स्रविध विश्वध

(1) श्रीमती शारदा रामास्यामी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयत भोगिलाल शाह श्रौर श्रीमती सुबर्णा जयत शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह श्वना बार्डी कारणे पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्बन के सिथ अर्थनाहियां करता हूं।

उपस संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ सा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियाँ का स्वान की तानील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकीन।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया महाहै।

अम्स्यो

फर्नेट न० 1903, राजमाला िमायसेस कोन्ग्राप० हार्जासग सोसायटी लि०, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की कि स० म्रई-1/37ईई/10983/86-87 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा $^{'}$ दिनाक 7-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

मोहर .

क्रम् वार्वे की स्वयूष्ट्रकार ।

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन क्षाना

BITCH STORY

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1987

निवेश सं० प्रई-1/37ईई/13271/86-87—ग्रत. मुझे, पी० एन० बसल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 102-जी, 10वी में जिल, हीरा पन्ना, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400026 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है) श्रीर जिसका करारनामा श्रांग्कर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बर्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 7-11-86 को पृथिक सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते पह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अप्ररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक १ प में कथित वहीं किया गया हैं ----

- (क) अन्बरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्हें अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अपितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अपितिय स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया साना किसा धी है। विश्व की निया प्रकट नहीं किया गया था या किया साना किसा धी है।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात :--

- (1) श्री मुकुन्व एम० धुलधोया, घॅजकर्ता धाफ मुकुन्व एम० धुलधोया, (हि० घ० कु०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान-पोपटभाई पटेल ग्राँर श्रीमती लक्ष्मी भाई बेन भगवानभाई पटेल।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग मे सम्पति है)

को यह सूचना चारी करके प्यांकत सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्ययान्ति करता हु।

अक्ट संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोड़ भी धाक्षण :---

- (क) इस बुजना के राज्यक में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृज्या की ताथील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गांव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वैर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया हैं;

वनुसूची

पलैंट नं० 102-बी, 10वी मंजिल, हीरा पन्ना, भुला-भाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा की कि मि भई-1/37ईई/10986/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकाणी सहह्रयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक: 3-7-1987

प्रकम बाद्धि जी_{के} प्रमुख श्वाहरू

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) वे बचीन क्षता

नामा शास्त्रकः शर्याक्यः, श्रहायकः नायकः, जानुकः, (निश्चीकान्त)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37ईई/13273/86-87-अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

तारकार्त स्थितिक्ष, 1961 (1961 का 43) हिंद्ध इक्षे इतके परवातर जनत श्रीभित्यमं कहा गया ही, श्री पार 269-व के अभीत दश्त् प्राधिकारी को यह विस्तास कारणे का कारण ही कि स्थायर कमार्ट्स विद्याल जनित वाचार मुस्स

5,00,000/- रु. से अभिक हैं
और जिसकी सं० फलैट नं० 10-ए, पहली मिंजल, निर्माणा-धीन इमारत, प्लाट जिसका सी एस नं० 1/696, मलबार हिल डिविजन, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-86 को पूर्वेक्थ संपरित के जिपक बाजार मृत्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई

है और मूझे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाधार मृत्य , उसके देवयमान प्रतिफल से इसे विषयमान प्रतिफल का नंबह प्रतिखत से मधिक है और मंत्र-रक (मंतरकों) और संतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे मंत-रण के हिसए तम पाया गया प्रतिकत्त , निम्मतिवित उद्वोध्य से उच्च बंतरण निविद्य में बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया प्रया है :—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेचे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, भिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिभिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा चाहिए था, किया वें न्या विकास

अतः अबं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेसर्सं अवंती हाउक्सिंग इन्टरप्रायजेंस। (अन्तरकः
- (2) क्याजा मोहम्मदुतलाह खान और श्रीमती फरीवा एम खान

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरको:
 - (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) एन० एम० टोडीवाला और अन्य। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी जाओं। ---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीय वे 45 दिन की जबकि वा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्यि बाद में सशास्त्र होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (व) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं व है 45 मिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबहर्ष किसी जन्य व्यक्ति वृतारा नधीहस्ताक्षरी के वास निक्ति में किए वा सकोंगे।

स्यक्तोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट न० 101-ए, पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत पलाट नं० जिसका सी एस नं० 1/696, मलबार हिल डिविजन, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० स० अई-1/37ईई/10987/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 7-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ू पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

थायकर अभिनियम, 1961 र (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याचय , बद्दायुक्त मानकर नायुक्त (निर्धाक्रा)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० [अई-1/37ईई/13285/86-87--अतः मुझे, पी० एन० बंसल

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं फलैट नं 15, 2सी मिजिल, वार्डन किर्ट ग्वालियर टैंक, बम्बई—36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है)और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा '269 क अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 7-11-86

को पृशोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुईं किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती ताराबेन किशोर शाह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० राबर्टसू।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी। न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

फलैट नं ० 15, 2री मिंजिल, वार्डन कोर्ट,, ग्वालियर टैंक, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/10988/8687 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

विनांक: 2-7-1987

प्रकृष बाहु . टी. एन. एस.-----

बाधकर विधित्रकम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के बजीन ध्वता भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश स० अई-1/37ईई/13291/86-877—अतः मुझे, पी० एन० बंसल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उन्त निधिनियम' कहा एया हो), की बादा 269-च के नचीन सकाम प्राधिकारी की यह निध्यास करने ना कारण ही कि स्थापर सम्बद्धि, चिसका स्रिकंत कार्या मुख्य 5,00,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं शेयर्स जो फलैट नं 12ए, में जो वक्त वार को-आप हाउसिंग सोसायटी लि , 22, नारायण दाभोलकर रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 7-11-1986

वं कुर्वेक्त संस्थित के जिया नामार नृत्य है कह के करवान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गंद्र है और मुक्ते यह विद्वार करने का कार्य है कि स्थान्नोंक सम्बद्धित का अभित नामार रूप्य, उपके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अब्द प्रतिकास से नियम है और नीसरम (अंतरकाँ) और बंद्धिती (सन्तिपित्तां) के बीच एसे अन्तरण से जिए दुव पासा स्वा शिक्त, विस्तिका कुन्देशों से कार सम्बद्ध है जित्ता है कार्किका, विस्तिका कुन्देशों से कार सम्बद्ध है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्स अधि-भिष्य की अधीन कर होने के अन्यरक के दायित्व को कसी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, धिनहीं भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 रिपेट्ट का 11) या उसर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासतार्थ मन्तिरती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती सेमिन मूलूभाय और श्रीमती नेरमिन एफ० फलझभाय।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जयंतीलाल सी० शाह (पारीख) और श्री जसवंतलाल सी० पारीख। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन को निरा कार्यनाहिकां करता हुं।

उपन प्रशास में अपीत में सम्मान में बोर्स भी बालोप हं---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यक में प्रकारण की बार्रीय से 45 दिन की जनभि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की सामील से 30 दिन की बारीय, जो भी क्यमि बांध में समान्त होती हो, के बीत्तर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित क्यारण
- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की दारीं वें 45 किन के बीतर उक्त स्थानर सम्बद्धि में द्वित-क्वा कि.की मन्य व्यक्ति इनारा अभोइस्ताक्षरी के पास किर्वित के किए का क्वांपे।

राज्यीक रण:—इसने प्रमुक्त संख्यां और पर्यों का, जो अवश्व विश्वनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित ही, पद्यों नर्थ होपत, को उस अध्याय में विका प्रशाह के

वन्स्यो

5 शेयर्स जो फलैट न'० 12ए, में जो बक्तवार को-आप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, 22, नारायण दाभोलकर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/10991/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हैंबारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया $_{x}$ है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; 1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

प्रकृष वार्षं द्वी एक . एस ्वयान्य

काधकर विभागितस्य, 1961 (1961 का 43) की भारा भाषा 269-व (1) वें वासीन स्थाना

भारत रूपकार

कार्यालय, सहायक आयब्कर आय्क्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1/37ईई/13292/86-87 अतः मुझे, पी एन बंसल,

भायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट नं० 5, 3री मंजिल, सुमंगल, 13, रीज रोड़, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 7-11-86

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थवमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य , उसके स्थयमान प्रतिकास से, एसे स्थयमान प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास के एसे स्थयमान प्रतिकास का प्रतिकास है और अंतरका (अंतरका) और अंतर रती (अंतरितमा) के बीच ऐसे अंतरण के तिए स्थ पाया नया प्रतिकाल निम्निलिखित उज्जेषय से उक्त अंतरण लिखित में तस्सितिया कम से कीच्य नहीं किया गया है स्—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त विभिन्निक् से सभीच कार धोने के संसद्धक से बादिस्स में कभी कारने वा उसके वसने में सुविभा से किए: सीस/वा
- (थ) एंसी किसी बाब वा किसी थन या अन्य बास्तियों हो, विकृष्ट आसीय कान्यकर वीधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उनले विधिनयम, अप्र भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिक्षा के लिए;
- ं अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती मलिकाबेन अब्दुल हुसेन मर्चन्ट। (अन्तरक)
- (2) श्री निलन नवैलचंद शेठ और श्रीमती हर्षिका निलन शेठ।

(अन्तरिती)

कर वह ब्या पारी कपुके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् से सिव् कार्यमाहियां करता हो।

क्या स्मिरित के वर्षम में सम्बन्ध में सोर्फ मी बालेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबीच का तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की नवीच, यो भी नवीच वाद में स्वाच्य होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (स) इस सूचना के राजपन प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के नीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में द्वितवद्ध किती जन्म स्थावत द्वारा, नेथोहस्ताकरी के पास विविध में किये का क्योंके।

अनुसूची

फलट त°० 5, 3री मंजिल, सुमंगलमं, 13 रीज रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं...

अनुसूची जैसा की कि॰ सं॰ अई-1/37ईई/10992/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज-1. बम्बई

√दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्नर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, विनांक 3 जुलाई, 1987

निवेश सं० भई-1/37ईई/13293/86-87--- अतः मुझे, पी० एन० बंसल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हरुके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 769-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मुख्य ,00,000 ∕- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० द्धलैंट नं० 31, 3री मंजिल, रभा इमारत जो एक कार पाकिंग स्पेस नं० 102, के साथ पेटीट हाल नेपियन-सी रोड़, बम्बई-6 मे स्थित है।(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-86

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कब के क्रयमान प्रेडिकस के निए बन्तरित की गई है और मुक्तेयह विक्लास करने. का कारण है कि संभापूर्वोदर सम्पत्ति का उपित जाला ह ्रस्य; असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्यह प्रतिशत से मिषक है और अन्तरक (अंतरकार) और अन्तरिती 'बंद्यपिदियों) के नीच एसे अन्तरण के शिए एक वाका क्या प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिए में कभी करने या उससे भचने में सविधा के लिए; मौर/या
- 🍕) प्रेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए:
- अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मथरएण्ड प्लाट (इंडिया) लिमिटेड।
- (2) श्री विपीन भोगिलाल झवेरी ग्रीर श्रीमती सुनिता विपीन भवेरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सभ्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उथत् सम्पृतितः के वर्षन के सम्यन्थ भे कोई भी कार्क्स ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फर्लंट नं० 31, 3री मंजिल, रभां इमारत जो कार पार्किंग स्पेस नं० 102 के साथ पेटीट हाल नेपियन-सी रोड बम्बाई-6 में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ब्रई; 1/37ईई /10982ए/ 86-87 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7–11–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्राथुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-87

: प्रक्षि

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1987

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी सं० फलैंट न० 2, 17वी मंजिल, मोंट ब्लाक अपार्टमेट, दादीशेठ हाल, अगस्ट काती मार्ग, बस्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बेई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-11-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आर्य या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनंकर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए,

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीन, निम्नलिखित

(1) मेसर्स अपीजय प्रायवेट लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिल पी० काकड।

(म्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरको।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं० 2, 17वी मजिल, मोट ब्लाक ग्रपार्टमेट दादीगेट हाल, ग्रागस्ट कातीं मार्ग, बम्बई-36 मे स्थित है। ग्रनुसूची जैसा की क्र० सं० ग्रई-1/37ईई/10993/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायुक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक[:] 3-7-1987

प्रस्य बाहै. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर नायुक्त (भिरीक्षण) ग्रजन रेज-1, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987 निदेश स्ं अई 1/37ईई/13295/86-87—अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं फलैंट नं 2401/बी 24वी मंजिल ओम विकास 105-107 वालेकण्यर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्नार्यालय बम्बई में रंजिस्ट्री है तारीख 7-11-986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उफित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास कारने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का चूड़ श्रीत कार्ति की कार्य के बिश्वास कार्य का

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने.के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा एकट कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— 5 —176 GI/87

(1) सेसर्स विकास प्रीमायसेस।

(अन्तरक)

(2) मेनोटी एस आनन्द।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पान के अर्थन के रिजय कार्यवाहियां व्यत्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त क्षितियों में से बिशी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ड डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षेष्ठस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्यी

फलैंट नं 2401/बी, 24 वी मंजिल, ओम विकास 105-107 वालकेश्वर रोड़, बम्बर्ड-6 में स्थित है अनुसूची जैसा की ऋ० सं अई-1/37ईई/10994/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी एन बंसल सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप बाइं. टी. एस. एस. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा ⇒8०-६ है अधीन सुवना

भएरन सम्भार

क्ष्यांला , यहायक अयकर क्षायंक्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987 निदेश सं अई-1/37ईई/13298/86-87--अतः मक्ते, पी० एन० बंसल.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके. पंकाल 'उक्त र्राधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 अब के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फलैंट नं 22, दीपक इमारत 3री मंजिल 755/8 जी देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-11-86

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार मन्म, जमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्षह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अर्जारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सद्विषय से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिकक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क्थ) अन्तरण से हुई जिल्ली बाय की बाबत, उपत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकन अधिनियम, 1957 /1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वर्षण किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूजिया अर्था अर्था;

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनसरण भें में, उद्या अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रामचन्द आत्माराम, श्री सुरेण आत्माराम, और श्री बीलिप कुमार आत्माराम।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री अशोक मोहनलाल और श्रीमती प्रतिमा अशोक मेहता।

(अन्तरिती)

को यह मुखना आरी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सरकत्य में और भी आक्षेप :---

- (क) इन स्थान के राजपण मा काशन की उपरिष्ठ से 45 दिन की अनिथ सा हल्याम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृथें कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर मध्यिन में हिनवदध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पथ्डीकरण:—-इसमें प्रयुविश शब्दों और पदौं हा, जा जबत अधिनियमा, के अध्याय 20 के में परिभाषित हर्कें, बही अथ के कि उपकर्ण के स्वाह हैं।

अनुसूची

फलेंट नं 22, दीपक इमारत, 3री मीजल, 755/8 जी देशमुख मार्ग, बम्बई 26 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/10996/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-7-1987

भोहर:

भूकप बाह^रं हो_ल पूक्त पुस्_य-----

नायकाः कोधानसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) को वधीन सुमना

बारत बहुकार

कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई े बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/13299/86-87—अत. मुझे, पी० एन० वंसल,

नामका अधिनयम, 1001 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाए 'समर अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-न को अधीर अक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण हो कि नामर असीर , जिसका जीवत नाकार मूल्य

5.,00,000 //- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० पलैट नं० 2, पहली मंजिल, ताहरें मंन्शन को आपरेटिव हार्जिमा न्मोसाइटी लि०, 8/10, नेपियन मी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्ह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित के बास्तिक एन से कवित नहीं बाबा नहीं हैं

- ्रेंक, क्रन्तर के हुन्दी शिक्षका काय की कावत, उसर अधिनियम के संधीय कर दोने के अस्तरक के क्रांथन्त में कमी करने मेर खबसे असमे में तृतिका १ शिन्छ, मीर्/भा
- (क) होती किसी श्राम था किसी अन ना सम्ब आस्तिकां कां, चिन्तुं सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अम— क्षां अधिनियम, या अम— क्षां अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीननार्थ सन्तरिती क्षां प्रायथ तहीं किया गया भा वा किया आशा अभि क्षां मा, छिपान में मुनिमा के लिया;

चक्कः वय, उच्छ विधिवयम की गारा 269-व से वव्सरण में, में अक्षा विधिवयम की धारा 269-व की व्यथारा (1) ं अक्षा , 'तमसमाधान व्यक्तियां, वच्चीय क्षान (1) श्री हबीब शबान अली फजल भाई, . श्री नझीव इब्राहिम फजल भाई, और श्री फजल इब्राहिम फजल भाई।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल विशन दास गिडवानी । (अन्तरिती)

का सह स्वजा जारी कारके पूर्वीयस संपत्ति लं अर्जन के सिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी जाराध 🖟

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 विस की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानितया पर मृषना की तामील से 30 विन की जबिध, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, या भी रेपिक व्यक्तियों में से किसी स्थानित सुधार।
- (स) इस मुक्ता के गलपा में किया। की नलाव में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाइस्ताक्षणी अ पाम लिक्ति में किए जा सर्वेते।

स्माधिकारण - -- इसमें प्रयुक्त अन्तां और पतां का, वो सक्द बीधिनियम के अध्याम, 20-क में परिभाषित है, वहीं जथ होगा को उस सम्बुध का विया

अनुस्ची

फ्लैट नं॰ 2, जो पहली मंजिल, ताहरे मन्मन को आपरेटिए हाउसिंग सोमाइटी लि॰, 8/10, नेपियन मी रोड, बम्बई-36 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/10997/86-87 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 2-7-1987

इक्स बाहें . टी. एत , एस

नायकर नीभीनवन, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-च (1) ने अभीन स्वाना

ALEX REPLY

कार्यात्रम, सक्ष्मक नामकर मामुक्क (विद्वावान)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलोई 1987 निदेश स० अई-1/37ईई/13300/86-87-अतः मुक्षे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ क उधीन कक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट नं० 10-डी, 4थी मंजिल, दि मल बार अपार्टमेट को-आप हार्जासम सोसायटी लि०, एल० जगमोहन दास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसुची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा ,269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मून्य से कम के दश्यभाग प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्भेंकत सम्पत्ति का उचित गाजार मून्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का बद्द प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के शीच एसे अंतरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उसके अन्तरण किस्तित में गास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण तं हुई किसी नाय की बावस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक क शोमण में कभी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (का) एसी किसी नाथ या किसी धन या कन्य नास्तियों करें, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के कक्कोजनार्थ नन्तिरती धनाय प्रनाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृष्धा के लिए.

जतः जन जनत निर्मित्यम की धारा 269-म के समुसरण के, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-म की खपभारा (1) के अधीन, निर्मितिसक व्यक्तियों, अधीन;—

(1) श्रीमती रूपा अमर हरगुनानी।

(प्रन्तर्क)

श्री फजल इब्राहिम फाझलभाव।

(अन्तरिती)

को बहु क्ष्यमा आहरी करको प्याप्तक संस्थित के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां सक च्यार्य हुई ।

जन्म बन्दरित के बच्चेन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से #5 दिन की बर्गांत वाद्यम्बन्धी स्वित्यों दर् सूचना की तायील से 30 दिन की सर्वांत, का भी सर्वांत में संगन्त होती हो, के शीकर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर राज्य स्थापर सम्पत्ति में हितथब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के याव श्वासत संक्रिए का सर्वोंगे।

त्यबद्धीकशण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पूर्वों का, थो उनके किमिनयम, के कथ्याम 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ वर्ष होंगा जो जब अध्याम में विशा

वनुसूची

फलैट न० 10-डी, 4थी मंजिल, वि मालाबार श्रपार्टमेट को-आप० हाउसिंग सोसावटी लि०, एल० जगमोहनवास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/10998/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टड किया गया है।

> पी० एन० बंसल े सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-87

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश स० अई-1/37ईई/13303/86-87--अतः मुझे; पी० एन० बंगल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं के स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- जेपये से अधिक हैं

जौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, सैलेश को—आप० हाउसिंग मोमायटी लि०, 59—75, गोबालिया टैन्क श्रौर फोर्जेट स्ट्रीट का कार्नर, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई—36 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10—11—1986 को पूर्वेक्तित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापविकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में निस्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर) श्रिक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहीं हुए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्व भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (।) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दादाभाई पेस्तानजी कटराक। (अन्तरक)
- (2) श्री चंद्रसेन रतीलाल शहा और श्रीमती तारावंती रतीलाल शाह। '

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के काजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ला सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 21, मैलेश को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 59-75, गोवालिया टैंक और फोर्जेंट स्ट्रीट का कार्नर आगस्ट फाती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० मं० अई-1/37ईई/10999/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पीं० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप बाई. टी. एव. एस. -----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्दई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश सं० अई--1/37ईई/13304/86-87----- त्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन समय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अरूरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00 000//- रह. से अधिक है

5,00,000//- एउ. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फलेंट नं० 22, सैंलेश को—आंप हाउसिंग सोसायटी लि०, 59-75, गोवालिया हैंक और फोर्चेंट स्ट्रीट का कार्नर, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्ट्री है। तारीख 10-11-86 को पूर्वेंक्त सम्मित्स के उपात बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रसिक्त के लिए सर्वारत् की गई हैं और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्मित्त के। अभित वाजार मूल्य, उसके दबस्यमान प्रतिकत से, एसे दम्यमान प्रतिकत का स्वारत् मूल्य, उसके दबस्यमान प्रतिकत से, एसे दम्यमान प्रतिकत का स्वारत् मूल्य, उसके दबस्यमान प्रतिकत से, एसे दम्यमान प्रतिकत का स्वारत् मूल्य, उसके दबस्यमान प्रतिकत से, एसे दम्यमान प्रतिकत का स्वारत्य मूल्य, उसके दबस्यमान प्रतिकत से मार्ग मंतरक (अंवरकों) और अंतरितीं (अन्तिरित्यों) के बीज एसे बन्तरण के सिए स्थ पाया गमा इतिकत, निम्मिक्तित उद्योगिय से उन्ह अन्तरण कि स्वार्थ पाया गमा इतिकत, निम्मिक्तित उद्योगिय से उन्ह अन्तरण कि सिए स्थ पाया गमा इतिकत, निम्मिक्तित उद्योगिय से उन्ह अन्तरण कि सिए स्थ पाया गमा इतिकत, निम्मिक्तित उद्योगिय से उन्ह अन्तरण कि सिए स्थ पाया गमा इतिकत, निम्मिक्त से उन्ह अन्तरण कि सिंप से पाया गमा इतिकत, निम्मिक्त से उन्ह अन्तरण कि सिंप से स्वार्थी के स्वार्थित से उन्ह अन्तरण कि सिंप से स्वार्थित स्वार्थित से से स्वार्थित से से से स्वार्थित से से से स्वार्थित से स्वार्थित से से स्वार्थित से स्वार्थित से स्वार्थित से स्वार्थित से से से स्वार्थित से से स्वार्थित से से स्वार्थित से से स्वार्थित से

शस्त्रिक रूप से किष्ठ नहीं किया गया 🗗 ए---

- (क) शन्तरण संदुष्ट्रं किशी भाग की समत, उन्ध अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक छे दायित्व में कभी करने वा उससे वचने मां सुविधा से सिए; और/बा
- ७) एस) किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत अधिनियम, अप अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का १) के प्रयाजनाथ अन्तिरिसी क्वारा प्रकार नहीं किया गवा था वा विख्या जाना चाहिए था, जिलाने में स्विभा के सिए;

कतः। नेवा, अकत नीभनियम्, की भारा 269-म के वमुतरण नें, में, अकत नीमनियम की भारा 269-म की अवधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री 'दावाभाई पेस्तानजी कटराक।

(अन्तरक)

(2) श्री निवन तलाकचंद ग्रहा, श्री अरविंद तलाकचंद शहा, और श्रीमती विमला अरविंद शहा। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को कर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के भर्जन को सम्बन्ध में काई भी जाओप :---

- (क) इस मुखना के राज्यन में गकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों धर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा स्कीने।

स्वक्कीकरणे:--इसमें प्रस्वत शब्दों और पदों का, को उक्त किंगियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, जो उस कथ्याय में दिया वसा है।

धनुसुधी

फलट नं० 22, सैलेश को-आंप हार्डासग सोसायटी लि० 59/75, गोवासिया टैंक और फोर्जेंट स्ट्रीट का कार्नर, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०स० अई-1/37ईई/1000/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

ेर ६^{*}णिनियम, 1961 (1961 का 43) **की बारा** ೧५५ (1) के सुधीन पश्चना

भारत सरकार

ः'यन्त्रिय, स**हायक जायकर बाब्क्त (निराँक्षज**)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई—-1/37ईई/13317/86-87—अत. मुझे, पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-राप्य से अधिक है

और जिसकी स फलैंट नं 201/ए, ओम विकास वालकेण्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 10-11-1986

कों पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अस अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स विकास प्रिमायसैस।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती शैलजा प्रकाश पाटील।

(अन्तरिती)

उक्त बस्पत्ति को वर्षम् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप् :---

को यह सूचना अगरी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त भाषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में विक गया है।

अनुत्जी

फलैट न० 201/ए, ओम विकास, वालकेण्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि स० अई-1/37ईई/11005/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी अस्वई द्वारा दिनांक $10-11\sim1986$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज−1, बम्बई

दिनाक 2-7-1987 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रश्राचन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश सं अई-1/37ईई/13328/86-87—अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी स० फलैंट नं० 2, 10वीं मंजिल, जीवन सहकार को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि०, मानव मंदिर रोड़, खंबाला हिल डिविजन, किम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-11-86

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्य संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्बरिय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ...—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) शांति देवी लछमन सिंह।

(अन्तरक)

(2) हर्षदराय भगवान मिह बारोट और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फलैंट नं 2, 10वीं मंजिल, जीवन सहकार को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि०, मानव मंदिर रोड़, सी एस नं० 1 खबाला हिल डिविजन, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/11011/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एम० बंसस सक्ष्मिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक : 2-7-1987

मोहरः

प्ररूप **वार्द**ेटी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई अम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अर्ह-1/37र्ह $^{5}/13334/86-87$ —अतः मुझे, पी० एन० बंसल्

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उच्ति बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० सी-222 जो ग्रेंड पराडी अपार्टमेंट और एक कार पार्किंग स्पेस नं 243, जो बैसमेंट में बादी शेठ हिल, आगस्ट क्रान्ती मार्ग, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 10-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्छस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्भों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उक्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत सम्पर्तिक का सन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत सम्पर्तिक का सन्तर्भ का स्थान का स्वीधिक स्वीधिक का स्वीधिक का स्वीधिक स्वीधिक स्वीधिक का स्वीधिक स्वीधिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—176 GI/87

(1) श्री ओम नारायण खन्ना और श्रीमती कामिनी ओम नारायण खन्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री भिक्लाल दगदूलाल मरडा और श्री राज गोपाल दगदूलाल मरडा ।

(अन्तरिती)

(3) 'अन्तरको। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यद्वित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

फलैट नं० सी-222, ग्रेन्ड पराडी आपर्टमेंटसू और एक कार पार्किंग स्पेस नं० 243, जो बेसमेंट में, दादी शेठ हिल, आगस्ट कातीं मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/1101386-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ् पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोद्वर:

प्रकार बार्स की यस एक -- -----

भाषकर मधिनिनम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नधीन सूचना

मारत सरकाह

कःवांतक, सहायक आधकर जाम्बस (निरास्तिक) अर्जन रेंज-1, बस्वई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई--1/37ईई/13335/86-87--अतः मुझे, पी० एन० बंसल

बासकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) '(जिले इसवें इसके प्रकात 'उकत अभिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० फलैट नं० 96, 16वी सिंजिल, दरीया महल-ए, 80, नेपियन-सी रोड, बस्बई 400026 में स्थित है (और इससे उपाबज्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और इससे उपाबज्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 10-11-1986 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान अतिफल के शिव बन्तिरत की गई है वार बुधे वह विकास अर्थित का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बन्ध, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के बिए तब वाया गया प्रतिफल मिन्निवित उद्देश्य से अक्त बंतरण विविद्य के वास्तिक के कार्यक के किया वहीं किया वहा है :---

- (क) अन्तरण में हुए किसी नाम की बावस, अन्तर जीवक्रियम के वर्षीय कर योगे के अन्तरफ की दासिएत में कती करने का तससे जनने में सुनिधा के किए; और की.
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिनिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कुसुमलता राजकुमार सुरेका। (अन्तरक)
- (2) रमेश नागिन दास शहा और श्रीमती जागृति रमेश शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के किए का नाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तहरील से 45 दिस की संवीध ना तत्त्वंगंधी न्यांक्तमों पर स्वता की तामील से 30 दिन की असीध, को भी जयधि शहर में संभाष्य होती हो, से मौतह वृत्तेंक्त स्वीकताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकृतम् ह—इक्नो प्रयुक्त क्षमा नीतु वर्षो का, यो जस्य वर्षिनियम्, क्षे वध्याम 20-क में शिद्रभाषित हाँ, वहीं वर्ष होता को उस श्रध्याम् में विका युक्त हों!

अनुसूची

फलैंट नं 96, 16वीं मींजल, वरीया महल-ए, 80 नेपियन-सी रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० स० ' अई-1/37ईई/11014/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहरः

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13345/86-87--अत मुझे, पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/(रंत. से अधिक हैं।

और जिसकी स० पलैट न० 8, 2री मजिल, एम्पायर गाईड को-आप० हाउसिंग मोमायटी लि०, एन० डी० रूपारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में बिंगत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वेकि सम्मीत के उत्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे उन्तरण के लिए त्य पाता गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित वास्तविक हम में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविका के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१५२% वा ११) या उन्त अधिनियम, भाषन अन्य विधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अधाजनार्थ अन्तिरिती बुनारा अकट नहीं किया गण भाषा किया धाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के विष्:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयत भोगीलाल शहा और श्रीमती सुवर्णा जयत शहा।

Company of the Compan

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल नवीनचन्द्र शहा, श्रीमती रीटा बकुल शहा, और श्रीमती माया शैलेश शहा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विकत क्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकर्ग।

स्प्टिकिरणः --- इसमे प्रयुक्त कट्वाँ और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नि० 8, 2री मंजिल, एम्पायर गाईड को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, एल० डी० रूपारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-1/37ईई/11019/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> पी० एन० **बस**ल सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक . 2-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन एस . -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13348/86-87—-अत: मुझे, पी० एन० बन्सल

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृष्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, 3री मंजिल, 7, बाबूलनाथ रोड, बाबुलनाथ च्यू, बम्बई-400007 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफच का गृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किया गमा है हि—

- (क) जलरण से हुन्द किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के जलरक को दायित्व में कभी करचे या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्विधा के लिए;

अतः धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें. अर्थात् :— (1) अश्विन बाबूलाल गांधी।

(अन्तरक)

(2) जितेन्द्र मंगलभाई झवेरी और निरूपमा जितेन्द्र अवेरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के बीलए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और १दों का जो उक्त अधि-. नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्वा

फ्लैट मं० 7, 3री मंजिल, 7, बाबूलनाथ रोड, बाबुल-नाथ व्यू, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11022/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बंम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

ि निदेश सं० अई-1/37-ईई/1/3351/86-87—अतः मुझे, \sqrt{q}

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं निवासी फ्लैंट नं ए 2, जो, 65ो मजिल, पृथ्वी अपार्ट्मेंटस, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-26 गैरेज के साथ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्द श्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है...-

- (क) अन्तरण से हुद्ध किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियस के समीन कर दोने के अन्तरक खैं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या, धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

٠.

(1) श्रीमती जमुनाबाई एस गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना श्रीपाल मोराखिया और श्री श्रीपाल सेवंतीलाल मोराखिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्बत्ति में हित बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा रक्षेणे।

स्मध्यीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

निवासी फ्लैट नं० ए/2 जो 6वीं मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेंटस, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-26 श्रीर गैरेज के शाथ स्थित है।

ग्रन्सुची जैसािक कि० सं० ग्रई-1/37—ईई/11023/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आधकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश स० अई-1/37-ईई/13352/8 6-87—अत: मुझे, पी० एन० बन्सल

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/৮ रु. से अधिक हो

अंर जिसकी स० निवासी फ्लैंट न० ए/2, 21वी मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेट्स, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरेंटी हे, दिनाक 10-11-86 को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल हम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, 'इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिषक व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्री कीर्तिकुमार एम० पटेल और श्री सामजी भाई एम० पटेल

(अन्तरक)

(2) श्री ताराचन्द अग्रवाल, श्रीमती चमेली देवी अग्रवाल, और श्रीमती ऊषा अग्रवाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूर्चना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमे प्रयुक्त करने और प्यों गा. ो उपी अपिनिस्स को ००० में 20-७ में परिस्तित हो, वहीं अपीहाँका तो उस अध्याय में दिसा

अनुसूची

क्र निवासी फ्लैंट नं॰ ए/2, 21वी मित्रल, * पृथ्वी अपार्ट-मेट्स, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सिं कि अई-1/37ईई/11024/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

rowining of the same of the sa

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13353/86-87—यतः मुझे, पी० एन०, बंसल,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 71, 7वीं मंजिल, मिस्त्री पार्क, 77, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायोलय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भ्रष्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक दूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सूत्रिधा के 'लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त औधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, जिस्तिविस्त व्यक्तियों, व्यथीत्:-- (1) श्रीमती ए० राषट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पपिता वि० केवलरामानी, हरेेण वि० केवलरामानी, मुकेण वि० केवलरामानी श्रीर जगदीण केवलरामानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) ध्रन्तरितियो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

समस्त्री

प्लैट नं० 71, 7वीं मंजिल, मिस्त्री पार्क, 77, भूलामाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि के सं ' आई-1/37-ईई/11025/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

मोहरः

गक्त क्षात्र की, हुन, इस , का काला अपूर्ण

कामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (१) के विभीन सुचना

BOTTOM STREET

कार्या**नय्. शहा**यक **नाथकर वायुक्त (निरीक्षण)** श्रंजीन रेंज—I, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/13359/86-87—अतः भुन्ने पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है.

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 102, 10वीं मंजिल, एल्सीड अपार्ठमेंट, रिज रोड, बम्बई-400006 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनाक 11-11-1986

को वृत्तीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यनान विश्व के लिए बन्तरित की गई है और दृश्यों वह विश्वास करने का कारण ए कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवत्त से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकां) के बीच एसे अन्तरक के लिए ता पाया गया प्रतिकंत, निम्नितिका क्या से उच्य बन्तरूप विश्वित में वास्त्रिक क्या से उच्य बन्तरूप विश्व में वास्त्रिक क्या से क्या वास्त्री किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्हाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (थ) शंधी किनों बाब भा किनों पन या बन्द आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार अध्यक्ति द्वारा प्रकट नहीं जिन्हों गवा था सा किया जाना चाहिए था छिपाने में भिका विकास के विकास की विकास

ें अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निकिनियस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती एफ वाई० झवेरी।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री डी॰ जे॰ रामसिंशानी और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

क्षा वह सुपना नारो कारके व्यक्तिन नेपासित के अर्थन से विश ार्थनाहरूने कारण हुए।

उपत संपत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की कर्णध, धा भी अविधि बात में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेशस व्यक्तियों में से किसी क्यांतर बुवारतः
- (ण) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तार्यां से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर सम्परित में हितनव्स किसी बन्ध न्यासित स्थानर सम्परित में वितनव्स किसी बन्ध न्यासित स्थानर स्थानर स्थानर स्थानर के पास स्थानर में निम्म या सुकें पूंगी

स्पृष्टीकरण:--इसमे प्रमुक्त संस्था भीर पदा भा, वा उपस अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित ही, प्रष्टी वर्ष होता, को उस सध्याय में दिश्य गंका ही।

त्रनुसूची 🧃

् फ्लैट नं० 102, 10वीं मंजिल, एल्सी अपार्टमेंट, रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्षर सं अई-1/37-ईई/11029/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

विनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई. टी. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्राप्तेन रेंज-J, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/13383/86-87—-ग्रतः, मुझे, पी० एन० बसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, सी० एस० नं० 1/696, मलबार एण्ड खंबाला हिल डिवीजन, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1986

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से किंगत नहीं निक्या गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किश्री जायं की बाबत, उचत जिम्मीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के धारियल में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना करीरए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अर्थः, उसते अधिनियमः, की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उत्तरः विधिनियमः की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, विध्वतिकत्ता व्यक्तियों, वर्षाष्ट्रं क्रिस्ट ०--** 60 व्यक्ति

- (1) मैंसर्स श्रवंती हार्जासग इन्टरत्रायजेज। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती खैरुनिस्सा सदरुद्दीन बिलाबाला श्रौर श्री सदरुद्दीन खिमजी बिलाबाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के जर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मेत्ति में हिसबद्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिकित में किए जा संकोंगे।

स्वच्छीकरण: ----६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विधा गमा है।

अनुसूची

प्लैट नं 301, 3री मंजिल, निर्माणधीन इमारत जिसका सौ एस वं 1/696, मलबार एण्ड खंबाला हिल डिवीजन, भ्लाभाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि फ़ेंठ संठ ग्रई-1/37-ईई/11038/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, कम्बर्फ

विनांक: 6-7-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

अव्यक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, समायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-I, बम्बई अम्बई, दिनाक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं अर्ध-1/37-ईई/13384/86-87----मत मुझे, पी एन बंसल,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत जो, भुलाभाई देसाई रोड, सी० एस० नं० 1/696, मलबार एण्ड खंबाला हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 12-11-1986

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम से कम कर्यभाय ।
तिकल के निए जन्तरित की गई है और मृझे वह विद्यान करने कारण है यथापूर्वोंक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मृल्य, असकै क्रयमान प्रतिकल को पन्दह प्रतिक्षत सं प्रसे क्रयमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिक्षत सं जिथक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिक ,
जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तय वावा गया प्रतिकल निम्नीलिखित उद्देष्य से उक्त जंतरण जिसित में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क्तं) अन्तरण ते हुर्द्ध किली आय की सलत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विध्य के लिए; जीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स प्रवती हार्जीसग इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रयाश सदरहीन बिलायाला, सदरहीन खिमजी बिलावाला श्रौर श्रीमती खैरुनिस्सा सदरहीन बिलायाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो सी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
 - (का) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकारण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 302, 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत जो भूलाभाई देसाई रोड, सी० एस० नं० 1/696, मलबार एण्ड खंबाला हिल डिबीजन, बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैंसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/11039/ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, बम्बई

विनोक: 6-7-1987

प्ररूप आइ े. टी. एग. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अभीन सूचना

भारत संरकार कावणिय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13388/86-87--- ग्रतः मुझे, पी० एन० बठसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 । (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है।, की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/51, पैप्राडाइज श्रपार्टमेट्स 5वी मंजिल, 44, नेपियत सी टोड, बम्बई-36 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खू के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री है, दिन का 12-11-86

को पूर्वेक्ति स्म्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अनिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्का अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के पायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अम, उन्सत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सालेह तैयधजी तापिया और श्रीमती खाचा सालेह तापिया।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जमशेदजी रुस्तमजी जिजीभाई श्रीमती गुलू जमदेश जी जिजीभाई श्रीर श्रीमती नर्गिस रुस्तम जी जिजीभाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृथोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राखं से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थापर सम्पत्ति में हितदब्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं अनुसूची

फ्लैट नं० बी/51, पैराडाइज ग्रपार्टमेट्स 5वी मंजिल, 44, नेपियल सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कर सं भई-1/37-ईई/11041/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

With the Party of the Association of the

शकार आहु^रे हो. एस_ः ए**व**ं मन-मन्त्रान्स

आयकः: अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना

ALEX ALAMIN

कार्यासथ, तहासक बावकर नाय्यत (निर्यक्तिक) ग्रर्जन रेज-1, बस्सई

बम्बई, दिनाक 2 जुलाई, 1987

निदेश स० श्रई-1/37-ईई/13389/86-87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

नः प्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स विभिन्यम' क्क्स पता हैं), की पाय 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं इ/501 सिमला हाउस, हैदराबाद इस्टेट के पाम, नेपियन-सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रंनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-1986

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार बृश्व से कन के अस्मनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्नै यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिची (बन्तरितिवार्गे) के बीच एसे जन्तरक के जिए तब् नावा नवा प्रतिफल, विकासिक्ति उद्देश्य के उच्छ, कुन्दरूव जिवित वें बाल्सिक कर वे कवित नहीं किया गया है क्र--

- (क) अन्तरण वंड्र्ड कियी नाव की बावसा, अन्त अधिनियम को अधीन कर दोने को नंतरक को दामित्य में कनी करने या उक्कर दचने में सुविधा को लिए; धरैर/या
- (क) एसी किसी बाद या भन या बच्च बास्तियों कां, जिल्हों भारतीय बादकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत विभिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ बन्दारिती कृताया प्रकट नहीं किया नृवा या वा किया बाना बाहिए वा, कियाने में सुनुवा के स्विहः

बतः वसः, एका विभिन्निय की भारा 269-व मी बन्धरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती हरबंसकौर चुग।

(भ्रन्तरक)

- (2) धनेश सी० शहा और श्रीमती दिना डी० शहा। (अन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरितीयो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुचना पार्री करके पूर्वोक्त सम्पर्दित को वर्षन को जिए। कर्म्यनाहियां करता हां।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध को कोई भी काक्ष्म :---

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारींब के 45 फिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्वीक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, की भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तिकों में से जिसी व्यक्ति दुवाग्र;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीक के 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाव विकित में किए जा तकोंगे !

स्वयोकरणः इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यो का, जो समस् श्रीविनवम, से सम्मान 20-क में परिमाधिस ही, मही वर्ष होगा, जो उस सम्माम में दिवा भूगा हो।

जन्**स्**ची

फ्लैट नं० इ/501, सिमला हाउस, हैदराबाद इस्टेट के पास, नेपियन सी रोड, बम्बाई-36 मे स्थित है।

भ्रनुसूची जमा कि कि मि प्रार्थ-1/37-ईई/11042/ 86-87 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1986 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

FO WAY TO THE RESIDENCE OF THE PERSON OF THE

The sit of the sit of the site of the site

बावनर नीपनियम, 1961 (1981 क 43) की पारा 269-म (१) अं वर्णन दुवनः

AN EMB

ारतव तक्कारक सामकर कार्यक (विकास) ग्रजीन रेज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० म्रई-1/37-ईई/13395/86-87—-म्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

कारकर गाँउ नियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसर्म इसक पश्चात 'उक्त मिनिटम' व्हा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं फ्लैट नं सी-3, पहली मजिल, मानृ श्राणिप, जगमोहनदास रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ प्रतुप्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका रारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 12-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान जैन्यस्त के लिए कन्द्रारत की नम् है खेर मूळे वह यिक्साव च का कारण है कि वस्पूर्णोंक्त सम्बत्ति का उचित बादार में का कारण है कि वस्पूर्णोंक्त सम्बत्ति का उचित बादार में का का का का का का का का प्रांतिका का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया भीतका है निकाशिक दुष्ट्रदेश से भावत अन्तरण के विष्ट्रते थे

- (क) बन्तरक वं हुई किसी बाब की बावत, उक्त बिनियन के बधीन कर देने के बन्तरक के बन्दरक में कभी करने या उक्कथ वचन में श्रीविका के लिए; और/या

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :---

(1) श्रीमती नीला बिपिनचन्द्र जटाकिया। (ग्रन्तरक)

" Free American Comments of the comment

- (2) वर्ल्ड रेनेवल स्पिरीच्युग्नल ट्रस्ट। (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति हैमे

कर्या है। कर्ष के बंदरी कर्ष कर्ष वर्ष कर क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र

क्का दर्मास में वर्ष है संस्था में सोई' भी प्रकार :--

- (क) इस स्पारा से राजपम में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन को करात्र वा एत्यारमी व्यक्तियों दर स्थार की तामील से 30 दिन की संविध पा भी सर्वित कात्र में समान्त होती हो, के बीवर प्रवेकित स्वित्यों भी से किसी स्ववित स्वार्ध;
- (क) इस बुक्या के राजका मा प्रकाश की व्यव्या से वह वित के भी प्रताल गय कर लगा । प्रतालक विश्वी भन्य व्यक्ति राजाता, प्रशास ने जा एक विश्वित में विश्व का नकी में।

म्भावतिकरण: - इसमें अनुवृत शब्दों आर एवां का आ उत्तर विभिन्नियम ३ सम्बन्ध १० ३ - ४००%, इ. कुलों - इ. समा है।

वनस्य

फ्लैंट नं० सी 3, 1ली मंजिल, पार्ट-सी, मातृ ग्राशिष जगमो नदास रोड, बम्बई-3 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1 बी/37ईई-11041v/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहरः

भावकर निर्मानक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वंधीन स्वता

भारत सरकार

भागांसय, सहायक बायकर मायुक्त (निरक्षिण)

म्नर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13397/86-87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसमें इसमें प्रकार उक्त मांधनियम कहा गया है"), की धारा 289-व में अधीन सभाम प्राधिकारी को वह विश्वसस करने द्या कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उधित मांगर मृत्यू 1,00,004/- राज्य संरोधक र

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, 2री मंजिल, निर्मला महल को-ग्राँप० हार्जिम सोसायटी लि० बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-26 मे स्थित है श्रीर इसमे उपायद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 12-11-86

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड हो और मुक्ते क्रियह विश्वता की करते का खारण हो कि स्थाप्त्रोंकत सम्मतित का क्रियं बाजार तथा करते का खारण हो कि स्थाप्त्रोंकत सम्मतित का क्रियं बाजार राष्ट्र कि निर्माण का का गर्म क्ष्यमान प्रतिकल क्षर पंद्रह प्रतिजत से अधिक हो और असरक (अंसरकों) और अंसरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ करार के स्थाप्तिक क्षय निर्माणित कहारों के उच्च बंदरण विश्वत के अस्तिक

- (क) जनसरण में हुई किसी भाग की बाबस , उनस अधिनिजन के न्यीप कर बाने के अन्तरक के वामिरन के कमी करने वा उससे अपने में अ्तिमा के जिए; और/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियी ब्वास प्रकट नहीं किया बा बा बा बा बा बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाविभा के किया

बत: अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, गैं. अक्ट अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती शकुन्तला चंद्रकांत कपाडिया।

 /*
 (श्रन्तरक)
- (3) श्रीमती निरू म्रजय गुलाटी? (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'लए' कार्यवाहियां करता कुं "

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किमी अन्य प्यक्ति द्वारा, अधाहम्साक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकीगे।

ग्यध्दीकरण: - -इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना को उस अध्याय में दिया गया है।

मन् सुची

फ्लैंट नं 16, 2री मंजिल, निर्मेला महल को-घाँप० हाउमिंग सोसायटी लिं०, बोमणजी पेटीट हैरोड, रोड, बम्बई-26 में स्थिट है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11045/ 86-87 सौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 12-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिन।क: 2-7-1987

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्राविष्य, बहारक भारकार शास्त्रत (नियक्तियाँ)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं अई-1-37-ईई/13398/86-87—अतः मुझे, पी एन अंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् धनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-व से अधीम दक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

पर्लंट तं 14/बी, 14वीं मंजिल, न्यू आकाश गंगा को आप हाउसिंग सोसायटी लिं , भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 12-11-86

को प्रॉक्त सम्मित के अधित बाजार बुक्य से कन के क्यमहात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम्योंक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध इतिकृत ने अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और वंतर रिती (बंतरितियाँ) हो जींच एवे बंदरक से सिए तय नावा प्रमुद्ध कि विश्व के सिए तय नावा प्रमुद्ध के सिए तय कि विश्व में बारतिक रूप से किया नहीं किया नहीं :---

- (क) अलारण से हुए फिली जाब की बाबस, उपस अधिविसक के अधीन कर दोन के क्यांक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (था) एके किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जाधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रविकाश्य जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था ना किया वाना जाहिए था, कियाने में सुविका के लिए।

अतः अभ, उपन अभिनियमं की भारा 269-न के अनुसरभ में, में, उपन विभिन्धिमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बचीन, निम्मक्रियित व्यक्तियाँ सम्बद्धि के (1) श्री प्रफुल्ल एम० **बारिया और श्रीमती** पूर्णिमा पी० **धारीया**

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन पेसमल दोदानी और श्रीमती रेखा मोहनदास दोदानी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को स्व स्वा वादी अहके दुर्जेक्य स्वाहित से स्वाह के हिस् कार्यवाहियां सुक कहता हुई।

वनस बुन्यरित के अर्थन के बध्यम्थ की करेंद्रों भी आसीप हन्या

- (क) इत वृष्या के राधपूत्र में प्रवासन की वारीस ते 45 दिन की वंशीय या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों वर भूषणा की तासीस से 30 दिन की बन्धि, को औं सबीध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पृथीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां स्वाक्तियों में से किसी व्यक्तियों से स्वाक्तियों स्वाक्तियां स्वाक्तियां स्वाक्तियां स्वाक्तियां स्वाक्तियां से से सिंगी स्वाक्तियां स्वाक्तियां से से सिंगी स्वाक्तियां स्वाक
- (क) इक सूचना के राजपन में प्रकावन की ताड़ीच के 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत इंतास काशहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकींगे !

स्वक्रांकरण इ---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पक्षे का, को उक्क विविवस के बधाय 20-क में परिशाधित हों, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका क्या है द

धपुषुची

प्लैंट नं 14-बी, 14वीं मंजिल, न्यू आकाश गंगा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं अई-1/37-ईई/1046/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रिजस्टर्ड है।

पी एन बन्सज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनाक: 6-7-1987

प्रस्य आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ं काश्चिमिय, सहायक शासकर काय्क्त (निर्नोक्ष^{का}़े

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश स अई-1/37-ईई/113399/86-87—अत. मुझे, पी एन बन्सल

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं 2, पहली मंजिल, सागर दर्शन भूलाईभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याला में रिजस्ट्री है, दिनांक 13 -11-1986

को वृत्रीयक सम्मति से विषय वात्रार मृत्य से कम को व्यवसात प्रितिकता को निक्ष अन्तरित की गर्द है और मृत्रें यह विकास अपने का कारफ हैं कि समान्ति के समान्ति का कारफ हैं कार समान्ति के सिर्द के स्वत्रिक (अन्तरित का कारफ हैं कार बन्तरिक (अन्तरिक का कारफ का प्रतिक्रम का सिर्द तक पाना प्रतिक्रम कि सिर्द तक पाना प्रतिक्रम का का सिर्द का स्वत्रिक प्रवृत्रिक का स्वर्ण की सिर्द तक पाना प्रतिक्रम का सिर्द का सिर्ट का सिर्द का सिर्द का सिर्द का सिर्द का सिर्द का सिर्ट का सिर का सिर्ट का सिर्ट का सिर का सिर्ट का सिर का सिर्ट का सिर का स

- (क) अन्तरण से हुंड़ किसी आय की बाबस उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राप्त के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अधीत् ⊯— (1) श्रीमती कांताबेन पी मेहता, प्रभुषास मेहता और मनोहर पी मेहता

(अन्तरक)

- (2) श्री किशोर सी वादभावाला, हि अ कु० (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थित्तयों पर सूचना करी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्तयों में से किसी स्थितत द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिजबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गक्ष्या है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं 2, पहफी मंजिल, सागर वर्शन, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र स अई-1/37-ईई/11048/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी एन बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-7-1987

मोह रः

प्रकप नाव⁸. टी. एन.. एस. अ-чनर

बायकर विधिनियम, 1964 (1961 का 43) की भाका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक र नायुक्त (निहाँकाक)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

वम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं अई-1/37-ईई/13 400/86-87---अतः- मुझे पी एन बन्सल

बायकर अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गड़ा हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट नं 31, 3री मंजिल, ओसिएन केस्ट को-आप हाउसिंग सोसायटी लि , भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13-11-86

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम में अवमाय प्रतिफत को निए अन्तरित की नई हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पत्तिह प्रतिक्रत से विश्वास प्रतिफल को पत्तिह प्रतिक्रत से विश्व हैं बीर बंतरिक (अंतरकाँ) बीर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरिज के निए तय पाया यवा प्रतिक्रत, जिम्नीसिस्त उद्योग्य से अन्त कम्पूर्ण सिस्तिस में वास्तिक क्ष्य के सम्प्रतिक स्था विश्व से वास्तिक स्था की सिंदिर स्था का स्था की स्था की स्था की स्था की स्था की सिंदिर की साम्या की स्था की स्था की स्था की सिंदिर की साम्या की स्था की स्था की स्था की स्था की सिंदिर की साम्या की स्था क

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की गावल, उक्त अधिनियमें के अधीन कर दोने के बस्तरक जी शायित्व में कुसी कर्रण वा क्यचे क्षण में शुरियधा क रहाए, भार/सा
- श्रिमं किती आय या किती भग वा श्रान्त वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्त जिन्हें भारतीय आयक्त जिन्हें का 27) वे भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट वहीं किया पवा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा औ लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपेधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीन :---- 8—176 GI/87

- (1) श्री हीरानन्द गोबिन्द राम अडवानी और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री विकस किशोर श्राफ और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की लविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की लविश्व, को भी वविश्व में संग्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन को भीतर क्ष्मल स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ब्यारा, अभोहस्ताक्षरी को पाक लिखित में किए का सकींगे।

स्वय्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

प्लैट नं 31, 3री मंजिल, ओसिएन क्रेस्ट को-आप हार्जीसंग सोसायटी लि , भूलाभाई देसाई रोड, अम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं अई-1/37-ईई/11047/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 13-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1 बस्बई

विमांक: 6-7-1987

मोहरः

1986

प्रस्प वार्षे. टी , प्र_न एस्_{राप्तान्त्र-स्थलन}

वासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा १७६५-च (1) की मधीन सुचन।

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जावबत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निर्देश स अई-1/37-ईई/13405/86-87-अतः मृझे, पी० एन० बत्सल '
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्क्ले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का 4तरण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृक्य 1,00,000/- र. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं 3, पहली मंजिल, बी-ब्लाक, स्काईस्कैपर इमारत, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-

का प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्योंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान शितफल से एसे दृश्यमान शितफल का पंद्रह शितशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंस-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है क्र--

नियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 13-11-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/मा
- ग) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 2/) क प्रमोजनार्थ जन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना पाहिए था, क्रिपाने में सुविक्षा के निए;

वर्ताः वर्षः, उक्त श्रीभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन . निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः :---- (1) सेंट्रल जिम्मया मिशन द्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण केणव लेबोरेट्रीज लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

का यह सुमाना जारी करकः पृत्रांक्त सर्पात्त कः मर्जन वो लिए कार्यवाहिया करता हु"।

तकत संपत्ति की कर्बन की संबंध में काहे भी कार्बप क---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पिन की सर्वीस, जो भी अविध अदि में समाप्त होती हो में भीतर प्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 चिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति मो हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए बा सकींगे।

अनुसूची

पलैट नं० 3, पहली मंजिल, बी-ब्लाक, स्कायस्केपर इमारत, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/11050/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रजिस्टई किया गमा है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहर 🖫

प्रकृप आर्डे.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/13406/86-87----ग्रत. पुक्षे पी० एन० बन्सल

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17 जो, टैरेस के साथ, 5वीं मंजिल, इंडिया हाउस 3, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में आंर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269क,ख के प्रधीन वम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-86

को प्योंक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरित (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा () के अधीन, निम्मीनीसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती घौदरे दुधमल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दक्षेण वाबूलाल कडाकिया श्रांर श्रीमती मीनाक्षी दक्षेण कडाकिया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सेकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

पर्लैट नं 17, ज़ो टेरेस के साथ 5वी मजिल, इंडिया हाउस 3, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कि में ग्रई-1/37-ईई/11051/ 86-87 ग्राँग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन**० बंसल** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष**ण)** ग्रजैन रेज-1, बम्ब**र्**

विमांक: 3-7-1987

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13408/86-87—श्रतः मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पलैंट नं० 21, बेले व्यू इमारत 85, बार्डन रोड (भूलाभाई देसाई रोड, अम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांकज. 13-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🗈 —

(1) श्रीमती मरुणा ए० मयायुर।

(मन्तरक))

(2) श्री हितेन रम्मीकान्त मेहता श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 21, बेले ब्यू इमारत, 85, वार्डन रोड, (भूला-भाई देसाई रोड), बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/11052/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> पी० एन० बंसस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 2-7-1987

सक्त बाह्यं द्यां हुन् हुन् हुन् । स्वान्त्रास्थानकर विभिन्नियम , 1961 (1961 का 43ह की वारा 269-व (1) की वधीन सूचकर

मारत चंदनार

कार्यामय, सहायक वायकर बावूक्स (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रेई-1/37-ईई/13425/86-87--- ग्रतः मुझे ग्रतः मुझे, पी० एन० बन्सल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें अर्थ प्रकार अधिनियम कहा गया है), की धार २६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर उप्पत्ति, चित्रका उपित वाचार मृख्य 1 10,000/- रह. से विध्यक है

श्रोंर जिसकी सं पलट नं 82 क्षितिज, 47 नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 12-11-1986 को

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाबार बृत्व से कम के अवजान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उभित बाबार मूस्य, उसके दरवमान प्रतिकल से,, एसे दर्धवान प्रतिकल का नम्द्र प्रतिकत ने विभक्त है और वंतरक (वंशरकी) वार बंतरिती (जंतरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय गावा गवा प्रति-विक रूप से कथित नहीं जिला नवा है :---

- (क) अन्तरण ने हुर्न्द फिल्बी आय करी बहबत समझ अधि-नियम को अधीन अध्य को के कलारक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी क्याने में सुविधा के सिक्; और/या
- (स) एती किसी बाव या किसी धन या बच्च बास्तिवीं की, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियय, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धन-क्षण अभिनयम 1957 (1967 का 27) और प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकेट महीं किया गया वा वा विश्वा बाना वाजिए था, कियाओं में स्थिध के लिए;

नतः क्या, बाया मीर्थीनयम की पारा 269-म मी, बनुसरम थी, मी, उक्त मीर्थीनयम की भारा 269-म की उनधारा (1) को मधीन, निस्नतिविक्त व्यक्तिमोध झर्महर्म हिल्ला (1) श्रीमती निरम्जनाबेन जे० शहा, उर्फ सवेरी ग्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धर्मेन्द्र कुमार गोयल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इन्द्र सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्पना है रावपक में प्रकाशन की तार्रीय वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामीन से 30 दिन की नविभ, यो नी अक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के वास शिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कर्जा और पर्वो का, को जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

फ्लैंट नं॰ 82, क्षितिज, 47, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं सं श्रई-1/37-ईई/11037-ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बन्सल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (ज़िरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 5,00,000//- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पर्लंट न 201, 2री मंजिल, जोगानी अपार्टमेंट, 29-बी, डूंगरसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-11-86

को पूर्वा कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिकल, निम्नों लिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुन्ह किसी आय की वाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए; और,/शा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधि-मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती बुजारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, रिक्टपाने में सुविधा के लिए;

जतः जाग, उन्नर मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, छच्छ अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री जेठमल माणेकचन्द संबर्धी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत गुलाइचन्द्र दोशी ग्रीर ग्रन्य । , (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की-तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

प्लॅंट नं० 201, 2री मंजिल, जोगानी श्रपार्टमेंट, 29-बी, ड्रंगरशी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/1055/ 86-87 में और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनांक : 3-7-1987

...TITL LINE STOKETHERMAN, ALL .FA

प्रकर् सार्वे की , एव , प्रस् ु -----

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

नारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

नायकर लिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/- रह. सी अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तल माल., रेखा को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०, रिंग रोख, बम्बई-6 में स्थित है। (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिकाल के लिए जन्तिरत की गई है और मुझे वह विद्यास करने का कारण हैं कि नथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिकाल ते, एसे कामान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और वंतरक (जंदरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण हे तुर्दे किसी बाव की बावत, उक्क अधिनियंस के अधीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदंत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सी० जी० दोशी और म्रन्य।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सी० के० गहा ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कांड्री भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताकारी के पास निवित में किए ना सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के बम्बाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

सम्बन्ध

प्लैट नं ० 1, तल माला, रेखा-को ० ग्राप० हाउमिंग सोमायटी लि ०, रिज रोष्ठ, बम्बई में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11064/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई 13442/86-87--- ग्रतः मुझे, पी० एन० बन्सल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्मिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं 92ए, मेहेर अपार्टमेंट्स, और श्रोपन कार पार्किंग स्पेस जो, अत्स्टेरोड, ऑफ अस्टामाउन्टरोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अपन आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीत, पिक्तिसिक काबिसकों, अर्थीय :--- (1) जहदे इण्डिया लिमिटेस।

(अन्तरक)

(2) .हैक्स्ट इंडिया लिमिटिंड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मन्तरितोयों।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिशंकरता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्परित्यों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासक र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव नवा हैं।

प्रमुचीज

फ्लैट मं० 92ए, मेहेर घपार्टमेंट्स, ग्रीर ग्रोपन कार पार्किंग स्पेस, जो, घन्स्टे रोड, ग्रॉफ ग्रल्टामाउण्ट रोड बम्बई 26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/11066/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-86 को राजस्टर्ड किया यया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

मोहरः

प्ररूप बार्ड टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जलाई 1987

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13444/86-87—ग्रतः मुझ, पी० एन० बन्सल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं स्मीर जिसकी सं प्रलैट नं ० 62-बी, 6ठी मंजिल, एम्बैसी स्मार्टमेंट, 46, नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (स्मीर इससे जपाब स्न स्मुस्नी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) स्मीर जिसका करारनामा श्रायकर स्नधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रल का पन्नह प्रतिक्रल के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व , में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के लिए।

अतः अवः उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीन के किन्सिक कि

(1) हेनस्ट इण्डिया लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) उत्दे इंडिया लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

(3) ब्रन्तरितियों ।

(वह व्यक्तिं जिसके ग्रजिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना आ<u>रो करको पूर्वोक्ट सम्मरित से सर्</u>जन से दिख्य आर्यवाहियां करता हूं।

बच्च सम्बद्धि के गर्वन के सम्बन्ध में स्टोर्ड भी बालीब छ---

- (क) इस श्वान के राजपण में प्रकावन की तारीब हैं

 45 दिन की बनीथ या तत्त्रम्मणी स्वृत्तियों प्रवृत्तियों प्रवृत्तियों प्रवृत्तियों प्रवृत्तियों प्रवृत्तियों की स्वृत्तियों की स्वृत्तियों की स्वृत्तियों को से सिन्दि स्वृत्तियों को से किसी स्वृत्तित हुनारा;
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकासन को तगरीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितनवृभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पर्लंक सं० 62-बी, 65ी मजिल, एम्बेसी भाषाटेंमेंट्स 46, नेपियनमी रोड, श्रौर गैरेज नं० 1, बम्बई 36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि मई 1/37-ईई/11067/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 को रिजस्टर्ड किया हैंग

> पी० एन० **ब**न्सल स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्ण)**, श्रर्जन रें**ज-1, बम्बई**

विनाक: 2-7-1987

मोहरः

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-

- आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

आरत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात्। 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 19, शंकर महल को-ग्रॉप हाउससिंग सांसायटी, सोफिया कालेज लेन, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बींजत है) ग्रीर जिसका करारन्यमा श्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

को पूर्वों कर सम्पद्धित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपित्त का उचित बाजार में ल्य, उसके काशमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम् की बाबत , उक्स अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अब या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाव ---

- (1) श्री घनश्याम गोविन्दराम दुसेजा ग्रीर श्री राजेश घनश्याम द्सेजा ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्राप्विनीकुमार बाक्नुलाल ग्रहा ग्रीर श्रीमती निना শ্राप्तिन शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्न्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्न्ना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संस्थि

फ्लैंट नं० 19, शंकर महल को-श्रॉप० हाउससिंग , सोनायटो लि०, सो.तीया कॉलेज लेन, बार्डन रोड, बम्बई—26 में स्थित है।

प्रमुच्ची जैसा कि कि० सं० प्रई-1/37-55/11071/86-87 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

मोहर: .

मान्य बार् वर्धः प्रदेशस्य व्यवस्थान

भाषकर अभिनित्रकः 1961 (1961 का 43) वर्षे भारा 269-म (1) से अभीत स्थान

्कार्यानय, बहायक वावकार भाव्यत (विरोक्ति)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्धई, दिनांक 2 जुलाई 1987

मिदेश सं ग्रई-1 37-ईई 13450/86/87---- श्रतः मुझे पी० एन० बन्सल,

वानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िंको इसमें इसमें इसमें वरवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अभीन सवाम प्राभिकारी को यह विषयम करने का का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित वाजाए मुख्य 1,00,000// का से अभिन्त है

1,00,000/रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 401, 4थी मंजिल नं० तथा जो
इ-क्लाक, सिमला हाउस, नेपियन सी रोड, बम्बई-36 में '
स्थित है (श्रीर इससे उपाहर अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणत है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधनियम
1961 की धारा 269क, ब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है विनोक 24-11-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के रूपमान
शिवकस के लिए जन्तिश्व की वह है जोड़ मुके वह विश्वाब्
रूप का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
क्लाइ प्रविश्वत से जिसक है जोड़ बन्दुक (जन्दिकों) जोर
जन्तिरती (जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्दरण के लिए वय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित सद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तुविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत बानियान में नपीय कड़ बोर्च के श्रुवादक के बानिया के कबी कड़ने वा बहुई वसने के सुविधा में किसूह की था
- (व) एती किसी नाम मा किसी पन मा अन्य नास्ति को विक् बार्सीय बार्चंड विद्युविद्युत 1922 (1922 को 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरणः में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिष्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० एम० डिसोजा

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रम्दुल करीम एन० मनवा।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री ग्रौर श्रीमंती ए० एन० मन्वा ग्रनिस मन्या सिरोज मन्वा रियाझ मन्वा शेनाज मन्वा श्रौर ग्रौर मिराज मन्वा

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ... कार्यवाहियां शुरू करता हु।

वक्त बन्दित में वर्षन में तम्बन्ध में कोई भी नामीप ह---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 वित की व्यक्तिया तत्सवंभी व्यक्तियां पर
 भूषना की ताबीक हो 30 विन की व्यक्ति, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों ने वे किसी व्यक्ति हुवाडा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव 'स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार मध्येष्ट्स्ताक्षरी के पास लिवित में किए जा सकों में !

श्रक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ श्रीभृतियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वस हैं।

वन्स्ची

फ्लट नं ० 401 4थी मंजिल इ-ब्लाक सिमला हाउस नेपियन-सी रोड बेम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अर्ध-1/37-ईई 11072/ 86/87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को र्युक्षस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राविकारी महायक घानकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहर: `

प्रस्त बार्ड् हो । एक पुरु का का का

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43), की वारा 269-व (1) के बधीन स्वाम

सारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० भ्रई-1 37/बईई 1345386/87—श्रतः मुझे, पी० एन० बन्सल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा नवा ही, की चारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भूस्य 5,00,000//- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैंक सं० 4ए, 4थी मंजिल रिक्षवी पार्क 5ए अस्टामाउण्ट सेंड बस्बई-26 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनिकम 1961 की धारा 269क, खंक अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 24-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के क्रममान प्रतिकल के लिए-अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह बिद्दास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त तत्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके स्ममान प्रतिपत्न से, एसे क्षममान प्रतिपत्न का पंद्रष्ट प्रतिजत से अधिक है और बन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती (बंद्युट्टितियों) के बीच एसे ब्रंट्रच्च के ब्रिप्ट त्न पाया प्रमा प्रतिक क्षम जिल्लाविध्य क्षम के क्षम क्षमान क्षिक के बाक्टिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम को अधीन कर दाने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) प्रोसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) को प्रवाचनार्थ अन्तिरती ब्रवारा प्रकट नहीं किया एवा था वा किया जाना काहिए था, छिपाने में ब्रिक्श के जिल्हा

अत्धं अव, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियां, अथित :— (1) श्री किशीन डी० भाषनानी ग्रीर श्रीमती मिना के० भावनानी।

(भ्रत्तरक्)

(2) श्री नटवरलाल एच० ग्रम्बानी ग्रीर श्रीमती स्मिता एन० श्रम्बानी।

(भ्रन्तरिती)

नां कः कृतना बार्ड करने पूर्णना इन्होल में बर्डन ने किय कार्यव्राहियां करता हुं।

वर्ष तम्पीत् वे गर्भंद में चम्पन्य में कोई भी बाधोद्धः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीएर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए वा सक्षेत्र।

स्थाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्तों कींदु पर्यों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अक्रमची

फ्लेट नं० 4एं, 4थी मंजिल रिक्सबी फार्क 5ए प्रल्टा-माउण्ट रोड बम्बई-26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची 'जैसा कि कि कि श्रई-1/37ईई 11074/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्नेक्षण) श्रेर्जन रेंज-1 वस्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० श्रई-1/37/ईई/13455/86-87—अतः मुझे, .पी० एन० अन्सल;

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 // रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी गं० फ्लैट गं० 12 सुदामा 65ी मंजिल 214 गं० वालकेश्वर रोड बम्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 24-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री चन्द्रकांत के० सहाग्नौर श्री जयराज के० सहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रितलाल सी० ग्राहा ग्रीर श्री मुकेश ग्रीर गहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गाया है।

अभस्ता

फ्**लैट** न ० 12 सुदामा 6ठी मंजिल 214 वालकेश्वर रोड **ब**म्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई 11075/86/ 87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बन्सल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्रकृष भाषां हो हो । पुरा प्रकृतकार वार्य

नायकर सभितियस, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन स्वना

बाउत बहकाड

कार्यात्रव, तहायक मानकर मानुक्त (हिन्दीक्क)

श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश यं व श्रई-1/37ईई/13456/86-87—श्रतः मुझे, पी एन व अंसल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं ० निवासी फ्लॉट नं ० ए 2, र 27 वीं मं जिल, पृथ्वी श्रपार्टमेंट, श्रल्टामाउंट रोड, बम्बई—26 में स्थित हैं (श्रीर इससे जपाबदूध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं । तारीख 24-11 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान वितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत सं, ऐसे क्रयमान प्रतिकत का बन्त्य प्रतिकत से अधिक है जीर जंतरक (जंतरकों) जीर जंतरिती (जतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निजिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण में हुए किसी नाय, की बाबत, उक्त वीचित्रियन ची सभीन केंद्र योगे के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सूबिधा ची जिन्ह; बीड/मा
- (च) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सूर्विधा के लिए;

जतः जन, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, नें, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती निर्मला कें गोवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शिलाचन्द्र महतानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स क्यक्तियाँ में सिकमो व्यक्ति दुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का वर्कें के

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयक्त शक्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निवासी फ्लॉट नं० ए.2/27 वी मंजिल, पृथ्वी श्रपार्टमेंट श्रल्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्र $\S=1/37$ ई $\S=1/37$ ई $\S=1/37$ ई $\S=1/37$ 5 $\S=1/37$

पी० एन० बंसले सक्षम प्राधिकारी, जमहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम) श्रर्जन जरेंज-1, बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप काई द टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार अध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० म्रई-1/37-ईई/13458/86-87--म्रतः मुझे, पी० एन० वर्सल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लंड नें० 11, 4थी मंजिल, पाठलोवा की-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि० एल० डी० रूपारेल रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रार इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-11-1986

को पृथेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचे एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी, आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

4

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः शिव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महेंद्र नटवरलाल मेहता श्रौर श्रीमती कोकीला महेंद्र मेहता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किसोर तुलसी दास नोकसी ग्रीर मास्टर रोहन निट्ठल चोकसी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेत्रित सम्पत्ति के अर्जन के सिएं कार्यवाहियां करता हुं।

- · उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---
 - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
 - (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

पलैट नं० 11, 4थी मंजिल, पांग्लोबा को-माप० हाउसिंग 'सोसायटी लि०, एल० डी० स्पारेल रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि । सं० भई-1/37-ईई/11077/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनान: 2-7-1987

भोहरः

क्षान वार्ष्ट्र की _व्यम् प्रस्तात । ॥ धनाव

बारकः व्यथिवद्यं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के व्यथित वृक्षका

COST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13460/86-87—ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आय 269-व के वचीन दक्षक शिवकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर कमित , जिसका जीवत नाकार कृष्य 5,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट न० 321, डी-इमारत, पेटीट हाल, एस० न० 356, मलबार एण्ड खबाला हिल डिवीजन बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनयम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैतारीख 24-11-86

को पूर्वोचल कम्मीरत को समित कावान मून्य में कम के अपवान अधिकास के भिए अम्मीरत की गई है वीर पूछे गई विकास कारों का कारण है कि जवापूर्वोचल संपीता का कमिल वादात कूल, उठते क्रयमान अधिका से, पूर्व क्यमान । विकास का पालक प्रतिकास से वादिक है और वाकारक (क्षूकरणाई) और कार्यारती (जन्तरितयों) । रीच पूर्व बनारक से किए तब पाला गया प्रतिकास, निम्मीसिक्त संस्थारत से कम्मरूप

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबते, उनत जीभिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दागित्व में कमी करने वा ज़ंससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वै किया।

नतत कर, रचन अधिनियम की शारा 269-व की जमभावा में, में, जनत अधिनियम की भारा 269-व की जमभावा (1) के अभीन, निकालिविक करिनायों, अभीत :--

(1) मलबार इडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) डाबर (डा॰ एस॰ के॰ बर्मन) प्राईवेट लि॰ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कुरको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अजैन के बिष्ठ कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्य प्रभृति से बर्धन से ब्रम्यन में सादें भी अर्थन 🗝

- [कि] स्व प्या में शायपम् में अवस्था भी वारीय हो 45 विष की सक्षि या उत्तरम्भी व्यक्तियों पूर स्प्या की समीम से 30 विष की स्वीत, हो ही समीम वाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रीवद व्यक्तियों में ही किसी न्योंका प्रवाह:
- (व) इस क्षाना के राजपक में प्रकारन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ कियी कम भावित क्षाय क्षाक्तकारी के पार किवित में किए का सकेंचे कि

सम्बाधिरमञ्ज्य-इसमें प्रयुक्त सब्बों बीर वर्ग का_छ की सबस व्यक्तियन के अध्याय 20-क में परिशाधिक है। नहीं अर्थ होना की यस सध्याय में दिस्स मना है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 321, श्री-इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलाबार एण्ड खंबाला हिल डिबीजन, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई-1/37-ईई/11079/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा दिनाक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1 बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13461/86-87—श्रत. मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000// रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 334, डी-इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मुमलबार श्रीर खंबाला हिल डिबीजन बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण

हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनिह पाजार मुल्यं, उसके दृश्यमानप्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल से पत्सह प्रतिशः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल, निम्निलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंश ने हुए कि सी श्राय की श्रायत, उपत विश्व-निवय में सभीन कर कोने के अस्तरक के श्रावित्य में क्षमा करने वा उल्लेश क्यम में मृतिया के फिए: और/कः
- (ख) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह्रं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्दिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनसरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थीत् :---- 10---176 GI/87

- (1) मलबार इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड। (मन्तरक)
- (2) श्री एन० एस० पारीख स्रोर श्रीमती ए० एन० पारीख।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंची -

फ्लैंट नं० 334, डी-इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलबार भ्रौर खंबाला हिल डिबीजन, वम्बई में स्थित*ूँ* है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/11080/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकार _ सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

शक्ष कार्युकी, दशा, एवं ..-------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

गारत तहन्तर

कार्यासम्, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्षक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987 निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13465/86 87—श्रतः मूसे, गुर्वा एन० वंसल

बायकर की भिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/(- रु. से अधिक हो

गौर जिसकी सं क पर्लंट नं क 43-ए, 4थी मंजिल, झटलास अपार्टमेंटस, 11, जमनादास मेहता गोड, बम्बई-400006 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में झार पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका कारानामा झायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-87 को शूर्वोक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-87 को शूर्वोक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-87 को शूर्वोक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-87 को शूर्वोक्त सम्पत्ति के उपालय में प्राप्ति के समाम प्रतिपत्त को लिए मंतरित की नई है और मूखे वह विश्वास करने धरले का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपाल बाजर प्रस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपाल का समाम प्रतिपत्त का अधिक है बार बंतरक (बंतरक) बार बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एोब बंतरण के सिए तब पावा यवा प्रति-क में निज्निति उद्वक्त से उपत बंतरण कि सिक में वास्तिक कर वास्तिक का निजनिति उद्वक्त से उपत बंतरण कि सिक में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरण **धेहुई किसी नात की बाबत, तक्**त विविध्यम औं अकीन कर दोने के अक्सरक अं दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः सब, उपत अधिनियमं की भारा 269-म के अबुसरण में, र्वे उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहम्मद कादर शहा नवाझ भार श्रीमती खर्शीद ताज शहा नवाझ।

(भ्रन्तरक У

- (2) श्री केतन बागमल पारीख, श्रीमती गैला केतन पारीख, श्रीरश्री केतन [नागपाल पारीख (हि॰ श्र० फु॰)
- (3) ग्रन्तरकों (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

्रको यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संस्पीत्त को कर्जन को तिव - कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई ही बाक्षप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन की बनिय मा उत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अधिकता में है किनी व्यक्ति ब्रांगर:
- (क) इस सूचना के राज्यम के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मस्ति में विस्ववर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयानत पान्दों और पदों का, जो उनसे विवित्तवन दें वध्यान 20-क में परिमाणिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में दिया प्रका ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 43-ए, 4थी मंजिल, ग्रंटलास श्रपार्टमेंट्स, 11, जमनादास मेहता रोज, अम्बर्ध-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/11084/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीर्ं एन० बंसल सक्षम प्राधिजकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ह्मर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 3-7-87

~ __xw_ et.

प्रकथ बार्ड, टी. एन. एस.-----

नावकार निर्धाननम, 1961 (1961 का 43) की (269-न (1) के नपीन स्वता

(a 209-4 (1) m 4414

भारत इद्धनप्रद

कार्याध्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश सं० ग्रई-1-/37-ईई/13491/86-87---ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का क्षत्ररण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलट नं० 701, सिताखेल, 18 बी, एल० डी०, रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई- में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-11-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत असत निवहितयन के अभीन कर दोने के जन्तरक को कायित्व में कमी करने वा उत्तत्ते बचने में कृष्टिया के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या जम्म जास्त्रिकों की, जिन्हों आरतीय बायकर जिमिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिमिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

क्तक नंब, उक्त निमिनयम की भारा 269-ग ने ननुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन - निम्नसिवित व्यक्तितृयों, नर्थात् :——

- (1) श्रीमती मार्गरेट श्राय० बाप्टीस्टा।
- (2) श्री दिनकर शंकर अल्वा और श्रीमती शशिकला दिनकर अल्वा।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वानं के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन की जबीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की जबीं को भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रवेक्ट
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुदारा,
- (थ) इस सूचना के उत्थपन में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए था सकों ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका वसा है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 701, सिताडेल, 18 बी, एल० डी० रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/11105/ 86-87-भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जद रेंज-1, बन्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहर : 🗠

REP ART. 87 . 47 . 45 . January . Arte

पावणह विभिन्नम् 1961 (१९61 सन 43) की पाडा 269-म (1) से वभीन पुछ्या

कार्यकर, बहारक गारकर शायुक्त (प्रिज्ञीकर)

म्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 2 जुलाई 1987

निदेश स॰ मई-1/37-ईई/13500/86-87-मात मुझे, पी॰ एन॰ बसल,

सावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उनत विभिनियम' कहा पना हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राप्तिकारी को वह विश्वास करने का क्षान हैं कि स्वावर संपत्ति, जिसका उपित वाचार मृज्य 5,00,000//- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 1-बी, 1ली मंजिल, गिरीराज, 11, भ्रस्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) भ्रौर जिसका करारनामा भायकर भ्रधिनियम 1961 की 269क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-86

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधित बाधार मूल्य से कम से धरवमान इित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापबोंकत सम्मत्ति को उचित बाबार बूक्ब, उससे ध्यवमान प्रतिषक्त है, एसे ध्यवमान प्रतिषक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया पया प्रतिषक, निम्निसित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उर्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः :---- (1) श्रीमती प्रभावेन ए० सेजपाल।

भ्रन्तरक)

(2) श्री भूषण कुमार श्रहुजा श्रौर श्रीमती पूजा बी० श्रहुजा।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री भूषण कुमार श्रहूजा। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सपित है)

को यह पुष्ता जारी करको पृथा कर सम्मित में धर्मन में शिक्ष कार्यवाहियां करता हु।

स्पत्त सम्बद्धित के बर्धन के सम्बद्ध को कार्य भी काळन :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं ह सं 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्र व्यक्तिकृषा में से किसी अधितस व्वास.
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के शीतर उक्त स्थाबर संपीत्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी अर्थ शस सिवित में किए जा सकोंने।

स्थब्दोकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वां अवद् अधिनिवम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स् ची

फ्लैंट न० 1-बी,1ली मिजिल, गिरीराज 11, अल्टा-माउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर्व ग्रर्ड-1/37-ईई/11108/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया है :

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 2-7-1987

मोहर '

प्रस्य बाह^र् टौ_न एव_{ं न} एव_{ं नु}------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्स)

श्रर्जन रोज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13505/86-87—श्रतः मुझे पी० एन० बंसल

धावकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43); (विसे एवजे इसके प्रवाह (जन्म अभिन्निम क्या नगा है), की भाष 269-व के अभीन तथान प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/৮ रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० ए-5, 5वी मंजिल, राकसाईड ग्रपार्टमेंट, वालकेश्वर रोड बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रुनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक -24-11-36

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिया वाजार मून्य से कम के दरवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का अविषय बाजार मून्य, असने दरवजान प्रतिफल से, एसे स्वयंत्रात प्रतिफल को पन्तह भित्तियति से अधिक है और अन्तरक (सम्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तर्श को लिए स्थ पाया बया शितका, निम्नलियित उद्वोक्त से उक्त अन्तर्श कि विशेष से स्थायिक क्य से तीकत नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनवंत्र के बचीन कर वंतें के बन्तरक के वार्थित्व में कमी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के सिस्, भौरू/यः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

बतः वयः, उक्त विकित्यमं की धारा 269-ण की वनुतरण हों, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधिक है——

(1) एफ० ब्लाक ऐंजेसीस प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री रामसिंह जेठमल लालवानी। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- भ्राक्षा वह स्वना जारी करकी प्रतिक सम्पति के कर्षत के जिए कार्यवाहियां कुरू करता हो।

चक्छ सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई मी कालेप ह

- (क) इस क्षता के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 बिन की जनींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीज से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिल्ली स्वक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहथ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों बन्न, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क को विकासित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गवा हैं।

सन्दर्भी

फ्लैंट नं॰ ए $_{-5}$, 5वीं मंजिल, राकसाईड श्रपार्टमेंट, वालकेश्वर रोड, बम्बई $_{-6}$ में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-1/37-ईई/1109-ए/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई , टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1986

निदेश सं० ग्रर्इ-1/37-ईई/13506/86-87—श्रतः मु**से,**

पी० एन० बंसल

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 5 00,000/- रु. से मधिक ही

ध्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 50.1 है तथा जो 5वी मंजिल, ध्रौर कवर्ड पार्किंग स्पेस नं० 5, जो इंदिरा घ्रपार्टमेंट, वारमायकेल रोड, बम्बई-426 में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ध्रौर जिसका करारनामा घ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के भ्रुधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गर्द है और अन्य यह विक्वास

करवें को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकत से विभिन्न है जोड़ बंतरक (बंतरकों) बीड बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे कन्तरण के तिस तय पासा पना विभिन्न , निय्नविधित स्वूबोक्य से दलत वन्तरूज जिल्हित से पास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सम्बद्ध में हुई किही बाद की वायर_{ा।} उत्तर वहिन्दिक्षक के क्वींच कर को में करारक में वहिन्दिक्ष की कही करने वा उन्नये काने के द्वींक्या के किए। क्वींद्र/वा
- (क) देशी कियो जान ना कियो पन ना नाम जास्तिकी वर्ष, विश्व वारयीन जान-कर करिनीनका, 1922 (1922 का 11) ना यून्य व्यक्तिनका, वा धन-कर नीचनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रमोधनार्थ अवस्थिती इनारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थाक :--- (1) श्री सिरस सी० झडेनवाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नरोत्तम लाल ग्रीर श्रीमती पुष्पा एन० मिश्रा।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरितियों।

(बह व्यक्ति जिसके मधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आर्ववाहियों करका है कि

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी क्यित्सकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्बरी

फ्लैंट नं० 501, 5वी मंजिल ग्रीर कवर्ड पार्किंग स्पेस नं० 5, जो इंदिरा ग्रपार्टमेट्स, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्रि क० सं. धई-1/37-ईई/11110/ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 2-7-1987

प्रकार मार्च , हो , प्रम , प्रचानक न्यानक

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रर्ह 1/37 ईह/13510/86 87— अतः मुझ, पी० एन० बंसल

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की,भारा 269-ज अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति. जिसका अचित नाजार मृज्य

1,00,000//- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं प्लंट नं 281, डी इमारत, पेटीट हाल सी एस नं 356, मलबार श्रीर खंबाला हिल डिबीजन बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वींणत है)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, खंके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खंबमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखत उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) जन्तरण वे हुई फिसी जान की बाबस उन्धा जीधींनगम के जधीन कर दोने के जन्तरक को दागित्व में केनी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- .ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निवह:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मलबार इंडस्ट्रीज प्राईवट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला एस० भाटिया।

(म्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पृत्राचित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाह्या स्क करता हूं।

उनत सम्परित को वर्णन को तंबंध में लोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्द क्ष्मिक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्दों आदि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पेरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

फ्लैंट नं० 281, डी इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलबार श्रीर खंबाला हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई 1/37 ईई/11111/ 86 87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई द्वारा दिनांक 24 11 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1, बस्बई

दिनांक: 2-7=1987

वका बार्षः टी.एव.एव.-----

भायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चडक्र

कार्यालय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई 1/37 ईई/13512/86 87—प्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाषार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 401, 4थी मंजिल, खेगवाला टावर्स को आप० हाउसिंग सोसायटी, नेपियन सी रोड भौर हार्कनस ग्रोड का कार्नर, वस्बई 6 में स्थित है (भौर इससे . उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-11-86

भा वृष्णिक्त सम्मत्ति के खिचल काकार मुख्य से कम के बह्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है जोर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि युकापृष्णिक सम्पत्ति का उचित काकार मुख्य, उसके क्यामान प्रतिपाल ते एसे क्यामान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और बंबरक (बंतरकों) और बंबरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंबरण के लिए तब पावा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देशिय से उन्ध्य अन्तरण निम्नलिखित उद्देशिया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सूबिधा. के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्वरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविभा से लिए;

नत: अब उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग में अनुबर्भ में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह—— (.1) श्री धनपतराय पहवा, सोल ट्रस्टा ग्राफ पहवा ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) लक्ष्मीचन्द सी० शहा।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में संपत्ति है)

को वह बुचमा चारी करचे पूर्वोक्त सम्परित के वर्चन के लिए कार्यवाहियां पुरू करता हुं।

उपत क्षणात्व से सर्वन से सम्बन्ध में कोई भी नासेन हैं—

- (क) इस ज्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से

 A.5 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी म्यन्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अदिध, जो भी
 अविध नाव में सजान्य होती हो, के मीतर श्रवेंक्स
 व्यक्तियों में से विकास म्यन्तिय ह्वारा∜
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी चं शास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरण्ध-इत्रामें प्रयुक्त सम्बाधित स्वीधित स्वीधि

अन्सूची

प्लैट नं० 401, 4थी मंजिल, खशवाला टावर्स को ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, नेपियन सी रोड श्रौर हार्केनेम रोड का कार्नर, बुम्बई 6 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई 1/37 ईई/11113/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीर एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 3-7-1987

प्रकप बाही, टी. एन. एस. 🛪 - -

िकायकर नीभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की गारा 269 म्(1) के बामीन सुम्हा

मार्ड सरकार

·कामीलय, शहायक जावकर जावकत (निरीकण)

श्रर्जम रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निर्देश सं० भ्रई-1/37 ईई/13513/86 87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 249-व के अधीन तक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का-कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 5.,00,000 /√- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं फ्लैंट नं 15 ए, शनाझ, नेपियन-सी रोड, बम्बई 6 फ्राँर पाकिंग स्पेस नं 12 के साथ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर श्रिधिनियम, 1967 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-11-1986

को पूर्वें कित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयं मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप क्या ने कां बत नहीं किया व्या है ——

- (क) बन्तरण सं हुन्दं किसी नाय की बाबत उक्त निधिनवध्न के बधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए. नार/या
- , (क) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य अतस्त्रवाँ को, जिन्हों भारतीय क्षायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय अधिती द्वारा प्रकोट नहीं किया प्रयाचा या जिल्ला जाना पाहिए था जिल्ला हो स्विधा के निए;

(1) श्री दिनकर शंकर श्रल्वा।

(अन्तरक)

(2) श्री शैनक जगदीश गहा ग्रौर श्रीमती मंजूला जगदीश शहा।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भेजना को तामाल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुं भी कसी जन्म व्यावन द्वारा अधाहरमाक्षर। क गास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वर्धीकरण :---इसमे प्रयुवत शब्दा आर पदा का, जा उक्क विधिनियम, के वश्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस वश्याय में दिया वया है 🗈

मगुजुची

फ्लैंट नं० 15-ए, शनाझ, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 श्रीर पार्किंग स्पेस नं० 12 के माथ स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37-ईई/11114/ 86-87 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर प्रायुष्टा (निरीक्षण) **ग्रर्जन** रेंज-1, बस्बई

दिना क: 3-7-1987

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवृता

नारत संदुक्तर

न्स्रयांतव, सहायक आयकर आयुन्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निर्देश सं० झई-1/37-ईई/13516/86-87—झतः मुझे, पी० एन० बंसल

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वतः अद्देशनियम्' कहा गया ही, की चारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्रतिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्विकतः वाकार मुख्य

1,00,000/- रा. से **अधिक हैं** ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52-ए, 5वीं मंजिल, खेल व्ह्यू को-ग्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, 85, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्य**ट मनुसू**ची

में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

24-11-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यानान **व्रतिक**ल सिए वन्तिरत की गर्द है गौर वभ्ने यह विश्वास करन का कारण कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसकी दश्यकान प्रतिफल से, एसे रत्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है वौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अं**तरितियों) के** बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया तया प्रतिफल, निम्न**निच्छ** उद्योदय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप हे काधित नहीं किया जया है इ—

- (क) बस्तरम से हुई किसी बाय की बावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने वा उद्ययं वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधट्टा (1) □ अधीन, निम्नलिकित ध्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) पदमा भ्रार० खेमलानी, उर्फ श्रीमती विनू एस० महबुबानी।

(भ्रन्तरक)

(2) कुभारी सुबीता श्याम मसंद।

(भन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र रूप

- (क) इस बुभवा को राजपन में प्रकाशन की तारीनां से 45 दिन की जनभि या तत्वंचंची व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस नुमना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिव के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिव-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोइन्साक्षरी के नाव जिवित में किए वा सकेंचे।

स्वध्यक्षित्वः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, यो सक्त अधिनिक्त, के अध्याय 20-क के परिभाविक ही, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया पना ही।

ब्रन्स्ची

पनैट नं० 52-ए, 5वीं मंजिल बेल व्हयू को-ग्राप० हाउ-सिंग सोमायटी लि०, 85 भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा की कि संश्र मई-1/37-ईई/11116/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी दिनौंक द्वारादिनांक 24-11-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल भक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्राग

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप वार्ड, टौ., एन., एस.,----

भायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/13517/86-87—अतः मुझे; पी० एन० बंसल

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उपित बाजार मृत्य 5,00,000/ रहे. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 35-ए, और गैरेज, 3री मंशिल, प्रनिता कोग्रायहाउसिंग सोमायटी लिंक भाईमाहेब हिरे मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 कीधारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपैनत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मृत्रे बह निश्नात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नित्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐती निक्षी आग ना मिली भन ना अन्य आहिताओं को, जिन्हें भारतीय आगसर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, ना भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्वीवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उपा अधिनियम की धारा 200-छ की उपधारा (1) के अवीन, निम्नलिखिन व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) श्री विशनदास मूलचंद वासवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरेश भार० खेमलानी और श्रीमती बिनू (उर्फ पदमा) एस० महबुबानी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रविक्त सप्परित को अर्जन के लिए कार्यचाहिया करता हो।

रुवा प्रज्ञाति से वर्षन के बंदेश में कोई भी बार्बंद हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भौतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकनि।

स्पर्काकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अन्स्भी

फ्लैट नं० 35-ए, और गैरेज, 3री मंजिल, श्रनिता को-श्राप० हाउसिग सोसायटी लि०, भाउसाहेब हिरे मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर श्रई-1/3 7-ईई/11117/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी, महायक <mark>ग्रायकर श्रायुक्</mark>त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेज-1,बम्बई

दिनाक 2-7-1987

माहर:

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का:43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायिक्य , सहायंक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण)ः ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनाक 2 जुलाई, 1987

निर्वेश स० ग्रई-1/37-ईई/13526/86-87--- अन. मुझे, पी० एन० बंसल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 142, डी-इमान्त, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलबार और खबाला हिल डिबीजन बम्बई में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-निग्रम 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनांक 24-11-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिकित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्स बाहितयाँ की, जिन्हें भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम या धनकर विधिनयम या धनकर विधिनयम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती वृश्येष प्रकट नहीं किया गया का वा किसा आपी आदिय वा विपान में बुविधा के तिकः;

अतः जनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति, व्यक्तियों, अधित् क्रमान (1) श्रीमती विमल एस० ठाकोर।

(भ्रन्तरक)

(2) मलकार इंडस्ट्रीज प्रा० लि-०।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को-अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति- त्वास;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्तित व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं 142 डी-इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं 356, मलबार और खंबाला हिल डिबीजन, बम्बई में स्थित र।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37-ईई/11126/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

णी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बर्ध

दिनांक: 2-7-1987

the second secon

प्ररूपः आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार कायर्लियः, सहायक आयक्तः जायूबतः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांकः 3 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-1/ 37-ईई/13527/86-87 म्नतः मुजे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 208, बी-ब्लाक, 2री मंजिल, और गैरेज नं 49, खंबाला की - ग्राप हाउसिंग सोसायटी लिं , 42, जी देशमुख मार्ग, (पेडर रोड), बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकास के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 24-11-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रितिफल से ए से इश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बाः
- (क) ऐसी किसी आब वा किसी भन वा जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भार० एच० रंगा राव।

(ग्रन्सरक)

(2) डा० नितिन मधुकर नार्वेकर, डा० ग्रजंता निर्तान नार्वेकर, और डा० राजीव मधुकर नार्वेकर। (ग्रन्तरिती)

(3)भ्रन्न रितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपर्ति के अर्जन के किए कार्वकाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्तः व्यक्तियों में से कितीं व्यक्ति प्यारा;
- (ख) इस सचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखा ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अधीहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका-गया है।

नगत थीं

पलैट नं० 208, बी-ब्लाक, 2री मंजिल, और गैरेज नं० 49, खंबाला को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी देशमुख मार्ग, (पेडर रोड), बम्बई-26 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/11069ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० बंसल सक्षम प्राधिकार सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : i-7-1987

प्रयम् वाद्यः दो . एन . युद्य . -----

बायकर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यात्रम, सहायक नामकर वाय्यत (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज--1, अन्यई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/13528/86-87 अतः मुझे, पी० एन० बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रूधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 24, 4थी मंजिल, और ओपन पार्किंग स्पेस, जो, भावेष्यर दर्शन 31-डी, पेडर रोड, बम्बई-400026 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध डनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24 11-1986

की पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित क्लार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देवय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाहित्य में कनी करने या उसते बचने में सूबिधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना वाहिए था, छिपान में सुविधा से सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मुलराज गडी० मेहता और राजेश डी० मेहता । (ग्रन्तरक)
- (2) दौलत इंटरनेशनल कार्पोरेशन।

(मनिरती)

(3) (बी० नटवरलाल एण्ड कर्म्यनी। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जार्ी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाद्यिम करता है।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्याना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी बं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्याना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबत्य किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, यो उनक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, 4धी मंजिल, और ओपन पाकिंग स्पेस, जो मावेश्वर दर्शन, 31-डी, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संव अई-1/3 -ईई/11127/86-87 और जो जसक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दितांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बरग

दिनांक: 3-7-1987

THE REST AND LESS FOR PARTY.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश सं० म्रई-1/37-ईई/13532/86-87—मत: मुझे, पी० एन० बंसल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 111, वरिया मह्ल, "ए', 80, नेपिसयन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, इधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 24-11-86

को प्रवेषित सम्पत्ति को उपित वाषार भृत्य से कम को दश्यभाग अतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंकत सम्पत्ति का अधित वाषार कृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का अन्तरका (जन्तरका) को सम्पत्ति (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्योग्य से उस्त अन्तरण मिकित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हुन

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी नाम मा किसी धन या सम्म नास्तिमी की, चिम्हें मारतीय वात-कर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) विक्रिक, विक्रीक्रीकृत व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्री जय कुमार जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप राय एन० कोठारी और श्रीमती कौमुदी पी० कशोठारी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कुरके पूर्वोक्त संयुक्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां सूक करता हुं।

इस्त वस्परित के वर्षण् के सम्बन्ध में कोई वी आक्रोण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, वे 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी विधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए का सकोंने।

स्वव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनका विशिवसम, जो अध्याय 20-क में वरिश्रविक हैं, वही वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया है।

मन्त्र्यी

पसैट नं॰ 111, दरिया भइल, "ए"80, नेपियन -सी रोड, बम्बई-400006 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि फ सं० भ्रई-1/37-ईई/11130/-86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहर: 🕖

अक्षप- आईं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भा (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निवेश सं० अई-1/37-ईई/13538/86-87--- अतः मुझे, * पी० एन० बंसल,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्वाल् 'छन्त निधिन्यम' कहा गमा है), की अधारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है 'क्रि स्थावर संभाति,' जिसका 'उँचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 56, ब्ल्यू हैवेन को-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, माउन्ट, प्लेजेंट रोड, व्यस्वई-6 में स्थित हैं (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भागकर 'श्रिधिनियम 1961 की भारा 260क, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 24-11-86

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाबार मूस्य से कम के क्षयमान बरिक्कलको किए अन्तरित की नहीं ही क्षार मुक्के यह विकास कर्मित का कारण है कि यथाकुर्वोक्त सम्मति का उपित बाबार कृम्प, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिकल निम्नलिकित उद्योध्य से उस्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से धुर्ड किसी आय की वामत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन वा अन्य ऑस्तियों की, किन्ह भारतीय अनयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1,1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) श्री जलू एम० संजाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अजनी एम० खिलनानी और श्री हरिकशन ग्रार० खिलानानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरितियो।

(वह व्यक्ति, जिसके भधिभोग मे संपत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्बनाहिंगा करता हूं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तार्थक से 45 दिन की अविधिंगा तत्त्वस्थली क्यम्सिकों पर श्रुकता क्की क्यक्शित से 30 दिन की अविधि, को भी ज्यक्शि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के सावपत्र में प्रकाशन ंकीं तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवंद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए था सकोंगे।

स्पन्तिकरंगः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिश्राधित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गमना है।

मन्त्रची

प्लैट नं० 56, रूप् हेवेन को-म्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०; माउण्ट प्लेजैट, रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट-1/37-ईई/1135/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रिजस्टई किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 2-7-1987

मान वाहिता. युग वाहिता

ेबायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 109- के (१) के विभीन विभिन्न

STATE STATES

् कायालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

मार्ग के अपने ब्रुबई दिनांक 2 जुलाई 1987 निदेश सं० अई-1/37-ईई/10541/86-87-- अंतर मुझे, पी० एन० बंसल,

नावकर मौथनियम, 1961 (1961 का 43) निसं इसमें इसमें इसमें प्रचात (बनत नाथनियम) कहा गया है), की धारा 269 में को वर्षीन संबंध प्राधिकारों की यह विदेशास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, विश्वका चर्षित बाजार नृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं पूर्णिट में 9 84 5वीं मिलल गांकर सागर, सोफिया कॉलेज लेन, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है अरेर जिसका करारनामा आयातर मिलियम 1961 की अपना 269क ल के प्रधीत वस्वई स्थित से सिक्री प्राधिकारी के कार्यालय में क्लिस्ट्री है, दिसाक 2511-86

को पृशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान क्रिक्ट की बिक्ट कि मिर किरक् (बिट्या) जिए केरिसी किरि की की किर्म कि किरियों किरि की किरियों किरियों किरियों के किरियों किरियों के किरियों के किरियों के किरियों के किरियों के किरियों के किरियों किरियों के किरियों किरियों किरियों के किरियों किरियो

- (क) वर्णरण में शुद्ध कियों गाम की नागत उन्तर वीपितमंत्र में नगीन कर दोने कें जंतरक में व्यक्तिय में कानी करने या प्रवर्ण नगने में सुविधा में जिल्ह; मीर्√सामाहल
- वि)ः एजेन्डिकासी बाया याः किली वाना याः व्यवस्था का, जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नयम् 1922 (1922 व्यवस्था १३), या जनतः विभिन्नयम्, या वायकरं विभिन्यम्, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ विरोदी व्यारा प्रकट नहीं विभाग या वा या किया जाना वार्षिण का विभाग के लिए;

- (1) श्रीमती दयागौरी काबूभाई दासानी और ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमलागौरी हर्षदराय जोशी और प्रन्य। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षण के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई की बाक्षेत्र के

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीकः हुई 45 दिन की जनभि सा तत्सम्बन्धी स्वीमतावर्षे हुई तूचना की तामील से 30 दिन की अवभि , को और नव्यक्ति वाद में सभाप्त होती हो, को भीतर प्रवीकत क्वित्यों में से निस्ती व्यक्ति इवारा है।
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन का ताराक व 45 बिन के भीतत अबत स्वावर तम्पति में दिल-वव्य किसी जन्य व्यक्ति व्वारा जभोहरताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

लाकित्वः — इसमें प्रमुक्त सन्तों और पत्तों का, ास्ते . स्वयुक्तः मिनियम के कथ्यान 20-क में परिश्वासित क्षेत्रः विद्यानियमित के विश्वासित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः विद्यानियमित क्षेत्रः

नन्स्ची

प्लैंट नं० 34, 5वीं मंजिल, शंकर सागर, सोफिया कॉलेज लेन, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० धई-1/37-ईई/11137/86-87 और जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्मी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुचैन रेंज-1, बम्बर्फ

्र दिनांक :- 27--1987

मोहर: े

प्रकम काइ . की . एम . एस . -----

नायकर विधिषियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289 घ (1) ने मधीन स्वमा

भाग्स तरकार

बावकार विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें कुछके परवात् 'ठवत कपिनियय' कहा थया हीं, की वास 269-व के सभीन सक्रय प्रतिबक्तारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका उचित वाबार मूस्य 1,00,000/- रह. संबंधिक ही

और जिसकी सं० 5 शेश्रर्स जो, पलैट नं० ए-102 में, जो ग्रेण्ड पराडी को-श्राप० हार्जिसग सोसायटी लि० ग्रॉगस्ट क्रांति मार्क, अम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-11-86

की प्रतिकत कम्मरित में उपित बाबार मृस्य वे कम से ध्यमान अतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कश्ये का कारण है कि नवाप्योंकत संपरित का उपित बाबार बुका, उपके दस्यमान प्रतिकास थे, एते दस्यमान प्रतिकास का स्वाह प्रतिकाल से धीयक हैं जीर अन्तरक (अन्तरका) भीर अन्तरिती (अन्तरिती) से बीय एवे अन्तर्क में जिए स्व पाया अंका प्रतिकाल कि मिन्द्रितीय उपकोष से उपति अन्तरित कि विश्व से जातिक कम से क्षित्र प्रवृद्धिया से उपति अन्तरिक कम से क्षित्र प्रवृद्धिया से उपति अन्तरिक कम से क्षित्र प्रवृद्धिया स्व

- (क) जन्तरण चंड्र्ड जिल्ली नाव की नावत उक्त जांध-चित्र के अपीय चल होने के अन्तरक के सावित्य के कती करने ना उससे नचने में स्विभा के मिए; क्षेत्र√ना
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी भग या वस्त्र वास्तिवों की, विक्रूं भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

कतः जब, उकत अधिनियम की भारा 269-व क अभूसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु-------- (1) श्री जैकिशनवास बी० मेहता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजय बी० पमास्टर बी (० वी० पी० स्टील कार्पो रेशन के भागीदार)।

(ग्रन्सरिती)

(3) ब्रन्तरिती। (वह व्यक्तिः जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

की वह स्वता बारी करने पूर्वीकत कम्परित ने वर्षा में जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उपर सम्मत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकेंप हिल्ल

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस स्वता के राधपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिस अपूर्व किसी अन्य स्थावत बुवारा जभोहस्ताशंदी व पास सिश्चित में किए वा सकीये।

बन्त्वी

5 मोधर्स जो फ्लैट नं० ए-102 में, जो, ग्रैण्ड पराखी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० ग्रागस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई=36 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11139/-86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 3-7-1987

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायंकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 ज्लाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/---13545/86-87 ग्रतः मुंग्ने, पी० एन० वंसल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपय हो अधिक है

और जिसकी सं० 5 शेअर्स जो फ्लैट नं० बी-71 में, जो, ग्रैण्ड पराडी ''बी' को-आपं० हाउसिंग सोसायटी लि० ऑगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकास से एसे द्रश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उसत अन्तरण सिविस में बास्तियिक कुप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की भावत, उक्त अभिनिवम के अभीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुक्रिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में गृविधा के लिए।

बत्ः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध- (1) श्री बेहराम के० इराणी।

(अन्तरक)

(2) श्री बिपिन बी० पेमास्टर (बी० वी० पी० स्टील कार्पोरेशन के भागीदार।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आकृष 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषिक ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन पची

5 घोअर्स जो, फ्लैंट नं बी-71 में, जो ग्रैण्ड पराग्री "बी" को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, ऑगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कै० सं० अई-1/37-ईई/11140/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनांक: 3-7-1987

(अन्तरक)

प्ररूप आईं टी. एन एस . -----

बायकरं जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार.

कार्याज्य : बहायक नायकर वाक्तत (निर्देशक)

े अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987 निदेश स अई-1/37-ईई/13546/86-87—अत मुझे, फ्रिनें एक बसल

बार्कर अधिनिक्क, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनिक्स' कहा गया हैं), की धारा 269 के की अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका स्विक बाजार मृख्य 1,00,000 न स्व से अधिक हो

अोर जिस्की मिं के जी अर्स जो फ्लैंट नं ए-121 मे, जो कि प्रिंडी को-आप इाउसिंग सोसायटी लि अगस्त काति का का कि कि अगस्त का कि का कि कि अगस्त का कि की प्रांच के अप कि कि अगस्त का कि की प्रांच के अप कि कि का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है कि सिका 25-11-86

कीं पूर्वीक्त संस्पिति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान केतिकी को लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विष्णास करने का कारण है कि मधापूर्वीक्त संस्पिति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मतिष्यत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती श्वास्ति से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती श्वास्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा असिकाल, मिननिविद्यत उच्चेष्य से उच्चेत अन्तरण लिजित चास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) सम्बद्ध व हुई निक्की शांव की नावतः, उनके निवन के स्थीन कर वेने के सन्तरक. से वाजित्य में अनी करवे वा व्यक्त वचने में शुनिभा के लिए; महि/वा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग केन्क्रनूबरंग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपअन्छ (1) के अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री सुरेन्द्र रें जैं० जोशी, अरुणा एस० जोशी, विमला एच० जोशी और आशिष एच जोशी।
- (2) जैकिशन भवानीदास मेहता और श्रीमती सरोज जैकिशन मेहता।

ार (अन्तरिती)

(3) अन्तरितियो। (वह हुम्बित जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को नष्ट बुक्ता बाडी करने पुर्वाक्य कन्यरित के सुप्ता के सिद्ध कार्यगाहिमा कुक कड़ता हुई ।

बन्द बन्दिए वे भूजीत के ब्रेचिया में केकि भी बालाय है

- (क) इस स्वनहंके राजपत्र में प्रकाशन किंगे सार्वि से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनी की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जियि विद्यमित स्वादी हों, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- िं(त) इस स्ंचिमां के राजपत्र में 'प्रकाशिन की तारिकिं। से े ''45 दिन' की भीतरा उक्ता श्रथावर सम्मत्ति में ' हितवह्रक किसी अन्य व्यक्ति चुवारा अधोहस्ताक्षरी की सास विस्तित में किए का सकोंगे।

क्षेत्रमा क्षेत

अनुकृषी

5 शेअसे जो, फिलैट नं ० ए- 121 में, जो, गॅंग्ड पराडी को-आप० हाउसिंग सोसायटी खि० ऑगस्ट, क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची , जैसा कि कर् सं अई-1/37-ईई/11141/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बुम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रिजस्टई किसा गमा है।

> ापीक्षाएन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ह अर्जन व्यक्त-1,श्रंबई

विनोंक: 3-7-1987 -

प्रस्पः आई. दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुबना

भौरत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलगई, 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13559/88-87-अतः मुझे,

और जिसकी असा फ्लैंट न 45, 65ी मजिल, और गैरेज नं 73, माउण्ट युनिक पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से व्यणित है) अध्रैरक ब्रिह्मका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की श्राह्मक 269क, जिल्हों के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्जान में रजिस्ट्री है तारीज 25-11-86

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदृष्ट् प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कार्तरित्त्या) की बीच एस बेतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अंतरम सिल्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के कि क्रिकी कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
- भा (क) ऐसी किसी आय या धन या धन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

शत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 न्य के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६----

- (1) श्री बुरफोर नौशेरवान वकील, श्री होमी नौशेरवान वकील और श्रीमती विरा राजकवन। (अन्तरक)
- (2) मैं संसं यार्न सिंडीकेंट लिमिटेंड। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबेष्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची े

फ्लेंट न० 45, 68ी मजिल, श्रीर गेरेज नं० 73, माउंट यूनिक, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/11152/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 3-7-1987 मोहर

THE RIE WAS RED TO SERVE

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन क्षत्र

वारत तरकार

कार्यास्त्र सहायक सायकार बायुक्त (निर्देशका

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13562/86-87--अतः मुझ पी० एन० बंसल

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परेपात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 41ए, 4थी मंजिल, लक्ष्मी विलास जल मयूर की-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, 87, नेपियन -सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं,) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25-11-1986

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार कृत्व से कम को समधान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृम्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष् तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से कृद् कि वी भाव की भावते । खनत अभिनियम भी अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिभा के सिष्टु और/की
- (ख) एरेसी किसी आयं या किसी धन या बन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय आयक्तर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या खाल विधिनियम, बा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवभा वै विद्वा

अतः अयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री केतन बागमल पारीख।

(अन्तरक)

(2) श्री हितेन बागमल पारीखा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्द बक्दरिय में अर्थन में हुंग्य में कोई की आलेंग 🖦

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की रायों से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की सामीर से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि नाद रं समाप्त होती हो, के मीतद्व पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनाग्र;
- (क) इस तुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुंभ् किसी जन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्चों का, जो अक्त स्थितियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, वो उस सभ्याय में दिशा गया है।

नन्त्रची

फ्लैट नं़ 41-ए, 4थी मंजिल, लक्ष्मी विलास, जल मयूर को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 87, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है:

अनुसूची जैसप कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11154/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल - सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6 7-1987

शक्य आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) को अधीन सूचना

भारत संरकार

ंकार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरोक्षण)

म्मर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, विनांक 6 जुलाई 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000//- रूट से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, हिल ्ब्यू स्मारत गिरी दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, रिज रोड, मलाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रौर स्ससे उपाबड़ धन्सूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजाए मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण सिखित में बालायिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आम या घन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जयन्तीलाल बल्लभजी पोषट ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री दीपक माणेक लाल गहा श्रीर **भ**न्य । (श्रन्तरिती)
 - (3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करकें बूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जैं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमसची

पलैंट नं 1, पहली मंजिल, हिल ब्यू इमारत, गिरी दर्णन को-ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 15, रिज रोड, मलाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11157/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्रकप श्राह्रै.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घके अधीन सुचना

भारत सरकार

, कार्यालया, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, बस्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलाई, 1986

ृ निदेश, स० श्रई-1/37-ईई/13568/86-87---श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सर्व फ्लैंट नव् 25, 5वी मंजिल, सतनाम सागर को-ग्राप्व झाउसिंग सोमायटी लिव्, 20, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपावड ग्रमुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से बिजित हैं) श्रौर जिसको करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री हैं, दिनाक 25-11-1987

को पूर्वोक्त सम्प्रति को उधित दाजार म्ण्य सं कम को स्थयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्प्रीत का उधित बादार मूल्य उसकी दश्यमान प्रतिशत से, एसे स्थयमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियाँ) से बीच एसे बंदरण के निष्ण तब पावा नवा प्रतिक्क कम से कथित नहीं किया गया है कम्प

- विक्षों अध्यक्षण हो हिन्दी जिल्ली बाथ की बाव्या उपके अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्धरक के श्रीयस्थ को क्ष्मी करने वा उच्छे बच्चने के बृश्यिमा के किए; और/या
- (ज) एसी किसी बाय या किसी भग या कत्य आसितयों का, जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, रूप अनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाला वाहिए वा, कियाने के इंडिका के लिए;

अत. शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् .——

- (1) श्री शैनेश कें, देसाई श्रीमती रेखा एम देसाई ग्रीर श्री किर्तनलाल एस् देसाई । , (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी सरोज धार० शिस्त्री, कुमारी गीता धार० शास्त्री, भौर_{े कुसा}री इन्दु ग्रार० शास्त्री (अस्त्रिरिती)
- (3) श्री शेलेश के देसाई और प्ररिवार। (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभीग में संपत्ति है)

को यह स्<u>च</u>ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूखना के राज्यम न प्रकाशन का तासाइ है । 45 जिन की संबंधि का तत्सम्बन्धी म्यान्तिकों है । सूचना की तानीम से 30 दिन की नवृद्धि, जो, भी वर्षीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वीकर म्यान्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (व) इंत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब व 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संस्थित में दिल्लेक्स किसी नन्य करित इनाय नभीहरतीकारी के वाब सिविध में किए वा संबंधे ।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शंक्यों और पर्यों की, जो उन्हेंत जीविवन, ने बध्याय 20-क में विश्वप्रशिक्ष हैं, नहीं नवीं होना की वंश संख्यान में विका नना हैं।

सन्द्वा

पलैंट नं 25, 5वी मंजिल, सतनाम सागर को-म्राप हाउसिंग सोसायटी लि॰, 20, पेडर रोड, भम्बई-2 में स्थित है।

धनसूची जैसाकि कि स० ग्रई-1/37-ईई11158/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ः पी ∳ एन बसल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बस्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

डाबकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत एउपम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्गेन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 2 जुलाई, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/13571/86-87—-श्रतः मझे पी० एन० बंसल

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समझे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धित, विश्वका उचित वावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं प्रलैट नं 19, शंकर महल को-प्राप० हाउसिंग सोसायटं, सोफिया कालेज लेन, बार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रांर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिन्यम की 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

की पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि एथाप्रविकत संपत्ति का उचित राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एमे दश्यमान प्रतिकल का प्रमुद्ध , उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एमे दश्यमान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एते अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिकल कित विद्वार ये उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तयिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- हैंकी कथाइण में हुई किनी बान की नावल स्थल विजियम में बंधीय कर योगे के सम्बद्ध में कविष्य में कभी करने मा उपसे बखने में सुर्धन्य के लिए; कोर्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, ट्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 13—176 GI /87

- (1) श्री घनस्याम गोविदराम दुसेज श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रम्वितीकुमार नाबू लाल शहा और श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 बिन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यविषयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिहत बयुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरों।

स्वड्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

≢नुसुची

प्लैंट नं० 19, शंकर महल को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी सोफिया कालेज लेन, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11161/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सक्षायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 2-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुधमा भारत बरकार

कार्यावव, सहायक वाष्ट्रकर जाण्ड्रकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-6, बस्बई

बम्बई, विनांक 3 जुलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-38/ईई/13578 86-87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एस परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित शामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

पलैट नं० 3, 5वी मंजिल, नवदर्यामहल को-म्राप० •हाउसिंग सोसायटी लि०, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणत है) घौर जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धार 269क,ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफक्त के निए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल र एसे स्थमान प्रतिफल के पंचह प्रतिकत सं मिश्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के सिए तब पाया ग्रथा प्रतिफल, निम्निसित उद्योग्य से उच्च अंतरण विविद्य में वास्तिक रूप से कार्यत भहीं किया ग्रथा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिप्; कॉर/या
- (क) देशी किसी साथ वा किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के एक्का सिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना खाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिसिस व्यक्तिस्यों, अर्थातः :— (1) दीः मोरारजी गोकुलदास स्पिनिंग एण्ड वीविंग कं० लि०

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री राजेन्द्र केशरदेवगुप्ता, श्रीमती बीनादेवी राजेन्द्र श्री हेमन्त कुमार राजेन्द्र गृप्ता (माइनर) श्रौर श्री शरव कुमार राजेन्द्र गृप्ता (माईनर) . (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरको । . १(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जार्यशिक्ष्यां करता हु।

नवत संपत्ति को नवन को संबंध को काहि भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की व्यक्तियों को भी जबिंध को मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विक्री व्यक्तियां त्यार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अधी होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

धनुसूची

फ्लैट नं० 3, 5वीं मंजिल, नक्ष दर्यामहल, को-ग्राप० हार्डासग सोसायटी लि०, 80, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37-ईई/11141ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रैजैन रेंज-1 बग्र

दिनोक: 3-7-1987

प्ररूप गाइ . टी . एव . . रह . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निट्टश सं० श्रई-1/37-ईई/13579/86-87—-श्रतः मुझे, पी० एत० बसल

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके प्रकास 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. चिसका उचित वाकार मृख्य 5.,00,000//- रु. से अधिक है

5.,00,000//- रा. सं आध्या ह श्रीर जिसकी सं ज्येट नं 2, पहली मंजिल, यून्टि नं 5, जान्सलर कोर्ट, प्लाट नं 88, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित हूं (श्रॅंप इससे उपाट इ श्रनुसूची में श्रॅप पूर्ण रू से वित हूं) श्रीर जिस्ता करारामा श्राय्य श्रिक्ष श्रिधियम 1961 की धारा 260क, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 25-11-86 का प्रवेक्त मपित के उचित बाजार मृस्य सं क्षम के दश्यमाम श्रीत्रक के लिए अन्तरित ही गर्द हैं और मुक्ते यह विकास कंदने का कारण हैं कि सथा प्रवेक्त सस्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक हैं और अन्तरण के लिए तम राया प्रतिकल निम्निनिश्वत उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उन्न विचने में सुनिधा के लिए; और/या,
- (क) 'एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विंगा के सिश्हे

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पदम कनोडिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कनोडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त र असि के कर्षन के सबंध में कोई भी बाबोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील के 30 दिन की मनिष, को जी बचिष वास में सवापत होती हो, के भीतर प्रविच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुवता के शा तल में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पाष निवित्त में किए वा सकीं।

स्पन्धीक्षारणः ---इसमा प्रमुक्त शब्दी अरि धरी का, आ तक्का अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषिर हो, वहीं कर्ष राम, में यन अध्याय में विश्वा

मन्सची

फ्लैंट नं० 2, पहली मंजिल, यूनिंट नं० 5, चान्सलर कोर्ट, प्लाट नं० 10/88, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि आई-1/37ईई/11174/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रीन रेंज-1, बम्बई

वित्रांक: 3-7-1987

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/13592/86-87—ग्रतः मुझे, पी० एन० वंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 24, जो 2न मंजिल, ग्रीर एक श्रोपन कार पाकिंग स्पेस जो तल मालेपर, ग्रजय इमारत, 25, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं, श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर यिक्षियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वदेय से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) डॉ॰ रतनलाल एच॰ कालरो और श्रीमती ज्योति ग्रार॰ कालरो।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम एल० हमिजा।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धः करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 24, 2री मंजिल, और एक श्रोपन कार पाकिंग स्पेस जो तल मालेपर, झजय इमारत, 25, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कि सें ग्रई-1/37-ईई/117086-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंमल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13593/86-87—-श्रतः मुझे, पी० एत० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000%/- रु. से अधिक हें

ग्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 22, जो 2री मंजिल, ग्रीर एक कवर्ड गैरेज नं० 7 जो तल मालेपर, ग्रजय इमारत, 25, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-तियम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-11-86

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचितः बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः :---

(1) श्रीमती यबीना श्याम मीरचन्दानी।

(ग्रन्तरक)

(2) डॉ॰ रतनलाल एच॰ कालरो और श्रीमती ज्योति ग्रार॰ कालरो।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितियो।

(वह व्यक्ति, जिल्के ग्रधिभोग मे संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजयत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयामा शब्दी और पदो का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 22, 2री मंजिल, ग्रौर एक कवर्ड गैरेज नं० 7 जो तल मालेपर, श्रजय इमारत 25, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंगा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/11171/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० 'बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 3-7-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अस्थिनियम, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

श्चर्जन रेंज-1. बम्बर्ड

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13601/86-87—ग्रनः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जि की सं० फ्लैट नं० 304 श्रीर 305, 3री मंजिल, वेनहर श्रपार्टमेंट, 32 नारायण दाभोलकर रोड, श्राफ नेपियनमी रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इ से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जि का करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी है कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-86

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्षे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित मही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्तत अधिनियम क्रो धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री यत्त पोलिटैक्टाइल्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स डायनामिक इंटरप्राइजेज।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— ५ममो प्रयुवत शादा और पदा का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होग की उन प्रध्याय मो किया गया है।

अनुसूची

गलैंट नं० 304 श्रौर 305, 3री मंजिल, 32, बेनहर श्रपार्टमेंट, नारायण दाभोलकर रोड, श्रॉफ नेपियनसी रोड, मलाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है

अनुसूची जैंग कि ऋ० स० ऋई-1/37-ईई/11174/ 86-87 और जो ाक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-7-1987

ोहर :

शक्षण काह⁴.टी.डर एस . --- -----

बारकर बहैपरिषय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, बहायक भाषकार नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुमाई 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13604/86-87--श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्थित बाजार मुख्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट न ० 5, 8वीं मंजिल, सूरज हमारत, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन,अम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

को प्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान अतिफल के लिए बंतरित की नहीं है और कुओ वह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार धूम्ब, अधके क्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्यसान प्रतिकत्त्र का निक्क प्रतिकत से अधिक ही और कन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाना गया प्रति-फल, निम्निलिवित उद्वेश्य से उक्त आख़रण लिचित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया नवा ही हन्त

- (क) वन्तरण से हुन् किसी बाग की गावस, अवस वृत्तिवृत्तिक्ष विश्वास कर दोने के वृत्तासक को सामित्व में कमी करमें या अससे वजने हैं। सृत्तिका के दिएए: बॉक्ट/मा

नतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीतिचित व्यक्तिवाँ, वर्षात् क्र~~

- (1) श्री एम० ग्रार० और डी॰ ग्रार० ठक्कर। (ग्रन्तरक)
- (2) हंसा बिपिनचन्द्र शहा और संदीप बिपिनचन्द्र शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तत्करभ में कोई-भी वालेप ह—

- (क) अस ब्रुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की शर्वीय वा तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर श्वाम की तामीन से 30 दिन की श्वीय, यो जी स्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका स्वित्यों में से किसी स्वित्त श्वारा;
- ्रैंकों इस ब्रांचा के रावधन में प्रकादन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तवव्ध किसी नन्य व्यक्ति वृदारा वशोहस्ताकरी के पात निवित में किए वा सकेगे।

नमृज्जी

प्लैट नं० 5, 8वीं मंजिल, सूरज इमारत भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/11165-ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 25-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

सामग्रहर वर्रिनविषया, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) की संचीत स्थाना

भारत सर्वार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ज्लाई 1987

निदेश सं० भ्रई-1/37-ईई/13605/86-87—-ग्रत. मुझे, पी० एन० बंसल,

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 7वीं मंजिल, सूरज इमारत, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इस ने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 25-11-86

को पूर्वेदित संपरित के उचित बाजार मंल्य से कम के रहयमान एकिक के सिए बन्दरियों की पर्द और मुभी यह जिल्लास महत्वे अर कारन में कि वयापूर्वोच्य सम्परित का अभित बाजार मृत्य, उच्के क्रयनान प्रतिषक में, दोने स्त्यमान प्रतिपक्त का पन्छा प्रशिक्त से विच्छ हैं कैंद नम्परक (बन्दरकों) केर बन्दरिकों (बन्दरियों) के कैन एोटे सम्बद्ध से विद्यु तम सन्त क्या प्रतिचक निन्दितिक स्वयंत्रम से उनक बन्दर्भ सिवित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभिन्नसम्बद्ध वाचीत कर क्षेत्र वी अन्तरक वी निवास में क्ष्मी अर्थ वा श्वात क्ष्म में लीवक के सिवा; व्यार/वा
- (ख) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्राप्त-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या धिया कीना वासिय था स्थान में अधिका की प्राप्त

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु हि—

- (1) श्री एम० म्रार० और डी० म्रार० ठक्कर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेनू मोहता और श्रीमती मिनाक्षी मोहता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाकिया कृष्य करता हो।

जन्म सम्पत्ति के जजन के क्वजन्य में आंडे शकांप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन की अभी था तरकस्वन्ती व्यक्तियों पद सूचना की ताबीक से 30 विन की खबी थे. को भी क्षी था में सजाप्त होती हो, के भी पर प्रकाश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संस्थित में हितबब्ध किया अपन्य स्थायत संस्थित में किया स्थायत संस्थित में किया का स्थाहम्लाकाड़ी के पास त्यां अपने में किया का सर्वों है

स्वकार्यक्षाः ---इसमाँ प्रयुक्त कर्म्यं बीर पर्यो का, जो कन्छ अधिकाय से क्यांच 20-क माँ परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होता, यो उन कम्माय मीं किया भ्या हाँ।

अम्स्ची

फ्लैट नं० 4, 7वीं मंजिल, सूरज इसारत भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11165-ए 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आहू⁵.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/13607/86-87--श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, तल माला, ओम गंगा . इमारत, वालकेश्वर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रौतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्ल्थ, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख़) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :------176 GI/87

(1) ओम बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री रतनचन्द लक्ष्मीचन्द पात्रीख और अन्य (श्रन्तिरती)
- (3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुभ किसी अन्य व्यक्ति वृकारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 2, तल माला, ओम गंगा इमारत, वालकेश्वर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० भ्रई-1037-ईई/11178/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां कः 6-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहामक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं० मई-1/37-ईई/13609/86-87--- म्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 221, 22वीं मंजिल, श्री ओम सदन इमारत, नारायण दाभोलकर रोड, मलाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-87

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह बिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय गा भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा- के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (१) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री धोम प्रकाश नवानी और फूल ओम प्रकाश नवानी। (ऋषि गगन ट्रस्ट के ट्रस्टीज) (भ्रन्तरक)
- (2) तेमोथी पी० डिसोजा और मार्गरेट टी० डिसोजा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध,, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पर्लंड नं० 221, 22वीं मंजिल, श्री ओम सदन इमारत, नारायण दाभोलकर रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/1173/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश स० अई-1/37-ईई/13610/86-87-अत: मुझे पी० एन० बसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 222, 22वी मंजिल, श्री ओम मदन इमारत, नारायण दाभोलकर रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी**ख** 25-11-86

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यसान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए, और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियें को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:--

- (1) ओम प्रक्राण नवानी और फुल ओम प्रकाण नवानी। (ऋषि गंगन ट्रस्ट के ट्रस्टीज)
- (अन्तरक) (2) मार्गरेट टी० डिमोजा और ललित टी० डिसोजा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गाया है।

अम्स्ची

फ्लैट नं० 222, 22वीं मंजिल, श्री ओम सदन इमारत नारायण दाभोलकर रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11177-ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांश द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

_ुनांक: 6-7-1987 ^{≱ ⊸} मोह्रः

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.,-----

का प्रकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काश्याभिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1,987

निदेश सं० -अर्ह- 1/3 7-ईई/13611/86- 87---अतः मुझे, पी०एन० बंसल

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं र और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तल माला, निर्मानाधीन इमारत "ओम गंगा", वालकेश्वर, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनाम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सद्भाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86

के कायालय में राजस्ट्रा ह, दिनाक 25-11-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
गंद्रह प्रतिकान में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व के कभी करने या उससे वजन में स्विधा के लिए; आर/मा

अत. अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण कैं, सैं, लफ्त अधिनियम की धारा 269-ल का रूपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अधीन:—

(1) ओम बिल्डर्स प्राईबेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन चन्द एल० पारीख, नितिन आर० पारंख, सागर नितिन पारीख समीर एन० पारिख, आणिष एन० पारीख और श्रीमती कल्पना एन० पारीख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शच्चा की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संयाद्य होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा अर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया गैंका हैं।

अन्स्ची

पलैट नं 1, तल माला, निर्माणाधीन इमारत "ओम गंगा", वालकेण्वर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11179/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामकर मामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987 निदेश सं श्रई-1/37-ईई/1312/8:-07

पी० एन० बंसल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/⊱ रु. से अधिक हे

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, 2री मंजिल, न्यू डिलक्स को-ऑप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, 664, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर्र अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, दिनांक 25-11-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण स हुई किसी भाग की बाबत, 'अभिनियम के अधीन कर पोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नार/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का । 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधाके लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्तलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री बलदेव एस०

(अन्तरक्)

- '2) मैसर्स श्री दुर्गा इंडस्ट्रियल कन्टोल्स प्रा० लि० (अन्तरिती)
- (4) बरोडा रेयान कार्पेरिशन लिमिटेड (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को भह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ध भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचाना के राज्यक में प्रकाशन की तारीचा 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी अयक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्धया 🕫 ।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 13, 2री मंजिल, न्यू डिलक्स को-ऑप० हाउमिंग सोमायडी लि॰, ६६४; अल्टामाउन्ट रोइ, ब्रम्बई -26 • में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/3-**ई**ई/11180/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 6-7-1987

प्ररूप बाई., टी., एन अ एड.

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत सरकार

कार्यायन, बहुायक नामकर नामृत्य (निर्देशकरे

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/13631/86-87--अतः मुझे, पी० एन० बंसल, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसके परवात् 'उक्त व्यथिनिय्म' कहा गया है')., की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह*ं* से **अधिक ह**ै और जिसकी सं० फ्लैट नं० के -3, ब्रीच केडी अपार्टमेंट्स 11वीं मंजिल, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इस ये उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि ग्रथाणबोक्त संपत्ति का तिवत मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के

गन्बह प्रतिकास स विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

करतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ

यामा गया प्रतिफल, जिन्नलि**सित उद्देश्य में उपन करनरण** विकास के सम्मार्थक क्यांक्षीयन मही किया **गया हैं :--**--

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत. इक्स अधित्यम के अधीन अर दोने के बन्तरक बी रायित्न में कमी करा, या उससे बचने में सुविधा के जिल्ह, बॉट/का
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आकर निर्मानयम, 1922 (1022 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-५२ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना साहिए था, क्रियाने से सुविधा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती चन्द्रा जी० अडवानी।

(अन्तरक)

(2) भिखुभाई के० पटेल और श्रीमती मणिबेन बी० पटेल।

(अन्तरिती)

(3) मफतलाल डाइंज एण्ड केमिकल्स लिमिटेड। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ते संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतिर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास विकास में किए जा सकतेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

erre A

फ्लैंट नं० के-3, ब्रीच कण्डी अपार्टमेंट11वीं मंजिल, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/11187/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन०बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-7-1987

मोहरः

एक्ष् बाहें . दी . यह . एक . ------

श्राधकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की णरा 269-प (1) के सभीन स्वता

THE STATE

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/13641/86-87---श्रतः मुझे पी० एन० बंसल

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्सम इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के प्रधीन सभग प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज फ्लैट नंज 62, 62ी मंजिल, ग्रौर गैरेज नंज 7, मिस्त्री पार्क, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलय में 0 रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-86

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान एतिकल के सिए अन्तरित को अर्थ हैं और बृदे यह विश्वार कारने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित अंजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्दृह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (क तरकों) और अन्तरिती (वंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लए तय पाय क्या प्रतिफल, निम्निविधित उद्युवक से उनत अन्तर्य निधित में इतिकल मय है किया नहीं किया गया हैं --

- ्ह) अन्तरण सं हाइं किसी मान की सबस, उक्त करियागदार, के गाँच रहे की गाँच वाधिस्य में कभी करने या उत्तसे मचने में स्विधा से लिए; बीर/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:—

(1) श्री प्रदीप दिस्कर अमीन स्त्रीर श्रीमती कीर्ती प्रदीप स्रमीत।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री भ्रानन्द पी० गुप्ता, श्रीमती मधु ए० गुप्ता राहुल ए० गुप्ता भ्रीर रोहित ए० गुप्ता। (भ्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को वह सुचना जारी करके पृश्वीकर प्रथ्यति को ल्डन के लिए आर्यवाहियां सुक करता हु"।

उपत सर्पास के सर्वन के सम्बन्ध में की हैं भी बाक्षेय --

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीक्ष हैं
 45 दिन की जबिंद या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
 कृषना की नामील से 30 दिन की बबीध, को श्री
 बबीद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रमोदन
- (क) हम ब्रममा के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 किया के क्षीवर क्या स्मादर सम्मास्य में हितवक्ष क्षिती क्षम्ब स्मातिक क्षारा सभाहस्ताकड़ी के गान जिसका में किए जा सकी में।

हमक्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का. जो उक्त विशिवसम, के बच्चाद 20 हा दौरम्मापित है, वहीं अर्थ द्वीया, तो एन सकार दक्षित

मन्स् भी

पलैट नं० 62, 6ठी मंजिल, मिस्त्री पार्क, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 जो गैरेज नं० 7 के साथ स्थित है। ग्रमुसूची जैसा बिक क० सं० ग्रई-1/37-ईई/11192/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि-गक 25-11-1986 को रजिस्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्रकष् आई. ही. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारः 269 व (1) के सधीन स्पना

शहरत क्षात्रार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, वस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदेम सं० ग्रई-1/37-ईई/13642/86-87—श्रतः मुझे, पी० एन० बंसल क्ष्मारू अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस्से कसरे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक 'उक्त अधिनियम'क हा नया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मृल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं 5 शेश्रमं जो, पलैट नं 62 में, जो माउण्ट यूजिक को-श्राप हाउसिंग सांसायटी लिं , 62-ए पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर है श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीत बम्बई स्थित सक्षम श्राधिशार के कार्यालय मे रिजिस्ट्री है तारीख 25-11-86 की पूर्वेश्य संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के अश्रमान श्रीराफल के लिए अलिरत की गई है और मूओ यह विश्वास करने का करण तै कि यथापूर्वेस्ट संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिकल का पन्सह मिलान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए त्र पावा गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्योदय से उसत अन्तरण निवित में वास्तिकरूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अंधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए। किया जाना श्रीहिए था, कियाने कें स्तिथा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती चितामणी नेमकुमार पोरवाल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विमल भगवान दासं शहा। (भ्रन्तचिती)
- (3) अन्त एक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकावन की तारी कर्त की अनिय मा तत्वं ती स्पनित की अनिय मा तत्वं ती स्पनित की अनिय में भी स्पनित की की सिर्मा की तामील से 30 दिन की अनिय में भी अनिय मां सभापत होती हो, के भीतर प्रनित्त का स्पनित में से किसी स्पनित कुलाश:
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध अदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगां जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन् सुची

5 शेम्रर्स जो फ्लैंट नं० 62 में, जो, माउण्ट यूनीक को-स्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 62-ए पेडर रोड, बम्बई-26 मे. स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रर्झ-1/37-ईई/11193/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बंबई

दिनांक: 3=7·1987

माहर:

त्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 ज्लाई, 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-६ई/13644/86-87—यतः मुझे, पी० एन० बंसल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन के साथ मेस्युज, टेनामेंट्म श्रीर हाउसेस जो पेडर रोड के वेस्टर्न साइड जिसका सी० एस० नं० 706(श्रंण) (श्रव 706ए श्रीर 706 वी), बलाबार श्रीर खंबाला हिल डिवीजन, वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-11-86

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अभित्:——
15 — 176 GI/87

(1) श्री एन्थनी पट्टिक लेविस।

(श्रन्तरक)

(2) अरीहंत इंटरप्राईज।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक श्रौर भाडुत।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी स्थित्तयों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की जबीध, जो भी अनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ मेस्युज, टेनमेंट्स श्रीर हाउसेस, जो, पेडर रोड के वेस्टर्न साइड, विस्तार 898 चौरम यार्डस तथा 757.65 चौरस मीटर्स है श्रीर जिसका सी० एम० नं० 706 (श्रंष) (श्रव 706ए श्रीर 706मी)-मलबार श्रीर खंबाला हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्रई-1/37-ईई/11194/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० ब[°]सल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, **बम्बई**

दिनांक: 6-7-1987

प्र**क्ष भार्त . ज**ु एन<u>ः, एत</u> ु --------

बावकर वर्टिंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

शारत चरकार

कार्यांसय, तहायक बायकर बाव्यत (देनरांसक)

मर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदश सं० प्रई-1/37-ईई/13648/86-87—यतः मुझे, पी० एन० बंसल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृज्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैट नं० 41, 4थी मंजिल, गुलिस्तान इमारत, कारमायकेल रोड, बम्बई 26 में स्थित है (धौर इस से उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) धौर जिसका करारनामा आयकर धिधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के धिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-86

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाचार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे स्त्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय नाया गया प्रतिफल, जिम्लील्डित उच्चेच्य से उच्च जन्तरण लिखित में वास्तीवक कप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिबी बाव की बावतं , ठवल वर्डिश्चितवं के वर्धीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जोर/या
- (च) एसी किसी जाय वा किसी थन वा अस्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी वृकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता ;---

- (1) श्री रशीद ग्रलीखान ग्रौर श्री दिनियार ग्रलीखान (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गिता एस० गोगिया। (म्रन्सरिती)

को महा सूचना जारी कर्के पृत्रोंक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप म---

- (क) इस तुषमा के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों प्रक्षे सूषमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (अ) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निविद्य में किए वा सकोंने।

स्वकातिकरणः — इतमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिन नियम के वध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गृया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 41, 4थी मंजिल, गुलिस्तान इमारत; कारमाय-केल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/111865-ए/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, बम्बद्ध

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप बार्ड हो एन एस :-----

आयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेदेश सं० अई-1/37-ईई/13650/86-87—यतः मुझे, पी \times एन \times बंसल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्तास कड़ने की कार्यक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाबाद नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 82, 8शें मंजिल, मिस्त्री पर्क 77, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुइ किती आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के झिंबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वैवधा के निष्

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भगवानीबाई जेसूमल मेहता। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कल्पना भरत विभाकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्त सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- [(ब)] यस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्रेग है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 82,8वीं मंजिल, मिस्त्री पार्क, 77,भुवाभाई देसाई रोड, बम्बई, 36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-1/37-ईई/11198/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पीऽएन० बसल सनागत्येकारी सहायक आयकर आयक्त (ीर नग) अर्जा के I बस्पर्व

दिनांक: 6-7-1987

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निदश सं० अई-1/37-ईई/13651/86-87—यतः मुझे, पी० एन० बसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्यन्तैट नज 1, नल माला, प्रभू कुटीर, अल्डा-माउण्ट रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिमाँक 26-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उधित बोजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बोजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल संएसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उधत अन्तरण लिखित म बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन मा अन्य आस्तिबों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) राजा अइदेरी कन्सल्टटेंट्स प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री रेशद चेस्सन, श्री बोमी ई० चेस्मन, और कुमारी रुक्साना मिस्त्री।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरित्तियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर स्चना की तामील से 30 दिन की उविध, धा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिस्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः ---इसमा प्रय्वत शब्दो और पदो का. जा उत्थत अधिनियम की अध्याय 20-क मे परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं 1, तल माला, प्रभू कुटीर, अल्डामाउण्ट रोड, बम्बर्ड में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-1/37-ईई/11199/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-196 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निर्देश सं अई-1/37-ईई/13652/86-87—अत,: मुझे पी एन बंसल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 41, 4थी मंजिल, मिस्त्री पार्क अनेक्स, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-1986

को पृत्रोंक्स सम्प्रीत्त के दिश्व बाधार बृष्य से कम के इसकान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से कथिक है बौर बन्तरक (अन्तरकार) कौर बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के विश् तब पाया गया प्रतिफल, न्मिनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व ने किसी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी थन वा बन्य वास्तियों की पिन्हें भारतीय जावकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, वा भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किशा जाना जाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, भीं, उपत अधिनियम की भारा 269-व की लपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ! (1) श्री रेशद बी० चेसन और अन्य।

(अन्तरक)

(2) देसाई स्टील्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इव सूचना के ट्रावपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्थाव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं ० 41, 4थी मंजिल, मिस्त्री पार्क अनेक्स, भुलाभाई वेसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11200/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1986 को रजिस्टर्ड किया है।

पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निर्देश सं अई-1/37-ईई/13667/86487---यत:, मुझे, पी० एन० बंसल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं 3, 3री मंजिल, मित्र कुंज, जी देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान भृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का रन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बादित्व में कमी करने वा उसमें वचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत स्थायितयों, अर्थातः— (1) श्रीमती स्वर्णा श्रिजमोहन कपूर और श्रीमती प्रवीणलता महेंद्र कपूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा विग, श्री अनिल विग, श्री मनिल विग और श्री सुनील विग।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भासर उक्त स्थान्त सम्पृत्ति में हिस्बहुव किसी सम्य व्यक्ति वृतास स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान स्

साष्ट्रीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 3, 3री मंजिल, मित्र कुंज, जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संठ अई-1/37-ईई/11204/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 26-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंमल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

भिनांक: 3-7-1987

प्रथम बार्च . ही . दन . एत ु सन्तरकार

बायकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन क्षमा

BIST STATE

कार्यक्षर, बद्धावक शासकर गाव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश संब्झई 1/37 ईई/13679/86 87——मृतः मुझे पी० एन० बंसल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विकास कड़ने का कारल है कि स्थावद सम्पर्धित, विक्रका स्वित वाचार न्वव 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 51 है तथा जो 5वी मंजिल मोनालिसा इमारत, बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय लय में रिजिस्ट्री है,तारीख 261186

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूस्य से कम के अध्यान प्रतिकल के निए जन्तरित की पह हैं जौर मुक्ते वह विश्वाच मुखे धह विश्वाच करने का अध्याच है कि वध्याच मुखे धह विश्वाच करने का अध्याच है कि वध्या पूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके अव्याच प्रतिकल से, एसे उस्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से व्याचक हैं और जन्तरक (जन्तरका) जौर जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्नीकिय उद्वेषस्य से उसत अन्तरण निवत में वास्त्विक क्य से काजित नहीं किया गया हैं कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनक अधिनियम के जभीन कर घेने को अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीवित व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) श्री नरेन्द्र शंकरलाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नंदलाल बी० सेहजवानी भ्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रन्यरका

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्वना चारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाश्चित्र करका है।

उपत करतित भी भवत में तस्थान में कोई भी बाली ह---

- (क) इस ब्यान के राजपन के प्रकारन की शाद्धीय से 45 दिन की नगीय ना सरकारनाथी व्यक्तियों जर बृत्यक की साबीत से 30 दिन की अविष, जो की नगीय वाद में सभाष्य होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (व) इस कुकता के राजपण में प्रकाशिक की तार्रीक के 45 दिन के मीत्र उक्त स्थायर सम्बक्ति में दिल-वर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकारी के वाद विविध में दिवर का बकोंने श

स्पष्टीकारण .— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वृधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्ष क्षेत्रा को उस अध्याद में विदा नवा हैंंग्र

नगृत्यी

प्लैंट नं॰ 51, 5वी मंजिल, मोनालिमा इमारत, बोमणजी पेटीट रोड, बण्बई 26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई 1/37 ईई/11221/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 26 11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन**० बं**सल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, **बम्बई**

दिनांक. 6-7-1987

मोहरः

प्राक्तप आहें .डी .एप . एवं , हालका क्रांक

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के सधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1 जम्बद

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई 1/37 ईई/13680/86-87—ग्रतः मुझे पी० एन० बंसल,

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पर्लंट नं बी 252, ग्रैण्ड पराडी को-श्राप हार्जीमंग मोमायटी लि 25की मंत्रिल, श्रांगरूट, कालीमार्ग, दाद्री गेठ हिल, बम्बई 36 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई रियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टंर है तारीख 26-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वितिष्कस के लिए अन्तरित की गई और मृद्धे यह विद्याद्ध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का दृन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देष्य से उसत अन्तरण मिश्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कवा गया है कुन्न

- (क) अन्तरक से हुई कियों भाग की वायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दानित्व में कमी कुड़ने या उत्तरें वचने में सुनिधा के लिए; औड़/वा
- [र्ट्स फिसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, का धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा वी किखु;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविद्या व्यक्तियां, अधीत् प्र—— (1) श्रीमती बीना भरत पटेल श्रीर श्री भरत लालभाई पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रजय गुलाब राय गांधी श्रौर श्रीमती श्रारती ग्रजय गांधी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों श्रोर परिवार। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

कार् वह बूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति वें वर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनतः राज्यितः में मधीन के संबंध में कोई श्री बार्सप 🖦

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी अमेक्सिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्थि में से किसी अमूक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किए-क्व्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदी का, जो उक्त महिमानियम, के बन्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्थी

प्लैट नं० बी-252, ग्रैण्ड पराष्टी को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 25वीं मंजिल, भ्रगस्त कांति मार्ग दादी शेठ हिल, बम्बई 36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० घई 1/37-ईई/11212/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1986 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बंबई

दिनांक: 3-7-1987

प्रकार नार[®]् दर्ती. प्रच_ा प्रकृ∑ = ल अ लक्ष्म

वायकार विभिन्निसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जो सभीत सुवता

बारत सहस्रार

अर्थानय, समायक नायकर नायक्त (निरोज्ञाण) अर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई दिनार 3 जुलाई 1987

निदेश स० भ्रई-1/37-ईई/13698/96-87—-भ्रत मुझे पी० एन० बसब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्नैट न० 3-बी 3थी, मजिल श्री विजय भवन, 2-बी, श्रल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 2697, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-11-86

का पूर्विनित संपरित के अचित नाजार मूल्य से कम के स्वयान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विज्ञत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का यम्द्रत प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिन् तय वावा ज्या प्रतिफल, निक्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में स्वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी साव की वासक, अवध अधिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिसी द्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, जिन्म के स्विधा के सिए;

(1) श्रीमती श्राशा मिश्रा।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीमनी चान तेजिन्दर सिह ।

(अन्तरिती)

(3) भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षोग में सपत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके अवैनित सम्पत्ति के अर्चन के सिथ् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

ं उपना कम्मति के वर्षन के बन्ध में कोई भी नार्कीय 🏗 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स स 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारी।

स्यच्छीकरणः --- इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहाँ अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैंट नं० 3-बी, 3री मजिल, श्री विजय भवन, 2-बी ग्रस्टाम्नाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० प्राई-1/37-ईई/11223/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिवाक 27-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० बंसल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेज-1, बस्बई

विमांक: 3-7-1987

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

Control Variation in the supplier and the Professional

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 अम्बर्ड ु बम्बर्ड, विनांक 6 जुलाई 1987

निदेश स० श्रई-1/37-ईई/13708/86-87—श्रतः मुसे पी० एन० बंसल

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

श्रीर जिसेकी संकपलैंट नंक 403 है, तथा जो अथी मंजिल पराग अपार्टमट को आंप हाउसिसोमायटी लिक्पेंडर रोड, बस्बई -26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 2695,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1986

, क्षे पृथाँ क्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्स्समान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्स्समान प्रतिकाल से एसे दक्षमान प्रतिकाल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकात, निम्निलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण किया गया है :---

- (क) अक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) अहे अधीग, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मदनवन्दं सी० पारीख श्रीरश्री निहालचन्द सी० पारीख ।

(भ्रन्तरक) 🦠

(2) श्री राजेन्द्रकुमार एन० ग्रग्नवास।

ग्रन्तरिती)

की ग्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकरें।

स्पक्तीकरणः — इ.स.मं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन संची

फ्लैंट नं∘ 403, 4थी मंजिल पराग, पराग श्रपार्टमेंट्स को-म्राप० हार्जिसग सोसायटी लि॰ पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/11224/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारीं बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल , सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक : 6-7--1987

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 23rd June 1987

No. A. 12022/1/87-Admn. II.—In pursuance of the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, O.M. Mo. 5/5/87-OL (S), dated the 15th May, 1987, Dr. Parmanand Panchal, Deputy Director of Central Secretariat Official Language Service is appointed as Director (Official Language) (Group 'A' Gazetted of CSOL Service) in the pay scale of Rs. 3700-125-4700-150-5000 in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis w.e.f. 15-5-1987 to 30-6-1987 or until further orders whichever is earlier.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) for Chairman

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 30th June 1987

No. 3/12/85-ADM. I. Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri S. A. Khan, IPS, (HAR: 70) Principal, CDTS, Chandigarh, as Deputy Director, Bureau of Police Research & Development, New Delhi, in the scale of pay of Rs. 5100-150-5400 (18th year of later)—150-6150 plus special pay of Rs 400/- p.m., w.e.f. the afternoon of 12th June, 1987 for the remaining period of his Central deputation upto 17th May, 1990.

R. S. SAHAYE Dy. Director (Adm.)

DIRECTORATE GENERAL C.R.P.F., M.H.A.

New Dolhi-110003 the 3rd July, 1987

No. D.I-46/87-Estt-I—Services of the following officers are placed at the disposal of C.I.S.F. on depotation basis from the date as noted against each:-

1.Shri A.J. Panekulam, Vice Principal	13-6-87
RT C-JI, CRPF _ ´	(AN)
2. Shri S. K. Yadav, Second-in-Command	20-6-8
9th Bn., CRPF	(AN)
3. Shri V.P.S. Panwar, A-Commandant	20-6-87
86th Bn. CRPF	(AN)

KISHAN LAL, Dy. Director (Estt)

New Delhi-110003, the 7th July 1987

No. O. II-2245/86-Estt. I.—The President is pleased to relieve Dr. Arun Prasad, General Duty Officer Grade-II off Group Centre, CRPF Mokamehghat with effect from the afternoon of 19th June, 1987 on expiry of one month's notice under Rule 5 (1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 8th July 1987

No. O. II-2189/86-Estt. I.—Consequent on his repatriation from Goa Police, Shri R. S. Negi, Dy. S. P. reported in 53 Bn. CRPF on the forenoon of 27-6-87 alter availing 45 days Earned Leave and 12 days joining time w.e.f. 1-5-87.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Last)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th June 1987

No. E-16014 (2) /5/87/Pers. I.—On appointment on deputation, Shri Ramesh Chandra, Ashit. Comdt, CRPF assumed

the charge of post of Comdt, CISF Unit, MPT, Goa with effect from the forenoon of 6th June 1987.

The 3rd July 1987

No. E-16014 (2)/3/81-Pers. I.—President is pleased to promote Shri M. S. Rana, AIG/R&S, CISF Hqrs., New Delhi to the rank of Deputy Inspector General in CISF Hqrs., New Delhi w.e.f. the forenoon of 23rd June, 1987 in the pay scale of Rs. 5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150/- without special pay.

The 7th July 1987

CORRIGENDUM

No. E-16013 (2) /9/87-Pers. I.—In modification of notification of even number dated 7th May, 1987, Shri M. Mohan Raj, IPS (A&M:, 75) assumed charge of Commandant in CISF Hqts., New Delhi w.c.f. the forenoon of 16th April, 1987.

No. F-16013 (2) /9/84-Pers. I.—President is pleased to promote Shri S. C. Avasthy, IPS (WB: 70), presently working as AIG/I&P, CISF Hqrs., New Delhi to the rank of Deputy Inspector General in CISF, in the pay scale of Rs, 5100-150-5400 (18th year or later)-150-6150 with effect from 24/6/87.

2. Shri S. C. Avasthy, IPS (WB: 70) has assumed the charge of the post of DIG, CISF Unit, BSL Bokaro at CISF Hqrs., New Delhi w.e.f. 24/6/87 FN.

The 8th July 1987

No E-16014 (2)/11/87/Pers. I-1196.—On appointment on deputation, Shri V. P. S. Panwar, Asstt. Comdt, CRPF assumed the charge of the post of Commandant (Tig) in CISF Hqrs., New Delhi with effect from the forenoon of the 1st July 1987

The 9th July 1987

No. E-16014 (2) /9/87-Pers. I./1195.—On appointment on deputation Shri S. K. Yadav, Asstt. Comdt, CRPF assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BTPS Badarpur with effect from the forenoon of 1st July, 1987.

DIRECTOR GENERAL/CISE+

MINISTRY OF FINANCE

DFPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 2nd July 1987

F. No. BNP/C/5/87,—Shri R. K. Rawal, Sectional Officer (Accounts) is appointed as Accounts Officer w.e.f. 20-6-87 (FN) on purely ad-hoc basis in the revised scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 (Group 'B' Gazeted) in the Bank Note Press Dewas (M.P.) upto 11-8-87 or till such time the post of Assistant Director (Cost) is filled up, whichever is earlier. This ad-hoc appointment does not confer any prescriptives right on the appointee for countinuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

M. V. CHAR General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 3rd July 1987

No. E-2/2247.—Shri K. S. Sani, Foreman (Elect.) is appointed as Assistant Engineer (Elect.) in the Scale of Pay of Rs 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500, purely on ad-hoc basis with effect from 4-5-1987 to 6-6-1987.

P. C. PANT Dy. General Manager

OFFICE OF THE

PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDITO-CENTRAL REVENUES

New Delhi-110002, the 7th July 1987

O. O. No. Admn./206.—Consequent upon attaining age of superannuation Shri Ramanand Bansal, an Audit Officer of this office will be retiring from Government Service w.e.f. 31-7-1987 (AN).

His date of birth is 12-7-1929.

O.O. No. Admn/207.—Consequent upon attnining age of suparanuation Shri Shyamlal Gupta, an Audit Office of this office will be retiring from the Government Service w.e.f. 31-7-1987 (AN).

His date of birth is 15-7-1929.

Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 2nd July 1987

No Admi. 1/O.O. No. 97.—The Director of Audit, Central Revenues-1. New Delhi hereby appoints Shri Ram Nath Arora, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Office.) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500/-(Revised Scale) with effect from the forenoon of 30th June, 1987 until further orders.

Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th July 1987

No Admn. I/8-132/87-88/DP No. 60.—Sii J. Varada-1ajan, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit) I. Andhra Pradesh, Hyderabad, retired from service on the Alternoon of 30-6-1987.

The 10th July 1987

No. Admn. I/From/8-132/87-88/DP No. 69—The Accountant General (Audit. I), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Asst. Audit Officer, officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 2,375-75-3.200-EB-100-3,500 with effect from the date noted against him until further orders.

Name & Date of assumption of charge

Sti M. V. Stinivasan-06-07-1987 F.N.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors if any, and is also subject to the result of the Writ Petitions in the AP. High Court/Supreme Court. He should exercise option with in one month of his date of promotion in terms of Govt. of India O M. No. F. 7/1/80-Estt (Pt. 1), dated 26-9-1981.

VIIAYA MOORTHY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I) KERALA

Trivandrum, the 6th July, 1987

No. Entt./1/10-3/87-88—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum, retired on superannuation from Government service on the dates noted against each:

Shri K. V. Mathai
 Shri C. K. Vasappan
 30-6-1987 (AN)
 30-6-1987 AN)

3. Shi S. Sankarasubramonia Iyer 30-6-1987 (AN)

Sd₁- ILLEGIBLE Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

 $(AUD\Gamma\Gamma)$: I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 19th June 1987

No. Admn. X1/G1. 1/Promotions/AO/79/140... In Partial modification of this Office Notification No. Admn. X1/G1.1/Promotions/AO/4 dated 8-4-1987, Shri Y. N. Sinha, Asstt. Audit Officer (S. No. 1) is promoted as Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from 30 1-1986 on a notional basis. (Authority: A. G. Audit): 1 Orders dated 3-4-1987).

R. C. GUPTA Dy. Accountant General, (Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I

ORISSA

Bhubaneswar, the 1st July 1987

No. 11.—Accountant General (Audit)-T Orissa is pleased to appoint the following Assistant Audit Officer's of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2375—75—3200—EB—100—3500/- from the date noted against each in accordance with the provisions of IA. & A.D. (Administrative Officer/Accounts Officers and Audit Officers) Recruitment Rules 1964. Their promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of their seniors.

- (1) Shri M. H. Elias Khan, Audit Officer—21-4-87 (A.N.).
- (2) Shri Mani Mukherjee, Audit Officer-16-4-87 (A.N.).

No. 17.—Accountant General (Audit)-I, Orissa is pleased to appoint Shri K. Natarajan, Asstt. Audit Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- with effect from 2-6-87 (F. No. 0. in accordance with the provisions of I.A. & A.D. (Administrative officers/Accounts Officers and Audit Officers) recruitment Rules 1964. His promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High court/Supteme court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of his seniors.

M. G. MHASKAR Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&C), WEST BENGAL

TREASURY BUILDINGS

Calcutta-700001, the 3rd July 1987

No. Admn. I/1038-XXI/714.—The Principal Accountant General (A&E), West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Shri Tapan Kumar Dutta-I, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity w.e.f. 24-6-87 (FN). of the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will subject to final decision of the Court case filed against the Union of India and others under CR case No. 14818 (W) of 1979

The newly promoted Accounts Officer will have to excise option within one month. On his promotion his pay shall be first fixed under FR 22C and in case he exercises option in terms of para 2 (b) of OM dated 28-9-81 within the prescribed period of one month, his pay should first

be fixed under FR 22(a) (i) w.e.f. the date of his promo motion and then FR 22C only w.e.f the date of next increment in the feeder post.

B. K. CHATTOPADHYAY Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

V. ANANDAN Director General

MINISTRY OF DEFENCE . INDIAN ORDNANCE LACTORIUS SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD Calcutta-700001, the 17th June 1987

No. 15/A/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. C. Bhattacherjee (Subs and Prat. C/M-II (NT) retired from service w.e.f. 30-4-87 (AN). Accordingly his name has been struct off from the strength of IOFS w.e.f. 1-5-87 (FN).

M. A. ALAHAN

Jt. Director (G)

for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-1, the 6th July 1987
No. 16/G/87.—On attaining the age of Superannuation (58 years) Shri P. K. Sinha, Offg Dy. Director (Subs. & Permt. Foreman) regred from service with creat from 30th June, 1987.

M. A. ALAHAN Jt. Director ((-)

MINISTRY OF COMMERCE .

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 2nd July 1987

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENI)

No. 6/1465/84-Admn.(G)/5768.—On attaining the age of superannuation, Kura. Z D'Cunha, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

No. 6/1537/85-Admn(G)/5775.—On attaining the age of superannuation Shii R. C. Bagla, Controller of 'Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Export, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

No. 6/1527/85-Admn(G)/5782.—On attaining the age of superannuation Shri R C. Bagle, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Fzports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1987.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATF GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700 001, the 6th July 1987

No Est 1/1(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt.1/1(1)85/24-41(W E.) dated 25-3-1987, Shri Kumud Ranjan Biswas, Permahent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of Three months with effect from 1-5-87.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE, INDUSTRIES)

New Delhi, the 6th July 1987

No. A-19018(825)/87-Admn(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri D. K. Gupta, as Hindi Officer at Small Industries Servce*Institue Jaipui with effect from the forenoon of 11-5-87 und further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADM-NISTRATION SECTION A-1)

New Delli the 29th June 1987

No. A-1/1(518).—The President is pleased to sanction the permanent absorption of Shri Devki Mohan, Director of Supplies (Gr. f of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals and at present on deputation to the Oil and Natural Gas Commission in the public interest with effect from the forenoon of the 8th July, 1985.

M. P. BANGA Dy. Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th July 1987

No A-19012(235)/87-Estt.A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri G. Siddaiah, Senior Technical Assistant, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the pos. of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24th June, 1987.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWS PAPERS FOR INDIA

New Delhi-110066, the 8th July 1987

No A-19012/3/87-Admn – Shri Narendra Lal Sah, Pay & Accounts Officer in the Office of Controller of Accounts Ministry of Food and Civil Supplies Department of Food is appointed as Circulation Officer in the Office of Registrar of Newspapers for India, New Delhi wef 12-6-87 (AN), on deputation basis.

2 The period of deputation of Shri Narendra Lal Sah will be one year in the first instance and during the said

period he will be governed by the terms & conditions contained in Ministry of Personnel & Public Grievance & Pension O.M. No. 6/30/86-Estt (Pay II) dated 8-12-86.

KIRPA SAGAR Registrar of Newspapers for India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 6th July 1987

No. DPS/D-7/Fstt/87-Adm/27591.—Consequent on his Voluntary Retirement Shri R. J. Dhond, Assistant Purchase Officer. Central Purchase Unit, of this Directorate has retired from Government service with effect from 01-07-1987 (FN).

No. DPS/41/16/85-ADM./27595.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shi P. P. Nair, a permanent Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-1 B-75-3200 from 02-05-1987 (FN) to 01-06-1987 (AN) in the same Directo-arte vice Shri S. Rangarajan, Assistant Accounts Officer granted leave.

The 7th July 1987

No. DPS/41/17/85-Adm/27656.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. B. G. Rao a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-1000-3500 from 02-05-87 (FN) to 12-06-87 (AN) in the same Directorate vice Shri K. C. S Pillai granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN

, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 7th July 1987

N.o. N FC/PAR/1501/1547.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad appoints the undermentioned officers of the Department of Atomic Energy in a substantive capacity in the grade of Asstt. Personnel Officer in the scale of pay of Rs, 2000-60-2300-ER-75-3200 with effect from 1st October, 1986.

S. No.	Name	Present Designation
1. S	hri I. V. Govindarajan	Administrativo Officer - II
2. Si	iri V. Balan	Administrative Officer - III
3. SI	iri T. L. Ramach indran	Assistant Per- sonnol Officer

GOPAL SINGH

Manager, Personnel Administration

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 1st July 1987

No. NPB/B(383)/85-Estt.I/5267.—ED (P&F) Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri D. P. Patil. Assistant Accountant of this Board as Assistant Accounts Officer in this Board with effect from the forenoon of May 4, 1987 to July 25-, 1987 (AN).

R. S. TALPAD-Asst. Personnel Officer for DD (P&F)

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE (Establishment Soction)

Trivandrum-695022, the 23rd June 1987

No. VSSC/Est/F/1(17)—The Director-VSSC hereby applints on promotion the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from the forement of April 01, 1987 and until further orders:

Sl.	Name	Division/
No.		Project
1.	Shri M. M. Mathai .	EFF
2.	Shri K. Mohanan Pillai	RPP
٦,	Shri V. R. Venugopal	RPP
4.	Shri V. Narayanan Nair	CMF
5.	Shri G. Shunmughom Asari	CMF
6.	Shri S. Palaniswamy	QDE
7.	Shri S. Palani .	RSR
8.	S'ni R, Vasudovan Nair	EMD
9.	Shri G. Rangaraju	EMD

K. G. NAIR Adms. Officer - II. EST.

ISKO SATELLIFF CENTRE

Bangalore-560017, the 3rd July 1987

No. 020/1(15:1) 87-Extt.-1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:

SI. No		Designation	Date
	S/Shri		
1.	S Madhusudhana Rao	Scientist/ Engineer 'SB'	01-09-1986
2.	V Dharmaraj	-do-	08-11-1936
3.	P. Suresh Babu	-do-	13-09-1985
4.	Lakshmi Kanta Manna	·-do-	16-10-1986
5.	T. R. Ranganathan	-do-	23-09-1986
6.	Rahul C. Thacker	-do-	08-09-1986

H. S. RAM DAS Administrative Officer-II

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 6th July 1987

No. 16 391, 82-Ests-I.-The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has replaced the services of Shri L. N. Chaki working as Assistant Instructor, Eastern

till further orders.

Forest Ranges College, Kurseong at the disposal of Government of West Bengal with effect from 9-5-1987 (AN).

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

at CGWB, North Central Region, Bhopal wef 15-4-87 (FN) B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bangalore-1, the 5th June 1987

No. 1/87-The following Inspectors of Central Excise and Customs have been promoted to Officiate as Superintendent of Central Excise and Customs, Group 'B' during the year 1986 in the time scale of Rs. 2000 60-2300-EB-75-3200-100-3500/- (Revised) with offect from the dates noted against their names .

Sl. No.	Name of the Officer	Date of Assumption of charge as Superintendent Group 'B'
	S/Shri	
1.	L. K. Kulkarni	6-5-1986
2.	B. B. Kocheri	16-5-1986
3.	S. B. Angadi	14-5-1986
4.	D. D. Shanbhag	23-6-1986
5.	N. N. Shenvi	1-8-1986
6.	K. G. Joshi	11-8-1986
7.	R. B. Shangli	11-8-1986
8.	S. Raja Rao Kote	2-6-1986
9.	C. J. Karjigi (SC)	30-6-1986
10.	D Obulesu (SC)	10 - 7-1986
11.	R. H. Terdal (SC)	24-7-1986
12.	B. N. Hullennavar (SC)	22-9-1986
13.	K. Krishna Varier	1-10-1986
14.	Anantha Sharma	11-12-1986
15.	N. N. Handigol	11-12-1986
16.	R. R. Dixit	12-12-1986

The 8th June 1987

No. 2/87.—Shri P. N. Kulkarni, Office Superintendent, Hqrs. Office Belgaum was promoted to Officiate in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/ Examiner of Central Excise, Accounts, Group 'B' during the year 1986 in the combined Collectorates of Central Excise Bangalore/Belgaum and Karnataka Customs Collectorate; in the time scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 (Revised). The Officer assumed charge with effect from 9-10-1986.

> SUKUMAR SHANKAR Collector

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th June 1987

No 3-806/87-CH(Estt).—Shri I. Javid Ali is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted)

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS · DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

on the basic pay of Rs. 2000/- P.M. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis

in the Central Ground Water Board with his Hendquarter

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Maritime Services (Madras) Private Limited

Madras, the

1987

No. DN/8229/560(3)87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Maritime Services (Madras) Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE

Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Ac 1956 and of M/s Rihsons Pvt. Ltd.

Bombay-400 002, the 25th June 1987

No. 727/14/47/560(3) - Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rihsons Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> V. RADHAKRISHNAN Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Nattermann (India) Private Limited Bombay-2, the 7th July 1987

No. 715/17885/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nattermann (India) Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissoved.

> In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Apollo Chemical Research Pvt. Ltd.

> > Bombay-2, the 7th July 1987

No. 641/20854/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Apollo Chemical Research Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(DFPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS) INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 6th July 1987

No F71-Ad(AT)/84—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules (which term includes amendments to the existing rules) further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, namely:—

Short-title & Commencement

- 1. (1) These rules may be called the Income-lax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1987
 - (2) They shall come into force with effect from the 1st of August, 1987.

Amendments to rule 2

- 2. In rule 2 of the said rules,
 - (a) in clause (iii), after the word and punctuation mark 'President", and before the words Vice-President" the words "Senior Vice-President" shall be inserted.
 - (b) in clause (vii) the punctuation mark ";" appearing at the end thereof shall be deleted and thereafter shall be added the following words and punctuation mark, namely: "and includes a Deputy Registar and Assistant Registrar where the context so requires:"
 - (c) The existing clause (ix) and clause (x) shall be renumbered as clause "(x)" and clause "(xi)" respectively and the following shall be inserted as clause (ix) namely:—
 - (ix) "Senior Vice-President means the Senior Vice-President of the Tribunal;"

Amendment of rule 3

- 3. For the existing rule 3, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "A Bench shall hold its sitting at its headquarters or at such other place or places as may be authorised by the President".

Amendment of rule 4

4. For the existing sub-rule (2) of rule 4, the following rule shall be substituted. namely:—

"Where there are two or more Bencher of the Tribunal working at any headquarters, the President or, in his absence, the Senior Vice-President/Vice President of the concerned zone or, in his absence the enior most Member of the station present at the headquarters may transfer an appeal or an application from any one of such Benches to any other."

Amendment of rule 9

5. The following explanation shall be inserted after subrule (3) of rule 9 namely:—

Explanation: For the purpose of this rule, 'certified copy' will include the copy which was originall; supplied to the appellant as well as a photostat copy thereof duly authenticated by the appellant or his authorised representative as a true copy.

Amendment of rule 24

- 6. For the existing rule 24 and its heading, the following heading and rule shall be substituted, namely:—
 - 24 "Heaving of appeal ex-parte for default by the appel-

"Where on the day fixed for hearing or on any other date to which the hearing may be adjourned, the appellant does not appear in person or through an authorised representative when the appeal is called on for hearing, the Tribunal may dispose of the appeal on merits after hearing the respondent:

Provided that where an appeal has been disposed of as provided above and the appellant appears afterwards and satisfies the Tribunal that there was sufficient cause for his non-appearance when the appeal was called on for hearing, the Tribunal shall make an order setting aside the ex-parte order and restoring the appeal."

Amendment of rule 25

- 7. For the existing rule 25, the following heading and rule shall be substituted, namely:—
- 25 "Hearing of appeal exparts for default by the respondent"

"Where on the day fixed for hearing or any other day to which the hearing may be adjourned, the appellant appears and the respondent does not appear in person or through an authorised representative when the appeal is called on for hearing, the Tribunal may dispose of the appeal on merits after hearing the appellant."

Amendn int of rule 34

8. In rule 34 of the said rules, after the words "Vice-President" and before the word "or" the words "Senior Vice-President", shall be inserted.

Amendment of rule 40

9. For the existing rule 40, the following rule shall be substituted, namely:—

"The Bench which heard the appeal giving rise to the application shall hear it unless the President, the Senior Vice-President, or the Vice-President, as the case may be directs other-wise."

Amendment of rule 47

10. For the existing rule 47, the following rule shall be substituted, namely:—

"Where a requisition is received from the High Court under sub-section (2) of section 256, or where the case is referred back under section 258 it shall be dealt with by the Bench referred to in rule 40 unless otherwise directed by the President or the Senior Vice-President or the Vice-President as the case may be."

Amendment of rule 48

11. For the existing rule 48, the following rule shall be substituted, namely:—

'When a copy of the judgment of the High Court is received by the Tribunal under sub-section (1) of section 260, it shall be sent to the Bench referred to in rule 40, or any other Bench as directed by the President, the Senior Vice-President, or the Vice-President, for such orders as may be necessary."

By order of the Income Tax Appellate Tribunal G. P. BAJPAI Registrar

FORM I.T N S, ----

(1) S. N. Shah & Another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. U. Jain & Another

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13195/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the vaid Act, have reason to believe that the immovexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-3, 5th Floor Matru Ashish 39 Napean Sea Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the storesaid property and I have reason to be same to the sa

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 5th Floor, Matru Ashish, 39 Napean Sea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/10953 on 5-11-1986.

> P. N. BANSAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

17-176GI/87

Date: 2-7-1987

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITTION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. &R.I/37EE/13196/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112, A Wing, 11th floor, Heera Panna Bldg. Haji Ali Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is required under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Competent Authority

Competent Authority at Bombly on 5-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration of the such troopfer as agreed to be such apparent consideration and that the consideration are the such troopfer as agreed to be such troopfer a tion for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohammad Yusuf Ahmed.

(Transferor)

(2) Arunkumai Mehca,

(Transferec)

(3) Mohammad Yusuf Ahmed.

(Person in occupation the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice mathe Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112, A Wing, 11th floor, Heera Panna Building, Haji Ali, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-I/37EE/10954/864 87 on 5-11-1986.

P. N. BANSAJ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 3-7-1987 Seal : *

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13209/86-87.-Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value 5 Shares of Flat No. 9 on 9th floor, Ranju Manju CHSL, Rungta Lane, Napeansea Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Sec-

tion 369 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following post ns. numely :---

(1) Mr. Ramanlal Natwarlal Kapadia Mr. Mahendrakumar Natwarlal Kapadia Lilawati Natwarlal Kapadia

(Transferor)

- (2) Mr. Mahasukhlal Manilal Shah Ranjan M. Shah Dharmesh M. Shah Jatin M. Shah,
- (3) Transferors.

(Person in occupation of the property) (Transferee)

(3) Transferees.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shares of Flat No. 9 on 9th floor of Ranju Manju CHSL, Rungta Lane, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/10962/86-87 dated 6-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Date: 3-7-1987

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13213/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A 16/2, 'A' Bldg. Sky Scraper, B. D. Road, Bom-

bay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 369 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Youw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Rajkumar Mehra & Mrs. Priti Raj Kumar Mehra.

(2) Mr. Haresh Jashbhai Patel & Mrs. Jyoti Haresh Patel.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 16/2 'A' Bldg. Sky Scraper, B. D. Road. Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/10965/86-87 dated 6-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-7-1987

Scal :

FORM ITNS-

(1) Piyush G., Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Niranjankumar S/o Laxminarayan Agarwal, Mr. Pradipkumar S/o Laxminarayan Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13222/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No., 903 on 9th floor, Ashish Bidg. C, Turupati Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 369. AB of the Incomestax Act, 1961, in the Office of

tion 369 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE . SCHEDULE

Flat No 903 on 9th floor, Ashish Building C, Tirupati Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Si. No. AR-1/37EE/10966/86-87 dated 6-11-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-7-1987 Seal:

FORM ITNS

(1) Hiroo Pahilajai Vaswani.

(Transferor)

(2) Rallis India Limited,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref No. AR-I/37EE/13224/86-87.—Whereas, I P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Flat No. 23, Block No. 2, Nanik Niwas, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesond exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiefer of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Air, in respect of any income arising from the transfer; ead /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ougher to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 23, Block No. 2, Nanik Niwas, Bhulabhai Desai

Roud, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/10967/86-87 dated 6-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1987

FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13238/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
5 shares of flat No. 13, B Wing, Navjivan, Adrash Navjivan
CHSL, Napeansea Rd., Bombay-36
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Ramila N. Shah.
 - (2) Mr. Premchand Surana & Mrs. Manju Surana.

(Transferor)

(Transferee)

- (3) Transferois.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Transferors.

 (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shares of flat No. 13, B Wing Navjivan Bld., Adarsh Navjivan CHSL, Napeansea Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/10972/86-87

on 6-11-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 3-7-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Panna. R. Patel & Ors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Niranjana B. Patel & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13252/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompeter Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 20, Niraj Apartments, 5th Floor, 70/71, Walkesh-

war Road, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 20, Niraj Apartments, 5th Floor 70/71, Walkesh-war Road, Bombay-6,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/10975/86-87 dated 6-11-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore in pursuance of section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date.: 3-7-1987

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mrs. Sharda Ramaswami.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jayant Bhogilal Shah, Mrs. Suvarna Jayant Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13266/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 903, Raimala Premises CHSL, Napeansea Road,

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian locme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 903, Rajmala Premises CHSL, Napeansea Rd., Bombay-400 006,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE10983/86-87 dated 7-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 3-7-1987 Scal:

18:--176GI/87

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13271/86-87.—Whereas, I.

P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred movable property, having a fair market value exceeding to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102-B. 10th Floor Heera Panna, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transf with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Mr Mukuund M. Dhuldhova as Karta of Mukund M, Dhuldhoya H.U.F. (Transferor) (2) Mr. Bhagwanbhai Propathbhai Patel &
- Mrs. Laxmiben Bhagwanbhai Patel.

(Transferee M

(3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102-B, 10th Floor, Heera Panna, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I37EE/10986 on 7-11-1986

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1987

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIGNER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Rel No. AR.I. 37EE/13273/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL.

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fear market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat 101-A, Ist Floor, at Proposed Bidg. at plot C. S. No. 1/696, 'Malabar Hill Division B. D. Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is required under Section.

has been transferred and the same is registered under Section.

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer par cent of such apparent consideration consideration.

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Avanti Housing Enterprises

(Transferor)

(2) Kwaja Mohammedullah Khan & Farida N. Khan

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

(4) N. M. Todyawalla & Others

(Person whom the undersigned known to be

interested in theproperty)

Objections, if any, to the acquisition of the sair, property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 101-A, 1st Floor, at Proposed Bldg. at plot C. S. No. 1/696, Malabar Hill Division B. D. Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE 10987 on 7/11/86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3/7/87

FORM LTNS.--

(1) Mrs. Taraben Kishore Shah

(Transferor)

(2) Annette Roberts

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1987

AR, I '37EE / 13285 / 86-87. --- Whereas, I, Ref. No. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating Flat No. 15, 2nd Floor, Warden Court, Gowalia, Tank,

Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 ton an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income saising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd Floor, Warden Court, Gowalia, Tank, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under Sr. No. ARI/37EE/10988 on Authority, 7/11/86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2/7/87 Seal : .

As I herefore, in pursuance of Section 269C of the said As I hereby initiate proceedings for the acquisition of the creased property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR I/37EE/13291/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No situated at Bombay

5 shares of flat No. 12A & Garage. Bakhtawar CHSL, 22, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the on 7-11-1986.

on 7-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurance of transfer with the object of ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability. of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Semine Moloobhoy Mrs. Nermeen F Fazalbhoy

(Transferor)

(2) Mr. Jayantilal C Shah (Parikh) Mr. Jasvantilal C Parekh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shares of Flat No. 12A & Garage, Bakhtwar CHSL, 22 Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/10991 86-8/ 7/11/86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3/7/87

Scal:

FORM ITNS

(1) Mrs. Malikaben Abdul Husen Merchant

(Transferor)

(2) Mr. Nalin Navalchand Sheth Smt. Harshika Nalin Sheth

(Transfere.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13292/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 on 3rd floor of Sumangal, 13, Ridge Road

Bombay-400 006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- · (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 3rd floor or Sumangal at -13, Ridge Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No AR.I/37EE/10992/86-87 dt 7-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date.: 2/7/87

Seal .

FORM ITNS———

(1) Mather and Platt (India) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bipin B Jhaveri Smt. Sunita B Jhaveri

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13293 86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing No.
Rs. 1,00,000'- and bearing
Flat No. 31 on 3rd floor & One car parking space No. 102
RAMBHA bldg. Petit Hall, Napennsca Rd., Bombay-6.
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) lacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) acilitating the conceatment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette. (b) by any

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 31 on 3rd floor & One car parking space No. 102 RAMBHA buldg. Petit Hall, Napcansea Rd., Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/10982-A 86-87, dated 7-11-86.

P. N. BANSAL Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1, Bomba

Date: 3/7/87

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13294/86-87.—Whereas, I,

P. N. BANSAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 17th Floor, Mont Blanc Apty. Dadiseth Hall. August Kranti Marg, Bombay-36.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/S Apeejay Private Limited
- (2) Shri Anil P. Kakad

(Transferor)

(Transfere.)

(3) M/S Apcejay Private Limited (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as fare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat. No. 2, 17th Floor, Mont Blanc Apty. Dadiseth Hall, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/10993 on 7/11/86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3/7/87

- (1) Messra Vikas Premises
- (Transferor)
- (2) Mr Menoti S Anand

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13295/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2401/B on 24th fl Om Vikas, 105 107. Walkeshwar Road, Bombay-6 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same 19 registered under Section

has been transferred and the same in registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2401/B on 24th fl. Om Vikas, 105/107, Walkeshwar Rd., Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.J/37EE/10994/86-87, at 7-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

19-176GI/87

Date: 3/7/87

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13298/86-87—Wheras, I. P. N. BANSAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 22, 3rd floor, Deepak bldg, 755/8, G Deshmukh

Marg, Bombay-400 026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7/11/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

(1) Shri Ramchand Atmaram Shri Sresh Atmaram and Shri Dilipkumar Atmaram

(Transferor)

(2) Shri Ashok Mohanlal Mehta Smt. Praitma Ashok Mehta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, Deepak bldg. 755/8, G Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37EE/10996/86-87, on 7-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Acquisition Range-I, Bombay
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-i

Date : 3/7/87 Seal :

(1) Shii H. S. Fazalbhoy & Ois.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii K. V. Gidwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13299/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st Floor, Taher Mansion, 8/10, Napeansea Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule approach bereta).

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of sty income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afossaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, managely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Floor, Taher Mansion, 8/10, Napeansea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/10997 on 10-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

(1) Mrs. Rupa Amar Hargunani.

(Transferor)

(2) Mr. Fazal Ebrahim Fazalbhoy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13300/86-87.--Whereas, I,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10D, 4th Floor, Malabar Apartment.

L Jagmohandas Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the forestid property under I have greaten to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10D, 4th Floor, Malabar Apartment, L Jag-mohandas Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/10998 on 10-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

HE.

(1) Mr. Dadabhai P Katiak.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrasen R Shah & Mrs. Tajavanti R Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDÍA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13303/86-87.—Whereas, I,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, 2nd floor, Sailesh, 59/75 Corner of Govalia Tank & Forjett St. August Kranti Marg, Bombay-36, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property a sy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter

· THE SCHEDULE

Flat No 21, 2nd floor, Shailesh, Bombay-36, 59-75 Corner of Govalia Tank & Forjett St. August Kranti Marg. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/10999/ 86-87, dt 10-11-1986

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1987

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME/TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR I/37J-E/13304/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor, Shailesh, Coiner of Govalia Tank, & Forjett St., August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter, namely:—

(1) Mr. Dadabhai P Katrak.

(Transferor)

(2) Mr. Navin T Shah, Mr. Arvind T Shah & Mrs. Vimla A Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this series in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Shailesh. Corner of Vovalia Tank & Forjett St., August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11100/86-87, dt. 10-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Vikas Premises.

(Transferor)

(2) Mrs. Shailaja P Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13317/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2101/A, Om Vikas, Walkeshwar Road, Bombay-6 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201/A, Om Vikas, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11005/86-87 dated 10-11-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 2-7-1987

Soal:

(1) Shantidevi L Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Harshadrai B Baiot. Mrs Rama H Barot

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Rombay, the 2nd July 1987

Ref. No AR-I/37FE/13328/86-87,—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 10th floor, Jeevan Sahakar Co-operative Society, Mahav Mandir Road, Bombay-6

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 2, 10th floor, Jeevan Shhakar Co-op Society, Manay Mandir Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr No. AR-I/37EE/11011/86-87, dt. 10-11-1986.

P N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--.

Date: 2-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13334/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-222, Grant Paradi Apartments, Car parking Space No. 243, Dady Seth Hill August,
Kranti Marg. Bombay-400 036
situated at Bombay
(and many fully described in the schedule approach bersto)

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

20-176GI/87

- (1) Mr. Om Narain Khanna & Mis. Kamini Om Narain Khanna.
- (Transferor)
- (2) Mr. Bhikulal Dagdulal Marda & Mr. Rajgopal Dagdulal Marda.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-22, Grand Paradi Apartments, Car Parking Space No. 243, Dady Seth Hill August Kranti Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37EE, 11013/86-87 on 10-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

(1) Smt. Kusumlata Rajkumar Sureka.

(Transferor)

(2) Ramesh Nagindas Shah & Anr.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR-I/37EE/13335/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 96, 16th Floor, Darya Mahala,

80, Napeansea Road, Bombay-26

situated at Bombay (and more fully vescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Darya Mahal-A, 16th Floor, Flat No. 96, 80 Napean Sea Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37EE/11014/ on 10-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1987

FORM 1.T N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

(1) Mr. Jayant B. Shah, Mrs. Suvarna J. Shah

(Transferor)

(2) Mr. Atul Navinchandra Shah Mts. Rita Bakul Shah & Mis. Maya S, Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. 1/37-EE/13345/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 8 on 2nd floor, Empire Guide CHSL, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or are Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hat No 8 on 2nd floor, Empire Guide CHSL, LD. Ruparel Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11019/86-87, dated 10-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :---

Dated: 2-7-1987

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref No. AR. I/37-EE/13348/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor, Babulnath View, 7 Babulnath Road, Bombay-7 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986 Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mr. Ashwin Babulal Gandhi

(Transferor)

(2) Mr. Jitendra Mangalbhai Jhaveri Nirupama Jitendra Jhaveri.

(Transferee)

(3) Mr. Ashwin Babulal Gandhi (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of gublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Babulnath View, 7 Babulnath Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11022/86-87, dated 10-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1987

(1) Smt. Jamunabai S. Gupta

(Transferor)

(2) Smt. Kalpana Shripal Morakhia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Shri Shripal Sevatilal Morakhia

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR. 1/37-EE/13351/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A2/6th floor at Prithvi Apartment, Altamount Road, Bombay-400 026 with Garage situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the conceilment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the conceilment of any income or any the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A2, 6th floor at Prithvi Apartment, Altamount Road, Bombay-26 with Garage.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37-EE/11023/86-87, dated 10-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-7-87

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR 1/37-EE/13352/86-87.--Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/2 on 21st floor, Puthyl Apartments, Altamount Road, Bombay-26 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the omerical Authority as Bonday on 16-11, 1986

the ompetent Authority of Bombay on 10-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Kirtikumar M. Patel Shri Sanjibhai M. Patel

(Transferor)

(2) Shri Tarachand Agrawal Smt. Chamelidevi Agrawal Smt. Usha Agrawal

(Transferce)

(3) Transferees.

(person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. $\Lambda/2$ on the 21st floor, Prithvi Aparlments, Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11024/86-87, dated 10-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Session 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

-Ref. No. AR. I/37-EE/13353/86-87.--Whereas, 1.

P. N. BANSAL.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and beating
Flat No. 71, 7th floor, Mistry Park, 77 Bhulabhai Desai Road,
Bombay-26, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sai! Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sul section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Annotte Roberts

(Transferor)

(2) Mrs. Papita V. Kewalramani, Haresh V. K., Mukesh V. K. & Jagdish V. K. (Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other passons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71 on 7th floor, Mistry Patk 77 Bhulabhai Desai

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EF/11025/86-87, dated 11-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-7-1987

Seal: -

(1) Smt. F. Y. Zaveri

(Transferor)

(2) Shri D. J. Ramsinghani & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. I/37-EE/13359/86-87,-Whereas, I,

P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102, 10th Floor, Eleid Apartment, Ridge Road,
Bombay-6, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competers Authority at Bombay on 11,11,1986

the Competent Authority at Bombay on 11-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 10th Floor, Elcid Apartment, Ridge Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR. 1/37-EE/11029 on dated 11-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1987

(1) M/s. Avanti Housing Enterprises.

(Transferor \

(2) Mrs. Khairunissa Sadruddin Bilawala Mr. Sadruddin Khimji Bilawala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE'S BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13383/86-87.—Whereas, I,

Ref. No. AR-1/3/EE/13383/86-8/.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1/696 of Malabar & Cumballa Hill Division, 1/696 of Malabar & Cumballa Hill Division, at Rhulabhai

1/696 of Malabar & Cumballa Hill Division, at Bhulabhai at Bhulabhai Desai Road, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official azette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, in the proposed building, C.S. No. 1/696 of Malabar & Cumballa Hill Divn. Bhulabhai Desai Road, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11038/86-87, dated 12-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nimply :-

21-176GI/87

Date-: 6-7-198/

Scal:

(1) M/s. Avanti Housing Enterprises

(Transferor)

(?) Mr. Ayaz Sadrudin Bilawala Sadrudin Khimji Bilawida

Mrs. Khairunissa Sadrudin Bilawala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR. 1/37-EE/13384/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-

as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, in the proposed building at Bhulabhai Desai Road, C.S. No. 1/696 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Computent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 12-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet's or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in the proposed building at Bhula-bhai Desai Road, C.S. No. 1/696 of Malabar & Cumballa Hill Divn

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11039/86-87, dated 12-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Dated: 6-7-1987

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA. OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13388]86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/51, Paradise Apartments, 5th Floor, 44, Nepean

Sea Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Salesh Tyebji Tapia & Mrs. Khatha Saleh Tapia.

(Transferor)

(2) Jamshedji Rustomji Jeejibhoy.
 & Mrs. Nurgese Rustomji Jeejibhoy.
 & Mrs. Nurgese Rustomji Jeepibhoy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/51, Paradise Apartments, 5th Floor, 44, Nepean Sea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR 1/37EE/11041 on 12-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-7-1987

SenI:

(1) Smt. Harbanskair Chug.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhanesh C. Shah & Affr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref No. AR.I/37EE/13389|86-87.--Whereas, I. P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/501, Simla House, Near Hyderabad Estate, Napean Sea Road, Bombay-400 036.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore here apparent consideration therefore here. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E/501, Simla House, Near Hyderabad Estate,

Napean Sea Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Compe Authority, Bombay under Sr, No. AR.I/37EE/11042 12/11/1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforenaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13395/86-87.---Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-3, 1st Floor, Natru Ashih Jagmohandas Road, Bonibay-6.

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !--

(1) Mis. N. B. Jatakia.

(Transferor)

(2) World Renewal Spiritual Trust.

(Transferce)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-3, 1st Floor, Natru Ashih, Jagmohandas Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11041-A on 12 11/1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-I, Bombay.

Dated :2/7/1987 Scal:

FORM LT.N.S.

- (1) Smt. S. C. Kapadia.
- (Transferor)
- (2) Smt. N. A. Gulati.

(Transféree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

AR.I/37EE/13397/86-87.—Whereas, I, Ref. No P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, 2nd Floor, Nirmalal Mahal, Momanjee Petit Read, Normanie Petit

Road, Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Computent Authority at Bombay on 12-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of this said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shal Ihave the same meaning as given in that"Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd Floor, Nirmala Mahal, Bomanjee Petit Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11045 on 12/11/1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13398|86-87.—Whereas, I,

Ref. No. AR.1/37EE/13398|80-8/.—whereas, 1, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.—and bearing No.

Flat No. 14/B, 14th floor, New Akash Ganga CHSL,

Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Praful M. Dharia, Mrs. Purnima P. Dharia.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Pessumal Dodani, Mrs. Rekha Mohandas Dodani.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14/B, 14th floor, New Akash Ganga CHSL, Biulabhai Desai Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/11046|86-87 dated 12-11-86.

P. N. BANSAI Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ir, Bombay

Scal: Dated: 6-7-1987

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kantaben P. Mehta Prabhudas Mehta, Manohar P. Mehta. (Transferot)

(2) Mr. Kishor C. Dadhbhawala, HUF

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EF/13399|86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beauing No.

Flat No 2, 1st floor, New Sagan Darshan, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-36, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 250 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/11/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Floor, Sagar Darshan, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/11048/86-87, Dated: 6-7-1987

P. N. BANSAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Dated: 6/7/1987

Sea :

ACCORDED TO THE CONTROL OF THE CONTR

FORM ITNS-

(1) Mr. Hiranand Gobindram Advani & Others.

(Transfe, o,)

(2) Mr. Vikram Kishore Shroff & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13400|86-87.-Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd Floor, Ocean Crest Co. op Hsg. Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-22-176GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property must be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired takes
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expression need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Ocean Crest Co. op. Hsg. Society Ltd Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

2reament has been registered by the Competent 4 ut 100 j y, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11047 on dated 13-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Da ed: 6/7, 1987 Seal:

FORM' I.T.N.S.——

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13405[86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 3, 1st Floor, 'B' Block, Skysciaper Bldg, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13/11/1986 for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any shoome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Central Chimmaya Mission Trust

(Transferor)

(2) Shree Krishna Keshave Laboratories Ltd.

(Transferec)

(3) Under the seller's Occupation. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act shall have the same meaning as given that Chapter,

THE SCHEDULE

Fiat No. 3, 1st Floor, 'B' Block, Skyscraper Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I/37EE/11050/86-87 on 13/11/1986.

P. N. BANSAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 2/7/1987

ENTERNAL L. GRANCE

F ORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR 1/37EE/13406/86-37.--Whereas, I,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I hat No. 17, 5th floor, India House 3, Pedder Road.

Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-86
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

(1) Mrs. Audrey Dudhmal.

(Transferor)

(2) Mr. Dazesh Babulal Kakadia 5mt, Minaxi D Kakadia.

(Transferee)

(3) Mrs. Audiey Dudhmal. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirés later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this flotice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 5th floor, India House, 3, Pedder Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under St. No. AR-J/37FE//11051/86-87, dt. 13-11-86,

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-7-1987

7068

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Aruna A. Mathur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Mr. Hiten Rashmikant Mehta & Anr. 'Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13408/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21 Belle View Bldg. 85, Warden Road, (Bhulabhai Desai Road) Bombay-400 006

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more manifered per cent of such apparent consideration and that her consideration for such transfer as agreed to between the ries has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, Belle View Bldg., 85, Warden Road, (Bhulabhai Desai Road), Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11052/86-87 on 13-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons, namely :-

Dated: 3-7-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs Niranjanaben J Shah Alias Jhaven & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Mi Dharmendia Kumai Goval

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.1/37FE/13425/86-87,--Whereas, I, P. N BANSAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 82, Kshitij 47, Napeansea Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested 1 nthe said immove-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

UXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82, Kshitii, 47, Napeansea Road, Bombay-400006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No AR I/37EE/11037-A, on 12-11-86,

> P. N BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 3-7-1987 Scal :

FORMLT N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR 1/37FE/13426/86-87 - Wherens, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Froot, Jogani Apartment, 29-B, Dongershi

Road, Bombay-6

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. fetnmal Manekchand Sanghvi.

(Transferoi)

(2) M1. Chandrakant Gulabchand Doshi & Another. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FAPIANATION: The terms and expressions used herein as ire defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 2nd Floot, Jogani Apart, 29-B, Dongershi Road, Bombay-6. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under St. No. AR.I/37FE/11055/86-87 on 13-11-1986.

> P. N BANSAL Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following r persons, namely:--

Dated: 3-7-1987 Seal:

FORM I.T.N,S.- ~

- (1) Mr. C. G. DOSHI & ANR.
- (Transferor)
- (2) Mr. C. K. Shah & Another.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME . 1AX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR 1/37EE/13438/86-87.—Whereas, I,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1. Ground Pleyr, Rekha Co-op H.g. Socty Ltd. Ridge Road. Bombay-6

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-to Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 13-11-1985

that an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nole property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Rekha Co-op. Hsg. Socty. Ltd., Ridge Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR 1/37EE/11064/86-87 on 13-11-1986.

P. N. BANSAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-7-1987

FORM I.T.N.S.--

(1) UDHE INDIA LIMITED.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Hoechst India Limited.

(Transferee)

(3) Hoechst India Limited.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13442/86-87.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

open car parking space in the compound, Anstey Road, Off Altamount Road, Bombay-26 (and more fully described in the scheduled annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-1985

P. N. BANSAL,

at Bombay on 13-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/im
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 92-A, Meher Apartment CHSL, & open car parking space in the compound, Anstey Road, Off Altamount Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/11066/86-87 dt. 13-11-86.

P. N. BANSAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 3-7-1987

FORM I.T.N.S .- -

(1) Hoechst India Limited.

(Transferor)

(2) UHDE INDIA LIMITED.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

> > Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13444/86-37.--Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 62B, 6th Floor, Embassy Apartment 46, Napean

Sea Road, Bombay-400 083

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-1986

at Bombay on 13-11-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-23-176GT/87

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62B, 6th Floor, Embassy Apartment, 46, Napeansea Road, Bombay-36. Garage No. 1 in the same building.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Sr. No. AR.1/37EE/11067/86-87 pp. 13-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 2-7-1987

FORM I.T.N.S. NO.-

(1) Mr. Ghansham Govindram Duseia Shri Rajesh Ghansham Duseja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashwinkumar Babulal Shah Mrs. Nina Ashwin Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13448/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, Shanker Mahal CHS, Sophia College Lane,

Warden Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sec ion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Shankar Mahal CHS, Sophia College, Lane, Warden Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/11071/86-87, dated 24-11-86.

> P., N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Dated: 3-7-1987

FORM ITNS ----

(1) **D M D** Souza

(Transferor)

(2) Abdul Karım N. Manvı

(Transferect

(3) A N Manwa & Others

may be made in writing to the undersigned .-

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 2nd July 1987

Ref No AR I/37 EL/13450, 86 87 -- Whoteas, I P N BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing
That No 401, 4th Floor, E Block, Simila Florisc Napounsea

Road Bombay 36

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaidexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period-of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :-- The terms and explessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Hit No 401 4th Floor, E Block Smila House, Nepean

sca Rold Bombay-36
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. AR 1/371E 11072/86 87 on 24/11 86

> P N BANSAL Competent Authority Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Date 2-7-1987 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kishin D. Bhavanani & Mrs. Meena K. Bhavanani.

(Transferor)

(2) Mr. Natwar fal II. Ambani & Mrs. Samita N. Ambani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.1/37-EE/13453/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4A, 4th Floor, Rizvi Park, 5A Altamount Road, Bombay-400 026. Situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereton has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 24/11/1986

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersighed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4A. 4th Floor, Rizvi Park, 5A, Altamount Rd, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37-EE/11074/86-87 on 24/11/86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1987

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Chandrakant K Shah, Mr. Jayraj K Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D '1) OF THU INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ratilal C Shah, Mr. Mukesh R Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLI, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. 1, 37 EF 17455 36-87 -Whereas, 1 P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Sudama, 6th Floor, Walkeshwar Sudama CHSL, 214, Walkeshwar Rd. Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 209 aB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefore by more than consideration for such apparent consideration the consideration for such transfer as accordance. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if ear, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said and, shall have the same meaning as given diet the mer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and los

he facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Sudama, 6th floor, Walkeshwar Sudama CHSI, 214 Walkeshwar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11075/86-87, dt. 24-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date . 2-7-1987 Scal:

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. I/37-LE/13456/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent 'Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing'
Flat No. A-2, 27th Floor, Prithvi Apartment, Altamount Road, Royalov 400,002

Road, Bombay-400 026.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nirmala K. Gowani.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela Chandra Mahtani.

(Transferee)

(3) Self Occupied.

(Person whom the undersigntd known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2/27th Floor, Prithvi Apartment, Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37-EE/11076/86-87 on 24/11/1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the *aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-7-1987

Sèal :

FORM ITNO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. I/37-FE/13458/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11, 4th floor, Paviova CHSL, L.D. Ruparel Road, Bombay-6.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ad spect of any lassome sclaims from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Mahendra N. Mehta. Smt. Kokila Mahendra Mehta.

(Fransferor)

(2) Mr. Kishore Tulsidas Choksi, Shri Vitthal T. Choksi, Father & Natural Guardian of Master Rohan V. Choksi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 4th floor, Pavlova CHSL, L. D. Ruparel

Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11077/86-87, dt. 24-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR. I/37-FE/13460/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 321, D-Building, Petit Hall, C. S. No 356 Malabar & Cumballa Hill Division, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tux Act, 1961, in the Office of the

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen present of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

(1) Ma an industries Pvt Ltd.

(Transferor) (2) Dabur (Dr. S. K. Burman) Pvt. Ltd. (fran ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 mays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcite.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 321, D-Building, Petit Hall, C. S. No. 356 of Malabar & Cumballa Hill Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-FE/11079/86-87 dated 24/11 85

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-7-1987

(1) Malabar Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. N. S. Parikh and Another.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR-I, 37-EE/13461/86-87.—Whereas, I, N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 334, D-Building Petit Hall, Bombay-6.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 24—176GL/87

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 334, D-Building, Petit Hall, Bombay-6.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11080/86-87, 24/11/86.

P. N. BANSAL Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

Scal:

15

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. вомвач

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No AR-1/37-EE/13465/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 43-A, 4th floor, Atlas Apartments, 11 Jamnadas

Mehta Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Mohamed Kader Shah Nawaz, Smt, Khuishid Taj Shah Nawaj.

(Transferor)

(2) Mr. Ketan Bagmal Parikh, Smt. Shaila Ketan Parikh Shri Ketan B. Parikh, HUF.

(Transferce)

Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43-A on 4th floor, Atlas Apartments, 11 Jamnadas Mehta Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. Noff AR-1/37-EE/11084/86-87, dt. 24-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-7-1987. Scal:

FORM TINS-

(1) Mis. Margaret I Baptista.

(Transferor)

(2) Mr. Dinker Shanker Alva Mis. Shashikula D. Alva.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- Ref. No. AR.I/37EE/13491/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL
- P. N. BANSAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701 & Garage No. 11, Citadel, 18B, L.D. Ruparel Marg, Malabar Hill, Rombay.6

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'immovable property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, & Garage No. 11, Citadel Bldg. The Citadel CHSL, 18/B, L.D. Ruparel Marg, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/1105/86-87 dated 24-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref No ARI/37EE/13500/86 87—Whereas, I, N, BANSAL

P N, BANSAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing No Flat No 1B, 1st Floor, Giriraj 11 Altamount Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

24-11 86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs Piabhaben A Sejpal

(Transferor)

(2) Mi Bhushan Kumar Ahuja & Mrs Pooja B Ahuja

(Transferee)

(3) Mi Bhushan Kumar Ahuja (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No 1 B, 1st Floor, Girnaj 11 Altamount Road, Bombay-400 026

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr No ARI/37EE/11108/on 24 11-1986

> P N BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated 2-7 1987 Seal:

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13505/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-5, 5th Floor, Rockside Apartment, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :--

(1) F. Block (Agencies) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ramsingh Jethmal Lalvani.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, 5th Floor, Rockside Apartment, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11109/86-87 24-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Dated: 2-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13506/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th Floor, Parking Space No. 5, Indira Apartments,

Carmichael Road,

Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mr. Cytus C. Adenwalla.

(Transferor) (2) Mrs. Narottam Lal & Mrs. Pushpa N.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(2) M/s. Jayashree Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Parking Space No. 5, Indira Apartments, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11110/86-87 on 24/11/86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 2-7-1987

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Malabar Industries Ltd.

`(Transferor)

(2) Mrs. Vimla S. Bhatia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13510/86-87.--Whereas, I. P. N. BANSAL

P. N. BANSAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 281, 28th Floor, D-Building, Petti Hall Bombay-6.

Bombay-6. situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 281, 28th Floor, D-Building, Petti Hall, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/1111 on 24-11-86

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 2-7-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13512/86-87-Whereas, I. P. N. BANSAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Keshwala Towers,

Napeansea Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86 situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Dhanpatrai Pahwa, Sole Trustee of Pahwat Trust.

(Transferor)

(2) Mr. Laxmichand C. Shah.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401/4th floor, Kheshwala Towers, Napcansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11113/86-87, dated 24-11-86.

P N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 3-7-1987 Scal:

(1) Mr. Dinker Shanker Alva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaunak Jagdish Shah Mrs. Manjula Jagdish Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13513/86-87 —Whoreas, 1, P. N. BANSAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15A, 15th floor, Shanaz, Napeansea CHSL,

x90, Napeansea Road, Bombay-6.

situated at Bombay

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule Annexed nerew), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and I have reason to the the the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15-A on 15th floor, Shanaz, Napeansea Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 90, Napeansea Road, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay ander Sr. No 37EE/11114/86-87, dated 24-11-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Runge-I, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely :---25-176GI/87

Dated: 2-7-1987

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13516/86-87 -- Whereas, I, P. N. BANSAL

P. N. BANSAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovrole property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
I-lat No. 52-A, 54h Floor,
Belle View Co.op. Hsg. Soc.
I td., 85, Bhulabai Desai
Road, Bombay-26.

Road, Bombay-26. situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same it registered under Section 266AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the constant consideration than the fair market value of the property as aforesaid to the constant consideration than the fair market value of the property as aforesaid to the constant consideration than the fair market value of the constant consideration than the fair market value of the constant consideration than the fair market value of the constant consideration than the fair market value of the constant consideration than the constant consideration aid exceed, the apparent consideration therefor by more than Officen per cent of such apparent consideration and that the considers ion for, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Mrs. Padma R. Khemlani, alias Mrs Veenu S. Mahbhani.

(Transferor)

(2) Miss Sunita Sham Masand.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the endersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Ach shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Flat No. 52-A, 5th Floor, Belle View Co.op. Hig. Soc. Ltd, 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11116 on

P. N. BANSAL Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following porsons, namely :---

etDad: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13517/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000) - and bearing No.

Flat No. 35-A and Garage, Anita CHSL, Bhausahob Hire Marg, Malabar Hill, Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax (Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the saud Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Vishindas Moolchand Vaswani.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh R. Khemlani, & Mrs. Veonu (Alias Radma) S. Mahbubani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) oy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gunette,

have and in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35-A & Garage, Anita CHSL, Bhausaheb Hire Marg, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37-EE/11117/86-87, dated 24-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-7-1987

(1) Smt. Vimal S. Thakor.

(Transferor)

(2) M/s. Malabar Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13526/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 142, 14th Floor, D-Building, Petit Hall, Bombay-400006.

7092

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 142, 14th Floor, D-Building, Patit Hall, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11126/86-87 dated 24-11-1986.

> P. N. BANSAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiaion Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. R. H. Ranga Rau.

____ (Transferor)

(2) Dr. Nitan M. Narvekar, Dr. Ajanta Nitin Narvekar, Dr. Rajeev M. Narvekar.

(Transferee)

Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13527/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 208, B Block on 2nd floor and Garage No. 49 on the Third Level in Cumballa Crest 42, G. Deshmukh Marg (Pedder Road), Bombay-26.

(Pedder Road), Bombay-26. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1.xPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, B Block on 2nd floor and Garage No. 49 on the Third Level in Cumballa Crest, 42, G. Deshmukh Marg (Pedder Road), Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11069-A/86-87 dated 24*11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiaion Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13528/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 24, 4th floor and open parking space, Bhaveshwar Darshan, 31/D, Peddar Road, Bombay-26.

ticuated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any promeys or other alse which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Mulraj D. Mehta & Mr. Rajesh D. Mehta.

(Transferor)

- (2) M/s. Dolat International Corporation. (Transferee)
- (3) M/s. V. Natvarlal & Co. (Person in occupation of the property)
 (3) M/s. V. Natvarlal & Co.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 4th floor and open parking space, Bhaveshwar Darshan, 31/D, Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11127/86-87 dated 3-7-87.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiaion Range-I Bombay

Dated: 3-7-87

To be a total of the first and the control of the c

FORM ITNS-----

(1) Shri Jai Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Kothari & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the alforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.1/37EE/13532/86-87.—Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 111, 19th Floor, Dariya Mahal-A, 80 Napeansca

Road, Bombay-36.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 111, 19th Floor, Dariya Mahal-A, 80 Nepcansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37FE/11130/86-87 dated 24-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1987

(1) Mr. Jaloo M. Sanjana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2), Mrs. Anjani M. Khilnani & Mr. Harkishan R. Khilnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref No. AR.I/37EE/13538/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 56, Blue Heavan CHSL, Mount Pleasant Road, Parkley 400006

Bombay-400006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 56, Blue Heavan CHSL, Mount Pleasant Road, Bombay-400006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/11135/86-87 dated 24-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 2-7-1987

FORM ITNE

(1) Smt. Dayagauri Babubhai Dasani & Anr. (Transferor)

(2) Smt Vimlagami Harshadiai Joshi & Anr (Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No AR I/37FE /10541, 86-87 --- Whereas, I, '. N. BANSAL,

Deing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

brojerty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 - and bearing I lat No. 34, 5th Floor, Shankar Sagar Sophia College I ane, Warden Road, Bombay-36

situa ed at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of the consideration of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer with object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of the consideration and that the consideration and that the consideration and that the consideration and the consideration and

transfer with object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the numbere for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

26-176GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 5th Floor, Shankar Sagar, Sophia College I and Warden Road, Bombay 36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No AR-I/37EE/11137/86-87 dated 24-11-1986.

P. N. BANSAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiaion Range-I Bombay

Date: 2-7-1987

M ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No AR I '37FE/13544/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-102, Grand Paradi Co-operative Housing Society

Ltd., August Kranti Marg, Bomoay-400036.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration the property as aforesaid the apparent consideration the property as aforesaid the apparent consideration the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen rer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agréed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Jekisandas B. Mehta.

(Transferor)

(2) Sanjay B. Paymaster.

(Transferce)

(2) Sanjay B. Paymaster. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said. Act, shall have the same meaning as given . in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-102, Grand Paradi Co-operative Housing Society Ltd., August Kranti Marg Bombay-400036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11139/86-87 dated 24-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay...

Date: 3-7-1987

(1) Mr. Behram Khodayar Itani. FORM NO. I.T.N.S. 187

(Transferor)

(2) Mr. Bipin B. Paymaster. (3) Mr. Bipin B. Paymaster. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13545/86-87.—Whereas, J, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5 shares of Flat No. B-71 on 7th floor, Giand Paradi B Co-op. Soc. Ltd., August Kranti Marg, Bombay-400 036, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemarket value apparent consideration and the consideration for such apparent as agreed to between the the consideration for such apparent as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shares of flat No. B-71 in Grand Paradi B Co-op Soc. Ltd., August Kranti Maig, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11140/86-87, dated 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3/7/1987

(Transferor)

(Transfer

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

(1) Surendraray J. Toshi.

(2) Mr. Jekisan Bhayanidas Mehta, Mis. Saiij Jekisan Mehta.

Aruna S. Josin, Vimala H Joshi, Ashish H Joshi.

(3) Transferees.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-1/37EE/13546/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Hat No. A-121, Grand Paradi CHSI, August Kranti Marg, Bombay-36, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule unpayed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Sec that been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. A-121 in Gradd Paradi Co-op Hsg Sof Ita., August Kranti Marg, Bombay-400036.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37-EE/11141/86-87, dated 25/11/1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Pombay.

Date: 3-7-1987

Mr. Burjor N. Vakil, Mr. Homi N. Vakil & Mrs. Veera Rai Kadan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Yaın Syndicate Limited.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR I/37-EE/13559/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here naiter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 45 on 6th floor and Garage No. 73 at Mount Unique, Mount Unique CHSL, Pedder Road, Bombay 26,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the same is registered under Sec-tion 269AB of the Income-tax Act 1951 in the Office of Competent Authority at Bonibay on 25/11/1986 25-11-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45 on 6th floor & Garage No. 73, Mount Unique, Mount Unique CHSL, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37-EE/11152/86-87 dated 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date · 3/7/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13562/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property 'having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41A on 4th floor of Laxmi Vilas Jal Mayur CHSL, 87 Napcansea Road, Bombay-6, silvateral at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Soc has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ketan Bagmal Parikh.

(Transferor)

(2) Shri Hiten Bagmal Parikh.

(Transferee)

(3) Shri Ketan Bagmal Parikh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41-A on 4th floor of Laxmi Vilas, CHSL, 87, Napeansea Road, Bombay-400 006. Jai Mayur

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37-EE/11154/86-87 dated 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 6/7/1987

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF STORY OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37-EE/13567/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 1st F loor, Hill View Bldg., Giri Darshan Co-op. Hsg. Society Ltd., Ridge Road, Malabar Hill, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

- (1) Shri Jayantilal Vallabhji Popart & Another. (Transferor)
- (2) Shri Decpk Maneklal Shah & Another.

(Transferee) (Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1. 1st Floor, Hill View Bldg., Girl Darshan Co-op. Op. Hsg. Society Ltd., 15 Ridge Road, Malabar Hill, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11157/86-87 dated 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 6/7/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37-EE/13568/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25 5th floor, Satnam Sagar CHSL, 20 Pedder Road, Pomboy 400 026

Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Shailesh K Desai, Mrs. Rekha S. Desai & Mi. Kiitanlal S. Desai.

(Transferor)

(2) Miss Saroja R. Shastri, Miss Geeta R. Shastri, Miss Indu R. Shastri.

(Transferee)

(3) Shailesh K. Desai with family. (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 5th floor, Satnam Sagar CHSL, 20, Pedder

Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11158 86-87 dated 25-11-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 3-7-1987,

FORM NO. I.T.N.S .---

(1) Shri Ghansham Govindram Duseja & Another. (Transferor)

> (2) Shri Ashwinkumar Babulal Shah & Another. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.I/37-EE/13571/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, Shankar Mahal, C. M. Society, Sophia College Lane, Warden Road, Bombay-400 026, (and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
27—176GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Shankar Mahal C.H. Society, Sophia College, Lane, Warden Road, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37-EE/1161/86-87 dated 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 2/7/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987,

Ref. No AR I/37-EE/13578/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to no the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 30 on 5th floor of Naw Darya Mahal of Nav Daryamahal CHSL, 80, Napean Sea Road, Bombay-6, (and more fully described in the schedule annexed below), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arking from the transfer and/or
- (b) finelisting the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. The Morarjee Goculdas Spg. & Wvg. Co. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Rajendra K. Gupta, Smt. Binadevi Rajendra Shri Hemant Kumar R. Gupta (Minor) and Sharadkumai R. Gupta (Minor).

(Transferee) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussie.

Burlanation:—The terms and expressions used kersin as defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given · to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30 on 5th floor of NAV DARYAMAHAL of Nav Daryamahal CHSL, 80, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11141-A/86-87 dt. 25-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Dated: 3-7-1987. Scal:

FORM PINS-

(1) Mr. Padam Kanodia

(Transferce)

(2) Mr. Vijay Kanodia

(Transferor)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-I/37-EE/13579/86-87.—Whereas I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 1st floor in Unit No. 5, Chancellor Court, Plot No. A/88, Carmichael Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 1st floor in Unit No. 5, Chancellor Court, Plot No. A/88, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11164/ Authority, Bombay, 86-87, dt. 25-11-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-7-1987

Scal:

FORM NO. I.T.N.S. 187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-1/37-EE/13592/86-87,—Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 24 on 2nd floor, one open car parking space on the ground floor of 'AJAY' Building. Ajay Amar CHSL, 25, Pedder Road, Bombay-26.

25, Pedder Road, Bombay-26. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Ratanlal H. Kalro & Mrs. Jyoti H. Kalro

(Transferor)

(2) Mr. Prem L. Hasija.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Ajay building, Ajay Amar CHSL, 25 Pedder Road, Bombay-26 & one open car parking space on the ground floor.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11170/86-87, dt. 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 3-7-1987

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombby, the 3rd July 1987

Ref. No. AR-1/37-EE/13593/86-87.-Whereas I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 22 on 2nd floor, & covered garage No. 7 on the ground floor of Ajay Building Ajay Amar CHSL, 25, Pedder Road, Bombay-26.

Pedder Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for a apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

- (1) Mrs. Sabeena Shaam Mirchandani
- (Transferor)
- (2) Dr. Ratanial H. Kairo & Mrs. Jyoti R. Kalro.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 on 2nd floor, Ajay Building, Ajay Amar CHSL, 25, Pedder Road, Bombay-26., with one covered garage No. 7 on the ground floor.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37EE/11171[86-87, dt. 25-11-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-7-1987

(1) Mr. Dutt Polytextiles

(Transferor)

(2) M/s Dynamic Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-I/37-EE/13601/86-87.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/2, and hearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304 & 305, 3rd Floor, 32, Narayan Dhabolkar Road, Behur Apaitment, Opp. Nepeansea Road, Malabar Hill, Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-11-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratic and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 & 305, 3rd Floor, 32, Narayan Dhabolkar Road, Behur Apartment, Opp. Nepeansea Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-L/37-EE/11174 on 25-11-86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-7-1987

(1) M. R. & D. R. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hansa Bipinchandra Shah & Sandeep Bipinchandra Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-I/37-EE/13604/86-87.--Whereas I, N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Become-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, 8th Floor, Suraj Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than m per cent of such apparent consideration and that the sation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Manage, alle transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pur tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I lat No. 5, 8th Floor, Surai Bldg., Bhulabhai Desai Road. Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37-EE/11165-A on 25-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-7-1987

Scal:

FORM ITNS ----

(1) M. R. & D. R. Thakkar.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Mohta & Mrs. Meenakshi Mohta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION · RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

AR-1/37-EE/13605/86-87.--Whereas I, Ref. No. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 7th Floor, Suraj Bldg., Bhulabhai Desai Road.

Bombay-400026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: has been transferred and the same is registered under Sec-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the se'd Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 7th Floor, Suraj Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay, under Sr. No. AR-1/37-EE/11165-A 25-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 6-7-1987

FORM ITNS (1) Om Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) Ratanchand Laxmichand Parikh & others. (Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987 w

Ref. No. AR-I/37-EE/13607/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 Ground Floor Om Prakash Bldg., Walkeshwar,

Sombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

hus been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transieree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Pamely :--- 28-176GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette (w a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, on Ganga Bldg., Walkeshwar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11178 on 25-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-7-1987

FORM ITNS----(1) Om Prakash Navani & Pholl Om Prakash Navani.

trustees of Rishi Gagan Trust.

(Transferor)

(2) Temothy P D Souza & Marganet D Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

> Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-1/37-EE/13609/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 221, 22nd Floor, Shree Om Sadan Bldg, Narayan Dhabolkar Road, Malabar Hill, Bombay-400 006, tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the spid act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-11-1986

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 221, 22nd Floor, Shree Om Sadan Bldg., Narayan Dhabolkar Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-I/37-EE/11173-A on 25-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13610/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

1, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Flat No. 222, 22nd Floor Shree Om Sadan Bldg., Narayan Dhabolkar Road, Malabar Hill, Bombay-400 006. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, and the same is registered under (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of improved. transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Om Prakash Navani and Phool Om Prakash Navani the Trustees of Rishi Gagan Trust

(Transferor)

(2) Margaret T. D'Souza & Lalit T. D'Souza

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 22nd Floor Shree Om Sadan Bldg., Narayan Dhabolkar Road, Malabar Hill, Bombay-400 006

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11177-A on 25/11/86.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Pote : 6 7/1987

(1) Om Building Pvt. Ltd.

(2) M1. Ratanenand L Parikh, Nitin R Parikh,

> Samir N Parikh, Ashish N Parikh, and

Sagar Nitni Parikh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13611/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

I lat No. 1, Ground floor, at proposed building 'OM GANGA'

Walkeshwar, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as 'agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income as any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mrs. Kalpana N Parikh
(Transferee)

Objections, if easy, so the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, at proposed building 'OM GANGA' Walkeshwar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11179/86-87, dt. 25/11/86.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6/7/1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR 1/37LE/13612/86-87.—Wheras, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property have a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00/- and bearing
Flat No. 13, 2nd Floor, New Deluxe Co.op. Hsg. Socty,

Ltd., 664, Altamount Road, Bombay 400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incosne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Baldey S. Lulla

(Transferor)

- (2) M, 8 Shree Durga Industrial Controls Pvt. Ltd. (Transferee)
- (4) Baroda Rayon Corporation Ltd. (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 2nd Floor, New Deluxe Co.op Hsg. Society Ltd., 664, Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.1/37EE/11180 on 25 11/86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6/7/1987

FORM IINS ----

(1) Mrs. Chandra G. Advanı

(Transferor)

(2) Elakhubhai K Patél and Mrs. Maniben B Patel NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(Transferce)

(3) Mafatlal Dyes & Chemicals Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.1, 37LL/13631/86-87.-Wheras. I. P N BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. K-3, Breach Candy Apartments, 11th Floor, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under action 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comp-tent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No K-3, Breach Candy Apartments, 11th Floor, Bhulabhai Besai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under St. No AR.1/37EE/11187 on 25,11/1986

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

way, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2/7/1987

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (4° CF 1961)

GOVERNME OF OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13641/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing Flat No. 62, 6th floor & Garage No. 7, Mistry Park, Bhulabuai Desni Road, Bombay-26. (and fore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-4B of the Licome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any monate of any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transfere for me purposes of the Indian Income-tax Act. 1922-11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Mr. Praceep Dinkar Amin Sn.t. Kirti Pradeep Amin

(Transferor)

(2) Mr. Anand P Gupta, Smt. Madhu A Gupta, Rahul A Gupta and Robit A Gupta

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. unichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette

FAR ANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor Mistry Park, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026, with Garage No. 7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11192/86-87, dt. 25/11/86.

> P. N. BANSAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6/7/1987

FORM NO. LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13642/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing Flat No. 62 in Mount Unique, Mount Unique CHSL, 62-A, Pedder Road, Bombay-400 026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been. Or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

- (1) Sint. Chintamanidevi Nemkumar Porwal (Transferer)
- (2) Mr. Vimal Bhagwandas Shah

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (Secret).

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62 in Mount Unique, Mount Unique CHSL, 62-A, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11193/86-87, dt. 25/11/86.

P. N. BANSAL
Composint Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomotest
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6/7/1987

(1) Anthony Patrick Lewis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR I. 37EE/13644/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Land with the meassuage, tenements & outhouses standing thereon situate at Western side of Pedder Road, bearing C.S. No. 706 (pt)/(Now 706A & 706B) of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: — 29—176GI/87

(2) M/s. Arihant Enterprise.

(Transferce)

(3) Transferor & Tenants. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with the messuage, tenements & outhouses standing thereon, situate at Western side of Pedder Road, adm. 898 sq. yds. i.e. 757.65 sq. mt. and bearing C.S. No. 706(pt) (now 706A and 706B) of Malabar & Cumballa Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/11194/86-87 on 25-1-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Runge-I, Bombay

Linute: 6-7-1987

20el:

Rishad Alikhan and Mr. Dinlar Alikhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geeta S. Gogia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I 37EE/13648/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 41 on 4th floor, Gulistan, New Gulistan CHSL, Carmichael Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is regis ered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this sotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 41, 4th floor, Gulistan, New Gulistan CHSL, Carmichael Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-I/37EE/11185-A/86-87 on 25-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

- (1) Mrs Bhagwambai Jassumal Mehta.
- (2) Mrs Kalpana Bharat Vibhakar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No ARI 37EE/13650/86-87.—Whereas, I, P N BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income--iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 82 on 8th floor of 'Mistry Park' 77 Bhulabhai Desai

Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considertion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said lmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXLANATION :- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 82 on 8th floor of Mistry Park, 77 Bhulabhai Desai Road, Bombay-36

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/11198/86-87 on 26-11-1986

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely —

Date 6 7-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13651/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Ground floor, Prabhu Kutir CHSL, Altamount

Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Raja Aederi Consultants P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Reshad Chesson, Mr. Bomi E. Chesson and Miss Rukshana Mistry.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on Ground floor, Prabhu Kutir CHSL, Altamount Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/11199/86-87 on 26-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-7-1987

(1) Mr. Reshad B. Chesson & Others.

(T) ansferor)

(2) M/s. Desai Steels Pvt. Ltd.

(3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13652/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, 4th Floor, Mistry Park Annexe: Bhulabhai Desai

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets 'which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property.)

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th Floor, Mistry Park Annexe, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/11200 on 26-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-7-1987

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER O INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13667/86-87.-Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 on 3rd floor, Mitra Kunj, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

(and fore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986

for a apparant ensideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Swaina Brijmohan Kapoor, Smt. Pravinlata Mahendra Kapoor.

(Transferor)

(2) Mrs. Prabha Whig, Mr. Anil Whig, Mr. Manii Whig and Sunil Whig.

(Transferee)

(3) Transferois.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 31d floot, Mitra Kunj, G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.I/37EE/11204/86-87 on 26-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely.

Date: 3-7-1987

FORM 11NS------

(1) Mr. Narendra Shankarlal

(Transferor)

(2) Nandlal B. Schjwani & Another

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13679/86-87.—Wheras, 1, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. '11. 5th 1 loo. Monalisa Bldg. Bomanjee Petit Rd., Populsey 26.

Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registerde under Section 26 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protection and the soid street of the soid such apparent to protect the soid such apparent to protect the soid such apparent the soid such apparent to such transfer as agreed to between the protect the soid such apparent such appare between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5'i, 5th Floor Monalisa Bldg., Bomanjee Petit Rd., Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11221/86-87, 26/11/1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-7-1987

3eal-:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No AR I/37EF '13680/86-87.—Whereas, J. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. B/252, 25th floor, Grand Paradi, August Kranti Marg. Bombay-36

Marg, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

2694B of the income-tax 4cf, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Veena Bharat Patel, Shri Bharat Lalbhai Patel

(2) Mr. Ajay Ajay Gandhi Smt. Aarti Ajay Gandhi

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferors (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 252, 25th floor, Grand Paradi, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11212/86-87, dt. 26-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomby

Date : 6-11-1987 Seal :

FORM I. I.N.S.

(1) M1s. Jaswanti Chandrakant Dhanak.

(Transferor)

(2) Surekha Dhirajlal Dhanak & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR I/37EE/13129/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

P. N. BANSAL, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 1, 1st Floor, Om Sudershan, 22, Rumparel Marg, Opp. Napeansea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section * 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between helieve that the fair market value of the property as aforethe parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of setice on the respective persons. whichever period expéres léters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are ed in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ist Floor, Om Sudershan, 22, Rumparel Marg. Opp. Napeansea Road, Bombay-6.

The percent has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr No AR/37EE/10923 on 3-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons, namely :-

Date: 2-7-1987

(1) M's Medows Investments P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Manoj V. Wadhwa.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Vijay Deep Development. (Person in occupation of the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made un writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.,

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR I/37EE/13157/86-87 —Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabe property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 22, Ritu Apts. 1/113 Dongersi Road, Malabar Hill,

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hyreto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Ritu Apartments CHSL, 1/113, Dongers, Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-1/37EE/10936 86 87 on 3-11-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1987

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13158/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 shares of Flat No. 14 on the 2nd floor & Garage No. 20 on the ground floor, Himgiri CHSL, 755/6 Pedder Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons namely :-

(1) Mr. Babubhai Chunilal Shah. Shri Dineshchandra Babubhai Shah.

(Transferor)

(2) Mr. Chittranjan A. Shah, Madhurika C. Shah, Nayan C. Shah, Bella N. Shah.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursues, whichever period expires later;
- (b) by and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning so given that Chapter.

THE SCHEDULE

10 shares of Flat No. 14 on the 2nd floor & Garage No. 20 on the Ground floor, Himgiri CHSL, 755/6, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/10937/86-87, on 3-11-1986.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-7-1987

FORM ITNS-

(1) Miss Khatoo Ahmed Curmally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aruna Ambaprasad Mathur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/13165/86-87.—Whereas, I.

P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 4961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the sale fixer, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Navrang Building, New Navrang CHSL, Pedder Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Navrang Building, New Navrang CHSL. Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/10939/86-87 on 3-11-1986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No. AR.1/37EE/13174/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 21, Ritu Apartments, 1/113, Dongersi Road, Malabar Hill, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefore by more than the said exceeds the apparent consideration therefore by more than the said that th than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Medows Investments P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak V. Wadhwa.

(Transferce)

(3) M/s. Vijay Deep Developments.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persens within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, Ritu Apartments, 1/113 Dongersi Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/37EE/10945/86-87, on 3-11-986.

P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-7-1987

(1) Shri Krishna Vitthal Road Kulkarni.

- (Transferor)
- (2) Shri Manhar Vasanji Desai & Another.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1987

Ref. No AR.1/37EE/13191/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and hearing No Flat No. C/66, 8th Floor, Vellard View, 14, Tardeo Road,

Bombay-34

found more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for ' the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No C/66, 8th Floor, Vellard View, 14, Tardeo Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR.I/37EE/10950/ on 4 11-1986.

P. N BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

Date: 2-7-1987

الماد المراجع والمستوانية والمستوانية والمستوانية والمستوانية والمستوانية والمستوانية والمستوانية والمستوانية

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.I./37EE/13698/86-87.—Wheras, I,

P. N. BANSAL, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3B, 3rd floor, Shree Vijaya Bhavan, 2/B. Altamount Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comportent Authority at Bombay on 27-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Asha Mitra

(Transferor)

(2) Mrs. Chan Tejinder Singh

(Transferce)

(3) Bharat Petroleum Corpn.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3B, 3rd floor, Shree Vijaya Bhawan, 2-B. Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11223/86-87, dt. 27-11-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-7-1987

Mr Madanchand C Parikh Shri Nihalchand C Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajendrakumar N Agarwal

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref No. AR 1/37EE/13708/86-87.—Whereas, I. P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961; (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th flor, Parag, Parag Apartments CHSL, Peddar Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sons/deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th flor, Parag, Parag Apartments CHSL, Peddar Road, Bombay-26. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11224/86-87. dt. 1-12-86.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1987